• वर्ष-3
• अंक-138
रायपुर, बुधवार 17 जनवरी 2024
• पृष्ठ-8
• मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

पेज-6›› 20 या 21 जनवरी 2024 कब....

सुशासन के प्रतीक हैं राम, रामराज का विचार ही सच्चा लोकतंत्र-मोदी

आंध्र प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पलसमुद्रम में नेशनल एकेडमी ऑफ कस्टम, इनडायरेक्ट टैक्स एंड नारकोटिक्स के नए परिसर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि NACIN का यह नया परिसर सुशासन के लिए नए आयाम बनाएगा और भारत में व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि यहां आने से पहले पवित्र लेपाक्षी में वीरभद्र मंदिर जाने का सौभाग्य मिला है, मंदिर में मुझे रंगनाथ रामायण सुनने का अवसर मिला, मैंने वहां भजन कीर्तन में भी हिस्सा लिया। मान्यता है कि यहीं पास में भगवान श्रीराम का जटायु से संवाद हुआ था।

उन्होंने कहा कि ह्णष्टह्ह की भूमिका देश को एक आधुनिक इकोसिस्टम देने की है। एक ऐसा इकोसिस्टम जो देश में व्यापार को आसान बना सके, जो भारत को वैश्विक व्यापार का अहम पार्टनर बनाने के लिए मैत्रीपूर्ण माहौल बना सके, जो टैक्स, सीमा शुल्क, नशीले पदार्थ, जैसे विषयों के माध्यम से देश में व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा दें। मोदी ने कहा कि आप जानते हैं, अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा से पूर्व मेरा 11 दिन का अनुष्ठान चल रहा है। ऐसी पुण्य अवधि में यहां ईश्वर से साक्षात आशीर्वाद पाकर मैं धन्य हो गया। उन्होंने कहा कि आज कल पूरा देश राममय है, रामभक्ति में सराबोर है, लेकिन प्रभु श्रीराम का जीवन विस्तार, उनकी प्रेरणा, आस्था... भक्ति के दायरे से कहीं ज्यादा है। प्रभु राम शासन के, सामाजिक जीवन में सुशासन के ऐसे प्रतीक हैं, जो आपके संस्थान के लिए भी बहुत बड़ी प्रेरणा बन सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राम राज्य सुशासन के इन्हीं 4 स्तंभों पर खड़ा था- जहां सम्मान से, बिना भय के हर कोई सिर ऊंचा कर चल सके, जहां हर नागरिक के साथ समान व्यवहार हो, जहां कमजोर की सुरक्षा हो और जहां धर्म यानि कर्तव्य सर्वोपरि हो। आज 21वीं सदी के आधुनिक संस्थान के 4 सबसे बड़े धेय यही तो हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि रामराज का विचार ही सच्चा लोकतंत्र है। मोदी ने कहा कि अतीत में हमारे यहां प्रोजेक्ट्स को अटकाने, लटकाने और भटकाने की प्रवृत्ति रही है, जिस कारण से देश को बहुत नुकसान हुआ है। बीते 10 वर्षों में हमारी सरकार ने लागत का ध्यान रखा है और योजनाओं को समय पर पूरा करने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में गरीब, किसान, महिला व युवा... इन सबको हमने सशक्त किया है। हमारी योजनाओं के केंद्र में वही लोग सर्वोपरि रहे हैं, जो वंचित थे, शोषित थे, समाज के अंतिम पायदान पर खड़े थे मोदी ने कहा कि नीति आयोग की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक हमारी सरकार के पिछले 9 वर्षों के दौरान करीब 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। जिस देश में दशकों तक गरीबी हटाओ के नारे दिए जाते रहे, उस देश में सिर्फ 9 वर्ष में 25 करोड़ लोगों का गरीबी से बाहर निकलना ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि हमने बीते 10 वर्षों में कर व्यवस्था में बहुत बड़े रिफॉर्म किए। पहले भांति-भांति की कर व्यवस्थाएं थी.

राहुल गांधी के बयान से कोई फर्क नहीं पड़ता

ह्कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर पहली बार बयान दिया है। हालांकि, उनके बयान को लेकर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि मेरी राय में, राहुल गांधी इसी ला-ला दुनिया में रहते हैं...भारत के लोग काफी समझदार हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वे राहुल गांधी की राजनीति को समझते हैं...और हम यह फैसला भारत की जनता पर छोड़ेंगे कि उन्हें राहुल गांधी को क्या जवाब देना चाहिए। भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस के लोग कुछ भी कहें, पूरा देश जानता है कि वे (कांग्रेस) पिछले 65 वर्षों से गरीबों पर क्या अत्याचार कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी के सत्ता में आने के बाद ही 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ सके। तो, कौन न्याय कर रहा है और कौन अन्याय कर रहा है, पूरा देश जानता है...लेकिन अगर वे अपनी यात्रा को %न्याय यात्रा कहना चाहते हैं तो हमें कोई समस्या नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कांग्रेस राम मंदिर उद्घाटन में शामिल होगी या नहीं, यह आस्था का मामला है और हम सभी जाएंगे।

पंजाब में ड्रोन द्वारा हथियारों की आपूर्ति

तस्करी मामले में आरोप पत्र दायर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने सीमा पार तस्करी के जरिए पंजाब में ड्रोन द्वारा हथियारों की आपूर्ति से संबंधित एक मामले में 'वांछित आतंकवादी' लखबीर सिंह रोडे उर्फ बाबा और रंजोत उर्फ राणा सहित पांच लोगों के खिलाफ मंगलवार को आरोप पत्र दायर किया। एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा कि रोडे और रणजोत के अलावा आरोपपत्र में नामित अन्य लोगों में पंजाब के गुरदासपुर का तरनजोत सिंह उर्फ तन्ना और गुरजीत सिंह उर्फ पा और पाकिस्तान स्थित तस्कर रहमत अली उर्फ मियां शामिल है। पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्र बटाला के डेरा बाबा नानक के बगताना बोहरवाला गांव में 24 मार्च 2023 को एक श्मशान घाट से हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किए जाने के मामले में मोहाली स्थित एनआईए की विशेष अदालत में आरोप पत्र दायर किया गया था।

जब्त किए गए हथियारों में पांच ग्लॉक पिस्तौल, 10 मैगजीन और कारतूस शामिल थे। प्रवक्ता ने कहा कि अब तक की जांच से मामले में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन खालिस्तान लिबरेशन फोर्स (केएलएफ) के सदस्यों और पाकिस्तान स्थित व्यक्तियों के बीच संबंध सामने आए हैं। मंगलवार को दाखिल किए गए आरोप पत्र में जिन आरोपियों के नाम शामिल हैं उनमें से एक की पहचान एनआईए ने मलकीत सिंह उर्फ पिस्टल के तौर पर की थी। आरोपी सीमा पार से हथियारों की तस्करी के जटिल नेटवर्क में शामिल था। मलकीत पर पहले 11 नवंबर, 2023 को मामले में आरोप पत्र दायर किया गया था। प्रवक्ता ने कहा कि मलकीत, तन्ना और पा का रहमत अली, रोडे और रंजोत से सीधे संपर्क का पता चला। जांच के अनुसार तस्करी से मिले इन हथियारों का उपयोग अन्य धर्मों के व्यक्तियों को निशाना बनाकर की जाने वाली हत्याओं और प्रतिबंधित खालिस्तान लिबरेशन फ्रंट और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन (आईएसवाईएफ) के वास्ते धन जुटाने के इरादे से जबरन वसूली में किया जाना था। पूरी साजिश का उद्देश्य मीडिया में हलचल पैदा करना भी था। इसका अंतिम उद्देश्य भारत में भय और आतंक का माहौल बनाना था। रोडे केएलएफ से जुड़ा था और आईएसवाईएफ का प्रमुख था, जिसकी दिसंबर 2023 में पाकिस्तान में मौत होने की खबर है। केएलएफ और आईएसवाईएफ दोनों को उनके हिंसक अभियान के तहत हत्याओं, बमबारी और विभिन्न अन्य आतंकवादी गतिविधियों सहित जघन्य अपराधों की कई घटनाओं में उनकी प्रत्यक्ष भागीदारी के कारण केंद्र द्वारा प्रतिबंधित कर दिया गया है।

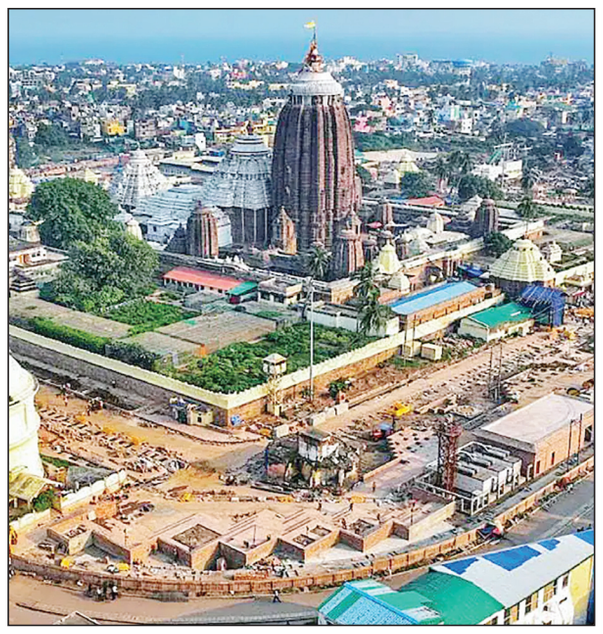

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले जगन्नाथ पुरी हेरिटेज कॉरिडोर का उद्घाटन

भुवनेश्वर/पुरी. अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होने जा रहे है. इससे 5 दिन पहले यानी 17 जनवरी को ओडिशा के पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर के हेरिटेज कॉरिडोर का उद्घाटन होने जा रहा है. जगन्नाथ मंदिर के हेरिटेज कॉरिडोर को श्रीमंदिर परिक्रमा प्रकल्प के नाम से जाना जाता है, जो राज्य की नवीन पटनायक सरकार और बीजू जनता दल का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट रहा है. इस कॉरीडोर के निर्माण में करीब 943 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं.

शाह और नड्डा ने लोकसभा चुनाव की रणनीति का खाका किया पेश

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा की मौजूदगी में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक अहम बैठक हुई जिसमें सभी 543 लोकसभा सीट पर प्रचार अभियान की रणनीति को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में, पहली बार के मतदाताओं, सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), युवाओं और महिलाओं को साधने की रणनीति पर भी जोर दिया गया। पार्टी महासचिव विनोद तावड़े ने बताया कि 300 से अधिक पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि 2014 में सत्ता में आने के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने गरीबों के कल्याण के लिए काम किया और उनके दूसरे कार्यकाल के दौरान भारत का वैश्विक कद कई गुना बढ़ा है।

इस क्रम में उन्होंने भारत के विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का जिक्र किया। यह संकेत देते हुए कि भाजपा अन्य दलों के नेताओं का स्वागत करना चाहती है, शाह ने कहा कि उन्हें ऐसी जानी-मानी हस्तियों और विभिन्न समुदायों के नेताओं से संपर्क करना चाहिए जो राष्ट्रवादी मुख्यधारा का हिस्सा बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं है, बल्कि अपने संस्थापक दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय के ध्येय के अनुरूप सबसे वंचितों का उत्थान करना है। पार्टी नेताओं से सरकार की कई सफलताओं के साथ मतदाताओं तक पहुंचने का आह्वान करते हुए शाह ने कहा कि मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के विचार के इर्द-गिर्द देश को केंद्रित किया है जबकि इस दौरान सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को भी बड़ा बढ़ावा मिला है।

शाह का यह बयान ऐसे समय आया है जब अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर देश में एक माहौल बनता जा रहा है।उन्होंने कहा कि सरकार भारत को एक बड़ी शक्ति बनाने की दिशा में काम कर रही है। नड्डा ने अपने संबोधन में नेताओं से देश भर में पार्टी का और विस्तार सुनिश्चित करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि नेताओं को यह देखना चाहिए कि पार्टी को उन राज्यों में अधिक सीट पर जीत हासिल हो, जहां 2019 में उसे सीमित सफलता मिली थी।

प्रमुख समाचार

मायावती को पीएम बनाने का सपना देख रही थी-अखिलेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राजनीति जमकर हो रही है। हाल में ही बसपा प्रमुख मायावती ने साफ तौर पर कह दिया था कि वह लोकसभा चुनाव में अलेके उतरेंगी। उनकी पार्टी किसी से गठबंधन नहीं करेगी। हालांकि, इस दौरान मायावती ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को लेकर एक बयान दिया था। मायावती ने अखिलेश यादव पर गिरगिट की तरह रंग बदलने का आरोप लगा दिया। अब इसी को लेकर अखिलेश यादव की ओर से पलटवार किया गया है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादियों ने हमेशा सम्मान देने का काम किया है... मुझे वह समय याद है जब समाजवादियों ने संकल्प लिया था कि देश की प्रधानमंत्री उस वर्ग से हो जिन्होंने समाज की तमाम बुराइयों का सामना किया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी तो प्रधानमंत्री बनाने का सपना देख रही थी और हमने उसपर काम भी किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम पीडीए यानि आधी आबादी के सम्मान की बात कर रहे हैं और वे रंग बदलने की बात कह रही है, शायद उनपर कोई दबाव है जिसकी वजह से वे ऐसा कह रही हैं।

भाजपा सरकार ने कृषि बजट के रुपये खर्च नहीं किया-कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस और माकपा ने मंगलवार को पिछले पांच वर्षों में कृषि बजट के एक लाख करोड़ रुपये सरेंडर (उपयोग न करने) करने के लिए मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इसके कारण देश में किसानों को नुकसान उठाना पड़ा और उनके कई वादे अधूरे रह गए। कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि स्थायी समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि भाजपा सरकार ने न केवल कृषि क्षेत्र के लिए आवंटन लगातार कम किया है, बल्कि छोटे बजट को भी पूरा खर्च नहीं किया है। आंकड़े साझा करते हुए उन्होंने दावा किया कि पिछले चार वर्षों के दौरान कृषि के लिए बजट आवंटन 4.4 प्रतिशत से घटकर सिर्फ 2.5 प्रतिशत रह गया है। उन्होंने कहा कि फरवरी में फिर से किसान आंदोलन की बात हो रही है क्योंकि सरकार ने किसानों से अपने वादे पूरे नहीं किए हैं। हुड्डा ने कहा कि बिना खर्च किए गए एक लाख करोड़ रुपये का इस्तेमाल कर्ज में डूबे किसानों को राहत देने के लिए किया जा सकता था।

केरल के मुख्यमंत्री-मंत्री केंद्र के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन केंद्र की दक्षिणी राज्य की कथित 'अनदेखी' के खिलाफ अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ आठ फरवरी को नयी दिल्ली में धरना प्रदर्शन करेंगे। केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के संयोजक ई.पी. जयराजन ने मंगलवार को बताया कि आठ फरवरी को पूर्वाह्न 11 बजे जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करने का कार्यक्रम तय किया गया है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस नीत विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) को भी प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया है और अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को भी प्रदर्शन की जानकारी दी जाएगी। जयराजन ने कहा कि यूडीएफ के सांसदों और विधायकों से भी प्रदर्शन में हिस्सा लेने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने बताया कि विरोध प्रदर्शन के दिन शाम चार बजे से छह बजे तक पूरे केरल में बूथ के आधार पर घर-घर जाकर लोगों से संपर्क किया जाएगा और उन्हें दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन के कारणों से अवगत कराया जाएगा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत एलडीएफ का यह फैसला केंद्र की कथित अनदेखी को लेकर मुख्यमंत्री की विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी.डी.सतीशन और उप नेता प्रतिपक्ष पी.के. कुन्हालीकुट्टी के साथ हुई ऑनलाइन बैठक के बाद आया है।

जलजमाव से निपटने की योजना बताएं दिल्ली- न्यायालय

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव और वित्त सचिव को डिजिटल माध्यम से उसके समक्ष उपस्थित होने और यह बताने को कहा कि वे राष्ट्रीय राजधानी में जलजमाव की समस्या से कैसे निपटेंगे और क्या जल निकासी के लिए 'मास्टर प्लान' तैयार कर लिया गया है। अदालत ने कहा कि मानसून के दौरान भारी बारिश के कारण कई आवासीय इलाकों में सीवेज में उफान देखा जाता है और दिल्ली में बरसाती पानी के नाले और सीवेज के नाले अलग नहीं हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पी एस अरोड़ा की पीठ ने कहा, ''यह सामान्य बात है कि नालियां आम तौर पर गाद से भरी होती हैं और गहराई के उचित स्तर और ऊंचाई को ध्यान में रखकर नालियां नहीं बनाई जाती हैं। अधिकांश नालियां एकीकृत नहीं हैं और जगह-जगह से टूटी हुई हैं।'' पीठ ने दिल्ली के मुख्य सचिव और वित्त सचिव को मामले में सुनवाई की अगली तारीख 30 जनवरी को डिजिटल माध्यम से उसके समक्ष उपस्थित होने

मुस्लिम लीग, हुर्रियत पर न्यायाधिकरण करेगा फैसला

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने आतंकी कानून, गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम या यूएपीए के तहत न्यायाधिकरण का गठन किया है, ताकि यह निर्णय लिया जा सके कि कश्मीर स्थित दो संगठनों, मुस्लिम लीग और तहरीक-ए-हुर्रियत पर प्रतिबंध उचित था या नहीं। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सचिन दत्ता दोनों न्यायाधिकरणों की अध्यक्षता करेंगे। गृह मंत्रालय ने मसरत आलम भट के नेतृत्व वाली मुस्लिम लीग और दिवंगत अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी द्वारा स्थापित तहरीक-ए-हुर्रियत पर क्रमशः 27 दिसंबर और 31 दिसंबर, 2023 को यूएपीए के तहत प्रतिबंध लगा दिया। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की अध्यक्षता में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) न्यायाधिकरण के गठन पर मंत्रालय का आदेश मंगलवार को जारी किया गया। मुस्लिम लीग पर प्रतिबंध लगाने के लिए पर्याप्त आधार हैं या नहीं, यह तय करने के लिए न्यायाधिकरण का नेतृत्व करने के लिए न्यायाधीश को नामित करने की एक समान अधिसूचना सोमवार देर रात जारी की गई थी। एक बार जब ट्रिब्यूनल को एमएचए से एक संदर्भ प्राप्त होता है, तो ट्रिब्यूनल संबंधित संगठनों को सरकार के फैसले पर अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी करता है।

मोदी का माय प्लान , 400 के पार के लिए भाजपा का बनेगा सहारा?

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 की सरगर्मियां पूरे जोरों पर है. बीजेपी-कांग्रेस समेत तमाम पार्टियां अपने वोट बैंक को मजबूत करने और विरोधी के वोटबैंक में सेंध लगाने की कवायद में लग गई है. बीजेपी ने अब विरोधियों के वोटबैंक में घुसपैठ करने की रणनीति को मूर्त रूप देना भी शुरू कर दिया है. राम-मय माहौल में बीजेपी के नेता खुलकर कह रहे हैं कि इस बार लोकसभा चुनावों में 400 के पार सीटें आएंगी.

हालांकि, बीजेपी तो क्या किसी भी पार्टी के लिए ये आंकड़ा हासिल करना आसान काम नहीं है. तभी बीजेपी के रणनीतिकारों ने यूपी की 80 और बिहार की 40 सीटों को साधने के लिए माय प्लान बनाया है.

दरअसल, समाजवादी पार्टी के माय फॉर्मूले की तर्ज पर यूपी में मिशन 80 को पार लगाने के लिए भारतीय जनता पार्टी भी मायफैक्टर लेकर जनता के बीच जाने की तैयारी में है. सपा का एसपी का माय जहां मुस्लिम-यादव है, वहीं बीजेपी के माय का मतलब मोदी-योगी और मुस्लिम-योगी है. इसी के साथ बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश में 18 लाख से अधिक पीएम आवास योजना के अल्पसंख्यक लाभार्थियों के दम पर इस लोकसभा चुनाव में जीत का लक्ष्य भेदने का काम करेगा. मुस्लिम और यादव दोनों ही समाज के वोटरों के लिए कहा जाता है कि वो मोटे तौर पर बीजेपी के विरोधियों को ही वोट करते हैं. जैसे अगर यूपी के मुसलमान और यादव हैं, तो ज्यादातर लोग समाजवादी पार्टी या कांग्रेस को वोट करते हैं. अगर बिहार के मुस्लिम या यादव हैं, तो वो आरजेडी और कांग्रेस के साथ जाना पसंद करते हैं.

क्या कहते हैं आंकड़े?

सीएसडीएस के आंकड़ों के मुताबिक, 2019 के चुनाव में उत्तर प्रदेश में बीजेपी का मुस्लिम वोट शेयर 8त्न और यादव वोट शेयर 23% रहा. निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, बीजेपी ने 2019 में यूपी में 62 लोकसभा सीट जीती थीं. दो उसकी सहयोगी दल अपना दल ने जीती थीं. बाकी 16 विपक्ष के पास थीं. बीजेपी का कुल वोट प्रतिशत 49.6% रहा. वहीं, 2019 के लोकसभा चुनाव में बिहार में बीजेपी का मुस्लिम वोट शेयर 6% और यादव वोट शेयर 21% रहा. बिहार की 40 सीटों में से बीजेपी को 17 सीटें मिली. पार्टी का कुल वोट प्रतिशत 23.6% रहा. यूपी की मुस्लिम बहुल सभी सीटों सहारनपुर, अमरोहा, बिजनौर, नगीना, संभल, रामपुर, मुरादाबाद पर बीजेपी हारी थी. मेरठ, अलीगढ़, कैराना, मुजफ्फरनगर वगैरह सीटों पर भी बीजेपी को जीतने के लिए मेहनत करनी पड़ी थी. इसलिए 2024 में बीजेपी ने अल्पसंख्यकों खासकर मुस्लिमों को साधने की रणनीति पर कदम बढ़ाया हुआ है. उनमें भी पसमांदा मुस्लिमों को जोड़ने पर जोर है.

यूपी के निकाय चुनाव में बीजेपी को रणनीति बदलने का फायदा भी मिला. बीजेपी ने मुस्लिमों को साथ लगाया, इससे संभल, मुरादाबाद, मेरठ, सहारनपुर, देवबंद जैसे मुस्लिम बहुल सीटों पर बीजेपी को उम्मीद से ज्यादा वोट मिला. उससे पहले उपचुनाव में रामपुर लोकसभा, रामपुर विधानसभा, स्वार विधानसभा मुस्लिम बहुल होने के बाद भी बीजेपी या बीजेपी गठबंधन जीता. ऐसे में रणनीतिकारों का मानना है कि बीजेपी अब मुस्लिमों के लिए अछूत नहीं रह गई है.

बीजेपी ने बिछाई सियासी बिसात

बीजेपी ने यूपी और बिहार में इसी कड़ी में एक सियासी बिसात बिछाई है. यूपी में शुक्रिया मोदी भाईजान के नाम से मुस्लिम समाज की महिलाओं में एक अभियान की शुरुआत की गई है. सोमवार को बीजेपी का ये अभियान लॉन्च हुआ. इसके साथ ही यादव मंच के एक कार्यक्रम में सोमवार को उप-मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने बगैर नाम लिए सपा पर निशाना साधा. उन्होंने कहा, जो भगवान राम का नहीं हुआ, वो भगवान कृष्ण का कैसे होगा. और जो श्रीकृष्ण का नहीं हुआ, वो भला यदुवंशी कैसे हो सकता है? बृजेश पाठक के इस बयान के कई मायने निकाले जा रहे हैं.

विपक्ष की आ रही प्रतिक्रियाएं

जिस तरीके से यूपी के यादव और मुस्लिम वोट बैंक में बीजेपी सेंध लगा रही है, उसपर उसी अंदाज में प्रतिक्रियाएं भी आ रही हैं. समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता मनोज काका ने कहा, बीजेपी के लोगों को थोड़ा सा भी अपने कर्मों का ख्याल नहीं है. किसी मंच पर जाने और कोई नारा लगा देने से कुछ नहीं होता. कोई दलित, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग कहां जवाब देंगे. जब यादव समाज के लोगों के साथ बर्बरता हुई, तब बीजेपी के लोग कहां थे? बीजेपी के प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने सपा के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा, बीजेपी ने सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का सिर्फ नारा नहीं दिया है, बल्कि सरकार की योजनाओं में बीजेपी इन सबकों साथ लेकर चल रही है. इसी कारण से जो लंबे समय तक देश में जाति-मजहब के समीकरण साधने का काम करते थे, उनके सभी समीकरण ध्वस्त हो गए हैं.

बीजेपी इन दिनों यादव समाज के लोगों को ये भी बताने की कोशिश कर रही है कि सत्ता में भागीदारी से ही समाज का भला हो सकता है. यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ के कैबिनेट में भी गिरिश यादव का मंत्रीपद दिया गया है. यूपी में यादवों की सबसे बड़ी पार्टी बताने वाली सपा राज्य में लगातार 4 चुनाव हार चुकी है. अब बात बिहार की करते हैं. बीजेपी अपने इकलौते यादव सीएम यानी मध्य प्रदेश के नए नवेले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पटना भेज रही है. हालांकि, ये पार्टी का औपचारिक कार्यक्रम नहीं है. लेकिन 18 और 19 जनवरी को पटना में एक कृष्ण चेतना मंच के कार्यक्रम में मोहन यादव शिरकत करेंगे.

पुलिस ने बारसूर से वॉन्टेड नक्सलियों को पकड़ा

चुनाव के दौरान फायरिंग और बमबारी में थे शामिल

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा पुलिस लगातार नक्सलियों पर नकेल कसने सर्चिंग अभियान चला रही है। इसी दौरान पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। तीन नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है।

दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव राय और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राम कुमार बर्मन के निर्देश पर जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत सोमवार को इन्द्रावती एरिया कमेटी के नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना बारसूर थाना क्षेत्र में मिली थी। इस सूचना पर डीआरजी और बस्तर फाइटर की संयुक्त टीम तुमरीगुण्डा, कोसलनार और मंगनार के जंगल पहुंची। इस दौरान कुछ संदिग्ध लोग भागने लगे। जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया।

पकड़े गये नक्सलियों के नाम- लालू राम कड़ती उर्फ कर्मा लोहरापारा थाना ओरछा जिला नारायणपुर (डुंगा पंचायत डीएकेएमएस सदस्य), राजू राम कड़ती लोहरापारा थाना ओरछा जिला नारायणपुर (डुंगा पंचायत मिलिशिया सदस्य), सुदराम कड़ती पुसालामा लोहरापारा थाना ओरछा जिला नारायणपुर (डुंगा पंचायत मिलिशिया सदस्य)।

विधानसभा चुनाव के पहले चरण में कई घटनाओं में थे शामिल- तीनों नक्सली छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के पहले चरण 7 नवंबर को ग्राम मंगनार पोलिंग बूथ को चारों ओर से घेर कर फायरिंग करने और बमबारी की घटना में शामिल थे। पुलिस ने तीनों गिरफ्तार नक्सलियों पर मामला दर्ज कर कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें

न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

नक्सलियों ने गंगालूर में ग्रामीण को उतारा मौत के घाट

बीजापुर। बीजापुर में बीते तीन दिनों से अंदर सुरक्षाबलों ने 9 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। इसके बाद से लगातार सुरक्षाबलों की सर्चिंग यहां तेज हो गई है। इस बीच सोमवार की सुबह बीजापुर में नक्सलियों ने एक ग्रामीण की हत्या कर दी। पुलिस इसे नक्सलियों के बदले की कार्रवाई बता रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक इस केस में लगातार जांच की जा रही है।

यह पूरी वारदात गंगालूर इलाके के पुसनार गांव की है। पुलिस के मुताबिक नक्सलियों ने रिशु पुनेम की हत्या कर उसके शव को पुसनार गांव में फेंक दिया। उसके बाद गांव वालों ने इसकी सूचना दी। पुलिस यह भी शक जता रही है कि यह कार्रवाई प्रतिशोध के तहत किया गया होगा। क्योंकि 12 जनवरी को पुसनार गांव के पास ही नक्सलियों से एनकाउंटर हुआ था। जिसमें नक्सली कमांडर टोया पोटम मारा गया था। उसके बाद नक्सलियों ने गुस्से में ग्रामीण की हत्या की है।

सुरक्षाबलों ने गंगालूर इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है। ग्रामीण की हत्या के लिए जिम्मेदार नक्सलियों को पकड़ने के लिए इलाके में तलाशी जारी है। बीजापुर पुलिस हत्या के इस केस की हर तरीके से जांच कर रही है। पुलिस जल्द ही पूरे मामले पर बड़ा खुलासा कर सकती है।

आईजी ने कहा था नक्सल मोर्चे पर हो रही निर्णायक लड़ाई

बस्तर में नक्सलियों की वारदात के बीच सुरक्षाबलों की तरफ से भी लगातार बयान जारी किया जा रहा है। रविवार को बस्तर के आईजी सुंदरराज पी ने बयान जारी करते हुए कहा था कि बस्तर में अब लाल आतंक के खिलाफ निर्णायक लड़ाई चल रही है। आईजी ने कहा था कि नक्सलियों के खिलाफ जारी ऑपरेशन से माओवादी बौखलाहट में हैं।

आधी रात थाना आ धमके कलेक्टर-एसपी

नए कानून और थाने की कार्रवाई को लेकर हुई चर्चा

मुंगेली। जिले के कलेक्टर राहुल देव और एसपी चंद्रमोहन सिंह कल रात करीब 1 बजे औचक निरीक्षण करने जरहागांव थाना पहुंच गए। यहां दोनों अफसरों ने थाने का निरीक्षण कर उपस्थित जरहागांव थाना प्रभारी नन्दलाल पैकरा को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने थाने की कार्रवाई और नए कानून के संबधं में भी चर्चा की।

विजिबल पुलिसिंग के अंतर्गत सोमवार रात जिले के सभी थाना-चौकी क्षेत्र में औचक कांबिंग गश्त की गई। इस दौरान तेज रफ्तार वाहन चालकों के विरुद्ध समझाइश और चालानी कार्रवाई की गई। साथ ही रात में घूमने वाले संदिग्ध लोगों से भी पूछताछ कर शहर के गली मोहल्लों और महत्वपूर्ण स्थानों पर पैदल गश्त की गई। अपराधों के रोकथाम के लिए एसपी चंद्रमोहन सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतिभा पांडेय के निर्देश पर लगातार जिले के सभी क्षेत्र में इस तरह की कांबिंग गश्त कार्रवाई की जा रही है। इससे जिले में संपत्ति संबन्धी अपराध में कमी आई है।

आधी रात यूं तो जिले के प्रशासन और पुलिस के मुखिया का एक साथ किसी एक जगह पर जाना आम बात नहीं है, लेकिन जिले के कलेक्टर राहुल देव और एसपी चंद्रमोहन सिंह दोनों के बीच अच्छा सामंजस्य है। यह बताना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि एसपी चंद्रमोहन सिंह 2014 बैच के आईएएस अफसर है, जबकि कलेक्टर राहुल देव 2016 बैच के ड्रूस अफसर है। इस मायने में ऑल इंडिया सर्विस के लिहाज से यहां एसपी चंद्रमोहन सिंह कलेक्टर राहुल देव से सीनियर है, लेकिन राहुल देव जिले के कलेक्टर होने के नाते प्रोटोकॉल अलग है। ऐसे में कई बार देखा जाता है कि यदि किसी जिले में कलेक्टर यदि एसपी से जूनियर तो वैसा तालमेल नजर नहीं आता, जैसा होना चाहिए। मगर इन दोनों अफसरों की खूबी ये है कि पोस्टिंग के बाद से ही दोनों में अच्छा तालमेल है, जो कि जिले में बेहतर कानून व्यवस्था के लिए अच्छी बात है। इन दोनों की जोड़ी ने जिले में हाल में हुए अति संवेदन शील कार्य कहे जाने वाले विधानसभा का चुनाव भी निपटाया है और दोनों अफसर परस्पर बेहतर तालमेल बनाकर मैदान रूपी मुंगेली जिले की पिच पर प्रशासन और पुलिस की मुखिया होने के नाते बल्लेबाजी करते हुए क्रीज पर जमे हुए।

भिलाई स्टील प्लांट में गेट पास चेक कराना समझो एवरेस्ट चढ़ना!

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट में इन दिनों काम करने आने वाले कर्मचारियों को नई मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। सीआइएसएफ की सुस्ती कर्मचारियों पर भारी पड़ रही है। क्योंकि ड्यूटी जाने वालों की लंबी लाइन गेट पर लगने लगी है। इस बात को लेकर कर्मचारियों और सीआइएसएफ जवानों रोजाना विवाद की स्थिति पैदा हो रही है।जिसे लेकर अब कर्मचारी यूनियन सीटू ने प्रबंधन का ध्यान इस ओर खींचा है।

सीटू यूनियन का कहना है कि प्लांट आते समय गेट पास दिखाना कर्मी की जिम्मेदारी है। गेट पास चेक करके कर्मी को अंदर भेजना सीआईएसएफ की ओर से तैनात कर्मी की ड्यूटी है। जो बहुत ही आराम से चल रहा है। लेकिन कुछ दिनों से गेट पास को लेकर सख्ती बढ़ गई है। फर्जी गेट पास की शिकायत और मामले सामने आ चुके हैं। डुप्लीकेट कलर गेट पास को रोकने के लिए गहराई से चेक करने की बात सीआईएसएफ बोल रही है।जिसकी वजह से आए दिन गेट पर कर्मचारियों और सीआईएसएफ के बीच झड़प हो रही है।

यूनियन के मुताबिक संयंत्र में कार्य करने वाले कर्मियों के लिए पिछले दिनों प्रबंधन ने गाड़ी का क्यूआर कोड बनवाया था। जिसमें संयंत्र के अंदर आते समय कर्मी को गेट पास के साथ-साथ गाड़ी का क्यूआर कोड भी दिखाना जरूरी है। जिसे

सीआईएसएफ के कर्मी जांच कर गाड़ी के नंबर प्लेट के साथ मिलान करेंगे इसके बाद अंदर जाने देंगे। वहीं प्रबंधन के मुताबिक व्यवस्था गलत गाड़ी और लोगों को अंदर घुसने से रोकने के लिए है।लेकिन जिस तरह से अधिकारियों के बदलने पर नए नियम बनते हैं।उनसे परेशानी सिर्फ कर्मचारियों को ही होती है। सीटू उपाध्यक्ष डीवीएस रेड्डी ने कहा कभी संयंत्र में 60000 स्थाई कर्मी हुआ करते थे। अब अधिकारी सहित मात्र 15000 कर्मी रह गए हैं। लेकिन पिछले कुछ दिनों से गेट पास की वैधता चेक करने के नाम पर गेट के अंदर जाने के लिए जो कवायद चल रही है,वो कर्मचारियों को परेशान करने वाली है।

वहीं इस बारे में पॉल्यूशन महासचिव जेपी त्रिवेदी का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से गेट पास चेकिंग के नाम पर गेट में इतनी ज्यादा भीड़ लगने लगी है कि गेट के अंदर पहुंचने में हर कर्मी को 5 से 10 मिनट लग रहा है।

बीएसपी के मकान पर कब्जा करना कर्मचारी को पड़ा भारी

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए फैक्ट्री प्रबंधन ने क्वार्टर बनाए थे। जो कर्मचारी फैक्ट्री में काम करते हैं उनको कंपनी की ओर से मकान उपलब्ध कराया जाता है। लंबे वक्त से भिलाई स्टील प्लांट के मकानों पर जबरन कब्जा किए जाने की खबरें सामने आती रही हैं। कंपनी प्रबंधन की ओर से कब्जाधारियों को हटाने के लिए समय समय पर मुहिम भी चलाई जाती है। बावजूद इसके कब्जाधारी खाली मकानों पर कब्जा करने से बाज नहीं आते। ताजा मामला सेक्टर चार इलाके का है। यहां इन्फोर्समेंट डिपार्टमेंट ने बीएसपी के क्वार्टर से कब्जा हटाकर मकान को सील कर दिया।

कंपनी के इन्फोर्समेंट डिपार्टमेंट का कहना है कि सेक्टर चार बने अधिकारी के बंगले पर कर्मचारी ने कब्जा कर रखा था। चार सालों से कर्मचारी अधिकारी के बंगले में रहा रहा था। कर्मचारी को कई बार मकान खाली करने का निर्देश दिया गया। कई बार नोटिस मिलने के बाद भी कर्मचारी ने मकान खाली नहीं किया। परेशान होकर विभाग ने कर्मचारी आरडी कोरी के बंगले को जबरन खाली कराया और उसे सील कर दिया। विभाग ने कर्मचारी को चेतावनी भी दी कि अगर भविष्य में ऐसा दोबारा किया तो विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

कब्जा करने वाले कर्मचारी को विभाग की ओर से पांच लाख 82 हजार का बिल थमाया गया है। विभाग ने कहा है कि आपने करीब पांच सालों तक मकान पर कब्जा रखा और उसका इस्तेमाल किया। लिहाजा कर्मचारी को डैमेज चार्जेस पेनल्टी के तौर पर पांच लाख 82 हजार का बिल भरना होगा। करीब पौने छह लाख का बिल मिलते ही क्वार्टर पर कब्जा करने वाले कर्मचारी के पसीने छूटने लगे हैं।

तातापानी महोत्सव में उमड़ा सैलाब यूपी झारखंड से भी पहुंच रहे लोग

बलरामपुर। रामानुजगंज में ग्राम तातापानी के गर्म जल स्त्रोत स्थान में मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय मेला कमेटी के सहयोग से तातापानी के तीन दिवसीय मकर संक्रांति महोत्सव में छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानों से काफी संख्या में प्रतिदिन लोग पहुंच ही रहे हैं। वही झारखंड एवं उत्तर प्रदेश के भी बड़ी संख्या में लोग मेला एवं महोत्सव के पहले दिन सही पहुंच रहे हैं। वहीं आज तातापानी मेला एवं महोत्सव की आखिरी दिन तो जन सैलाब उमड़ पड़ा।

गौरतलब है कि ग्राम तातापानी में विगत पांच दशकों से मकर संक्रांति परब पर मेला का आयोजन होता आ रहा है। वहीं बलरामपुर रामानुजगंज जिला गठन के बाद मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर आयोजित मेला को जिला प्रशासन के द्वारा महोत्सव का स्वरूप दिया गया एवं धीरे-धीरे तातापानी के गर्म जल स्त्रोत को विकसित करने का कार्य किया गया। जहां 80 फीट के भगवान शिव की

प्रतिमा एवं उसके नीचे 12 ज्योतिर्लिंग बनवाए गए वहीं तातापानी के आकर्षण को बढ़ाने के लिए अन्य कार्य हुए वहीं प्रत्येक वर्ष तातापानी महोत्सव की भव्यता बढ़ाते जारी है। जिसके कारण इसका आकर्षण भी बढ़ते जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थान से बड़ी संख्या में लोग मकर संक्रांति महोत्सव एवं मेला में लोगों का जन सैलाब उमड़ पड़ता है। वही उत्तर प्रदेश एवं झारखंड से भी बड़ी संख्या में लोग सम्मिलित होने पहुंचते हैं। आज तातापानी मेला एवं महोत्सव के आखिरी दिन तो श्रद्धालुओं का जल सैलाब उमड़ पड़ा। तातापानी मेला एवं महोत्सव में उमड़े जन सैलाब के मध्य नजर पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह के नेतृत्व में 1000 से अधिक पुलिस जवानों की ड्यूटी मेला स्थल में लगाई गई है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

बीमार महिला को ढोकर 5 किमी पैदल चले मजबूर परिजन

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में जब जब विकास के दावे किए जाते हैं तब तब ऐसी तस्वीर सामने आती है जो ये सोचने पर मजबूर कर देती है कि विकास सिर्फ कागजों पर ही हो रहा है। दंतेवाड़ा से एक बार फिर बुजुर्ग को खाट पर ले जाने की तस्वीर सामने आई है। जिसके बाद 5 किलोमीटर तक कांधे पर ढोकर महिला को पैदल मुख्य सड़क तक ले जाया गया। दंतेवाड़ा के ग्राम पंचायत मेटापाल 2 तुर्रेम सौकारपारा का मामला है। बुजुर्ग महिला का नाम हिड़मे है। गांव में ही चलते फिरते गिर गई जिसके बाद पैर फैक्चर हो गया। परिजनों ने अस्पताल ले जाने की सोची लेकिन ये आसान नहीं था। गांव में कोई सड़क नहीं है। जिससे एंबुलेंस गांव तक नहीं आ सकती। ना ही कोई पुल पुलिया है। जिसके बाद बुजुर्ग महिला के घर वालों ने गांव वालों से मदद मांगी।दो लोगों ने चारपाई को लकड़ी और रस्सी के सहारे बांधा और बुजुर्ग को उस पर बैठाकर कांधे पर ढोकर निकल पड़े। लगभग 4 से 5 किलोमीटर पैदल चलने के बाद मुख्य सड़क तक पहुंचे और एंबुलेंस का इंतजार करने लगे।

यातायात नियमों को तोड़ने वालों पर हुई कार्रवाई

जगदलपुर। बस्तर पुलिस के द्वारा शराबियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी तारतम्य में पुलिस के द्वारा तीन वाहन चालकों के ऊपर कार्यवाही किया गया है। इनके द्वारा शराब पीकर वाहन चला रहे थे, शहर में शराब सेवन कर वाहन चलाने व यातायात नियम का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया। शहर के अलग अलग क्षेत्रो से चार पहिया / दुपहिया वाहन चालको के द्वारा शराब सेवन कर वाहन चलाने, यातायात नियमों का पालन न कर वाहन चलाया जा रहा था। जिस पर पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह के निर्देश पर प्रत्येक थाना प्रभारियों के द्वारा कार्यवाही करने टीम गठित किया गया है। टीम के द्वारा रोजाना चारपहिया/दुपहिया वाहन के चालकों द्वारा रोड में शराब पीकर वाहन चलाने वाले, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वाले, बिना लाइसेंस के वाहन चलाने वाले, बिना इंश्योरेंस के वाहन चलाने वाले, बिना हेलमेट के वाहन चलाने वाले, चालको के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के विभिन्न धाराओं के तहत चालानी कार्यवाही किया गया है।

जांच से खुलेगा राज, कलेक्टर एसपी ने किया दौरा

कबीरधाम। कलेक्टर जनमेजय महोबे और एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने सोमवार देर रात पंडरिया ब्लॉक के ग्राम माठपुर के आश्रित ग्राम नागाडबरा पहुंच कर बैगा परिवार के घर हुए आगजनी की घटना स्थल का दौरा किया। कलेक्टर ने एसडीएम और एसडीओपी को आगजनी घटना की बारीकी और घटना से जुड़े सभी पहलुओं पर गहन जांच के निर्देश दिए हैं। अवलोकन के दौरान कलेक्टर और एसपी ने आगजनी की घटना से प्रभावित पीड़ित के परिजनों से मुलाकात की। साथ ही घटना पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। कलेक्टर के निर्देश पर पंडरिया जनपद सीईओ द्वारा घटना से प्रभावित परिजनों श्रद्धांजलि योजना के तहत सहायता दी गई। राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के तहत 20 हजार रुपये की सहायता राशि देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कुकदूर तहसीलदार को पोस्टमार्डम के रिपोर्ट के आधार पर आरबीसी 6 (4) के तहत प्रकरण बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर फॉरेंसिक जांच जारी है।

क्रेडिट कार्ड बंद कराने के नाम पर लाखों की ठगी

कबीरधाम। कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा थाना पुलिस ने ठगी के मामले में तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों ने क्रेडिट कार्ड बंद कराने के नाम पर चार लाख रुपये की ठगी की वारदात को अंजाम दिया था।। दो माह की जांच बाद तीन आरोपी को पकड़ा गया है। बीते सोमवार को आरोपियों को जेल भेज दिया है। वहीं मास्टर माइंड गिरफ्त से बाहर है। इसे लेकर पुलिस की जांच जारी है। सहसपुर लोहारा थाना प्रभारी विकास कुमार बघेल ने बताया कि प्रार्थी घनश्याम राम साहू पिता पुसउराम साहू उम्र 50 साल निवासी ग्राम गगरिया खम्हरिया ने 16 नवंबर 2023 को शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित ने बताया कि क्रेडिट कार्ड बंद कराने के नाम से ओटीपी देकर चार लाख रुपये की ठगी किया गया। इस मामले में जिले के साइबर सेल द्वारा जांच शुरू हुई। जांच के दौरान आरोपी खाता धारक सुजीत कुमार चौधरी जबलपुर निवासी व उनके दो अन्य साथी राजा ऊर्फ गुलाम हसनैन व गौरव मरावी को हिरासत में लेकर पूछताछ हुई।

कांकेर में साइबर ठगी का शिकार हुआ बीएसएफ जवान

कांकेर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों ठगी के लगातार मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे मामलों में लगाम लगाने की लगातार पुलिस प्रशासन की ओर से कोशिश की जा रही है। बावजूद इसके ऐसी वारदात रुकने का नाम नहीं ले रही है। ताजा मामला कांकेर से सामने आया है। यहां एक बीएसएफ का जवान साइबर ठगी का शिकार हो गया। जवान से 9 लाख 50 हजार रुपये की ठगी हुई है। दरअसल, ये पूरा मामला कांकेर के बांदे थाना क्षेत्र का है। यहां बीएसएफ जवान ने ऑनलाइन ठगी का मामला दर्ज कराया है। जवान का खाता भारतीय स्टेट बैंक शाखा फर्रूखाबाद में है, खाते को सीएपीएसपी खाते में बदलने के लिए जवान ने गूगल में शाखा फर्रूखाबाद के बैंक प्रबंधक का मोबाइल नम्बर सर्च किया था। इसके बाद ठग ने गूगल प्लेस्टोर से कस्टमर एप्प के नाम से एपलिकेशन जवान को डाउनलोड करने को कहा। जवान ने खाता की जानकारी उस एप्प में डाला। इसके बाद ओटीपी मांगा गया। ओटीपी डालते ही खाते से 9 लाख 50 हजार रुपए ट्रांसफर हो गए।

अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद जगमगाएगी संस्कारधानी

राजनांदगांव। अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का उत्साह पूरे देश में है। 22 जनवरी का दिन पूरे देश में दिवाली की तरह मनाया जाएगा। इसके लिए राजनांदगांव शहर के कई मंदिरों और घर परिवारों में तैयारी शुरू कर दी गई हैं।जिसके लिए बाजार में दीयों की मांग बढ़ गई है। कुम्हार दीयों की बढ़ी मांग को देखते हुए युद्ध स्तर पर दीयों का निर्माण कर रहे हैं।

आपको बता दें कि अहंकारी रावण का वध करने के बाद भगवान श्रीराम ने वनवास पूरा किया।इसके बाद अयोध्या वापस आए। भगवान राम के अयोध्या लौटने पर उनके स्वागत में घर-घर दीप जलाकर नगर में उत्सव मनाया गया था।इसलिए इस दिन को दीपावली के रूप में मनाया जाने लगा।अब 500 साल बाद एक बार फिर प्रभु श्रीराम अपने घर में प्रवेश करने वाले हैं।इसलिए अयोध्या में दीपावली की ही तरह उत्सव नजर आएगा।ठीक उसी तरह देश के हर कोने में श्रीराम भक्त दीये जलाकर उत्सव मनाएंगे। छत्तीसगढ़ की संस्कारधानी में भी 22 जनवरी के दिन दीपावली सा माहौल रहेगा।इस दिन संस्कारधानी में श्रीराम के गृह प्रवेश के बाद प्रभु श्रीराम के भक्त अपने घरों

और देवालयों में दीपक जलाकर उत्सव मनाएंगे।जिसके लिए हजारों परिवारों ने तैयारियां शुरु कर दी है। मंदिरों में रंग रोगन किए जा रहे हैं।वहीं घरों को भी आकर्षक लाइटों से सजाया जा रहा है। ऐसे में दीयों की बढ़ती मांग को देखते हुए भी कुम्हार दोगुनी मेहनत कर दीया बनाने में जुटे हैं। कुम्हारों का कहना है कि दीपावली में जिस प्रकार से दीयों की मांग होती है। इसी तरह 22 जनवरी श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उत्साह को मनाने भी दीयों की मांग बनी हुई है। कुम्हार रामखिलावन प्रजापति ने कहा लगभग 10 हजार दिये बनाने के आर्डर एक जगह से ही मिला हैं। 25 हजार दीयों का निर्माण कर रहे हैं। इतने दिए सिर्फ दीपावली पर्व पर ही बिकते हैं। आपको बता दें कि 22 जनवरी श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर अपने घर आंगन को रोशन करने के लिए दीयों की मांग बढ़ी हुई है, ऐसे में प्रतिदिन कुम्हार लगभग 1 हजार दीयों का निर्माण कर पाते हैं।मांग को देखते हुए कुम्हार अधिक समय देकर दीयों का निर्माण कर रहे हैं। दीयों को पकाने में भी 10 से 15 दिन लगते हैं।ऐसे में कुम्हारों की माने तो बाजार की मांग के मुताबिक उन्होंने दीये बना लिए हैं।

प्रभु राम ने वनवास के दौरान शिवरीनारायण में खाया था शबरी के जूठे बेर

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ के भांजे राम का जांजगीर चांपा से गहरा नाता है। यहां के शिवरीनारायण की पावन भूमि में ही भक्त और भगवान का मिलन हुआ था।शबरी की प्रभु राम के प्रति आस्था और एक दिन उनके मिलने आने के विश्वास के कारण ना सिर्फ प्रभु राम ने उन्हें दर्शन दिए बल्कि उनके दिए जूठे बेर भी खाए। आज भी शबरी और राम के मिलन का ये पवित्र स्थान आस्था का केंद्र बना हुआ हैं।

बादल संस्था में थिएटर, कत्थक, भरतनाट्यम और योग के डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारंभ

जगदलपुर। जिला प्रशासन जगदलपुर बस्तर द्वारा संचालित बस्तर एकेडमी ऑफ डांस आर्ट एंड लिटरेचर (बादल) आसना में अब थिएटर, कत्थक और भरतनाट्यम के डिप्लोमा कोर्स आरंभ किए जा रहे हैं। इन डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त योग का सर्टिफिकेट कोर्स भी आरंभ किया गया है। उपरोक्त सभी पाठ्यक्रमों हेतु संबद्धता इंदिरा कला संगीत विश्व विद्यालय खैरागढ़ से होगी।

इस हेतु खैरागढ़ के निरीक्षण दल ने विगत दिनों बादल संस्था में की जा रही रचनात्मक गतिविधियों का निरीक्षण किया। बादल संस्था में अब तक खैरागढ़ से संबद्ध होकर एक वर्षीय लोक संगीत डिप्लोमा, द्विवर्षीय लोक संगीत डिप्लोमा, गीतांजली सुगम संगीत द्विवर्षीय डिप्लोमा, शास्त्रीय संगीत हिन्दुस्तानी गायन डिप्लोमा,शास्त्रीय संगीत तबला वादन डिप्लोमा एवं द्विवर्षीय आर्ट एप्रिसिएशन चित्रकला की कक्षाएं संचालित की जा रहीं थीं। अभी हाल ही में दल के निरीक्षण पश्चात बादल संस्था में शास्त्रीय कत्थक नृत्य डिप्लोमा, शास्त्रीय भरतनाट्यम नृत्य डिप्लोमा, एक वर्षीय थिएटर डिप्लोमा और योग सर्टिफिकेट कोर्स की कक्षाएं अगले सत्र से संचालित की जाएंगी। उक्त निरीक्षण दल में इंदिरा कला संगीत विश्व विद्यालय खैरागढ़ के डॉ योगेंद्र चैबे (थिएटर), डॉ अजय पांडेय (योग), डॉ शिवाली बैस (कथक) और श्री राजेश गुप्ता (प्रशासनिक अधिकारी) शामिल थे। बादल संस्था के प्रभारी अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार बादल में इन पाठ्यक्रमों के लिए बस्तर के कलाकारों तथा युवाओं द्वारा मांग की जा रही थी। नए पाठ्यक्रम आरंभ होने पर अंचल के कलाकारों एवं युवाओं को विभिन्न कलाओं में डिप्लोमा कोर्स करने का अवसर मिल पाएगा।

संक्षिप्त समाचार

आप के प्रदेश अध्यक्ष हुपेंडी, उपाध्यक्ष और सचिव ने एक साथ दिया इस्तीफा

रायपुर। लोकसभा चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ में सियासी सुनामी आती नजर आ रही है। इसकी बानगी आज आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कुमल हुपेंडी, आप प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद मिरी और आप प्रदेश सचिव विशाल केलकर ने इस्तीफा दे दिया है। ये सभी अन्य दलों के नेताओं के साथ भाजपा में शामिल हो सकते हैं। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी और प्रदेश सचिव विशाल केलकर का पार्टी के विस्तार में बड़ा योगदान था। दोनों ही पार्टी की तरफ से इस बार उम्मीदवार भी थे, लेकिन उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा था। दोनों नेताओं के भाजपा में शामिल होने के कयास लगाए जा रहे हैं। बताया जा रहा कि अन्य दलों के कई नेता भी भाजपा के संपर्क में हैं। आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देने के बाद आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी और प्रदेश सचिव विशाल केलकर ने आज विधानसभा अध्यक्ष डॉ। रमन सिंह से मुलाकात भी की है।

जिला अस्पताल की स्थिति देख स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को लगाई फटकार

कोरिया। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री और मनेंद्रगढ़ विधायक श्याम बिहारी जायसवाल आज जिला अस्पताल बैकुंठपुर पहुंचे। यहां उन्होंने अस्पताल का निरीक्षण किया और मरीजों से मुलाकात की। साथ ही अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने शुक्रवार से जिला अस्पताल में भर्ती सीरियस पेशेंट को लेकर अधिकारियों को फटकार लगाई। मंत्री श्याम बिहारी ने मरिजों को जल्द एंबुलेंस से रायपुर या मेडिकल कॉलेज रिफर करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान बैकुंठपुर विधायक और पूर्व मंत्री भैयालाल राजवाड़े भी उपस्थित रहे।

खनिज परिवहन के लिए ई परमिट बंद करने की मांग, ननकीराम ने सौंपा ज्ञापन

रायपुर। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय खनिज के परिवहन के लिए ई परमिट के लिए जारी आदेश को निरस्त करने की मांग साय सरकार से की गई है। इस संबंध में पूर्व गृह मंत्री ननकीराम कंवर ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को ज्ञापन सौंपा है। पूर्व गृह मंत्री ननकीराम कंवर ने ज्ञापन में लिखा है कि भूपेश सरकार ने कोयले में उगाही करने के लिए आदेश निकाला था, जिसकी वजह से बड़े पैमाने पर हुए कोयला घोटाला की जाँच श्वष्ठ कर रही है। एसईसीएल ऑक्शन करके सभी प्रक्रिया पूरी करने के बाद कोयला बेचता है, जिसके आधार पर डिलीवरी आदेश जारी होता है। माइनिंग नियम-अधिनियम में इस तरह के आदेश के लिए कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए पूर्व सरकार द्वारा जारी आदेश को तत्काल निरस्त किया जाए। आदेश निरस्त होने पर व्यापारी और उद्योगपतियों को राहत मिलेगी। इसके साथ ही परेशान लोगों का भाजपा के प्रति विश्वास बढ़ेगा।

शासन ने नियुक्त किए 7 अतिरिक्त महाधिवक्ता, 7 उप महाधिवक्ता

बिलासपुर। महाधिवक्ता के तौर पर प्रफुल्ल भरत की नियुक्ति के बाद राज्य शासन के विधि विभाग ने सात अतिरिक्त महाधिवक्ता, सात उपमहाधिवक्ता, 16 शासकीय अधिवक्ता, 12 उप शासकीय अधिवक्ता समेत 22 पैनल लायर नियुक्त किए हैं। छत्तीसगढ़ शासन के विधि एवं विधायी कार्य विभाग द्वारा सूची में बतौर अतिरिक्त महाधिवक्ता वायएस ठाकुर, रणवीर सिंह मरहास, आशीष शुक्ला, राजकुमार गुप्ता, बीडी गुरु, विवेक शर्मा, सुनील काले को नियुक्त किया गया है। इसी तरह उपमहाधिवक्ता के तौर पर प्रवीण दास, यूकेएस चंदेल, विनय पांडेय, शशांक ठाकुर, नीरज शर्मा, सौरभ पाण्डेय नियुक्त किए गए हैं।

इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट रायपुर से मुंबई होते हुए जाएगी अयोध्या

रायपुर। अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान श्री रामलला का प्राण-प्रतिष्ठा समारोह होना है। रामलला प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने वाले छत्तीसगढ़ के राम भक्तों के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, इंडिगो एयरलाइंस ने 15 जनवरी से रायपुर से मुंबई होते हुए अयोध्या फ्लाइट शुरू कर दी है। फिलहाल समारोह में शामिल होने के लिए प्रदेश के 1000 से ज्यादा हवाई यात्रियों ने बुकिंग कराई है। बताया जा रहा है कि इस फ्लाइट से अयोध्या जाने वाले यात्रियों में से अधिकांश की बुकिंग 19 व 20 जनवरी को है। अजय ट्रैवल्स के संचालक रमन जादवानी ने बताया कि इस समय रायपुर से दिल्ली व मुंबई जाने वाली फ्लाइट्स फुल चल रही हैं।

पमशाला कंवर धाम सम्मेलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री साय

कंवर समाज के सामाजिक भवन के जीर्णोद्धार के लिए 50 लाख रूपए की राशि की घोषणा की, सौगात देने के बाद कांग्रेस को घेरा

जशपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने कंवर समाज के तीन दिवसीय कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी सरकार बने हुए एक महीने हुए हैं और हम हर दिन मोदी जी की गारंटी पूरा करने संकल्पित होकर काम कर रहे हैं। हमने 18 लाख से अधिक जरूरतमंदों के लिए आवास की स्वीकृति पहले ही कैबिनेट में दी। अटल जी की जयंती सुशासन दिवस के दिन छत्तीसगढ़ सरकार ने 12 लाख से अधिक किसानों को 3716 करोड़ रुपए की राशि दी है।

इस मौके पर सीएम विष्णुदेव साय ने इब नदी पर एनीकट निर्माण की घोषणा की। साथ ही पमशाला में कंवर समाज के सामाजिक भवन के जीर्णोद्धार के लिए 50 लाख रूपए की राशि की घोषणा की। सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि कल ही भगवान सूर्य का पर्व मकर संक्रांति मनाया गया। पूरे देश में यह पर्व अलग नाम और विधियों से मनाया जाता है। कंवर धाम में हर साल उत्सव का आयोजन होता है।हर साल तीन दिनों तक यहां उपस्थिति देता रहा हूं। इस बार पूरे प्रदेश की जिम्मेदारी मिली है तो समापन पर ही आ सका हूं। लेकिन विश्वास है पिछले तीन दिनों में यहां बहुत से सामाजिक विमर्श हुए हैं। यहां सामूहिक विवाह भी हुआ है। सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाने में ऐसे आयोजनों की महती भूमिका है।

विष्णुदेव साय ने कहा मोदी जी की गारंटी पर आप सभी ने भरोसा किया है। जो विश्वास पूरे प्रदेश के लोगों ने हम पर किया, उस पर खरा उतरने की जिम्मेदारी है।मुख्यमंत्री का पद एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। आप लोगों का साथ और सहयोग मिलेगा और इससे यह जिम्मेदारी बखूबी निभाऊंगा।

सीएम विष्णुदेव साय ने इस दौरान कांग्रेस सरकार के दौरान किए गए घोटालों का भी जिक्र किया। सीएम ने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं करेंगे। पीएससी 2021 में भ्रष्टाचार की जांच हमने सीबीआई को सौंपी है।किसानों के लिए की गई घोषणा पर अमल करते हुए 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। विवाहित महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना शुरु की जा रही है। उन्हें साल में 12 हजार रुपए की सहयोग राशि मिलेगी।

सीएम साय ने हेलमेट जागरूकता रैली और अंजोर रथ को बगिया निवास से किया रवाना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर जिले के अपने गृहग्राम बगिया के निवास स्थल से सड़क सुरक्षा हेलमेट जागरूकता रैली और अंजोर रथ को रवाना किया। इस खास मौके पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी से यातायात नियमों के पालन करने की अपील की। विष्णुदेव साय ने कहा कि, दोपहिया चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें और चार पहिया में सीट बेल्ट जरूर लगाएं, नशे की हालत कभी भी गाड़ी न चलाएं, सड़क पर लापरवाही से न चलें। एक छोटी सी चूक से कई जिंदगी दांव पर लग जाती है। इसलिए जिम्मेदारी पूर्वक नियमों का पालन करें। बता दें कि, सड़क सुरक्षा हेलमेट जागरूकता रैली और अंजोर रथ को रवाना करने के दौरान विधायक पत्थलगांव गोमती साय, आईजी अंकित गर्ग, सीसीएफ नवीद सजाउद्दीन, कलेक्टर डॉ रवि मित्तल, एसपी डी रविशंकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि व वरिष्ठ अधिकारी भी मौजुद थे। गौरतलब है कि, 34 वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2024 के तहत जशपुर जिला पुलिस विभाग की ओर से यह रैली निकाली गई है। जो लोगों को यातायात नियमों के उल्लंघन से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करते हुए नियमों के पालन के लिए प्रेरित करेगी। नवा अंजोर रथ में वीडियो फिल्मस के माध्यम से सड़क सुरक्षा और साइबर सिक्योरिटी के लिए रखी जाने वाली सावधानियों के प्रति आम जन को जागरूक किया जाएगा। यह रथ अगले माह तक पूरे जिले का भ्रमण करेगा।

कोरबा में सड़क सुरक्षा सप्ताह, हादसों को कम करने महीनेभर होंगे कार्यक्रम

कोरबा। सड़क हादसों को कम करने और यातायात नियमों के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए सड़क सुरक्षा सप्ताह की शुरुआत की गई है। कलेक्टर अजीत वसंत और कोरबा एसपी जितेंद्र शुक्ला सहित पुलिस विभाग के अधिकारी और पुलिसकर्मी की मौजूदगी में जागरूकता रथ को भी रवाना किया गया। सड़क हादसों के लिहाज से कोरबा बेहद संवेदनशील है। सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान महीने भर कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों को इस दिशा में जागरूक किया जाएगा। पुलिस का प्रयास है कि सड़क हादसों की संख्या में कमी लाई जाए। कोरबा जिला प्रदेश का पावर कैपिटल है। जिसके कारण कोयला के खदानों से कोल परिवहन और दूसरे कामों में लगभग 3000 हैवी व्हीकल जिले में हर रोज आना जाना करते हैं। कटघोरा-अंबिकापुर नेशनल हाईवे सड़क हादसों के लिए हॉटस्पॉट है।

वन भूमि में कब्जा मामले में कांग्रेस नेता बसंत ताटी की बढ़ी मुश्किलें

बीजापुर। बीजापुर में आईटीआर में भूमि अतिक्रमण मामले में घिरे जिपं सदस्य एवं भोपालपट्नम से कांग्रेस के कद्दावर नेता बसंत ताटी की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही है। अब इस मामले में कलेक्टर बीजापुर द्वारा बसंत ताटी को कारण बताओ नोटिस जारी करने आदेशित किया गया है।

बता दें कि कार्यालय उप निदेशक इंद्रावती टाइगर रिजर्व बीजापुर द्वारा बसंत राव ताटी के विरूद्ध भोपालपट्नम के खसरा क्रमांक 1/15/1में रकबा 5 एकड़ वन भूमि पर अतिक्रमण कर फर्जी तरीके से पट्टा बनवाया गया था। शिकायत के आधार पर कलेक्टर कार्यालय द्वारा आवंटित पट्टे की जांच अनुविभागीय अधिकारी राजस्व स्तर पर करा प्रतिवेदन मंगाया गया था। इस संबंध मे एसडीएम भोपालपट्नम द्वारा गत वर्ष टीम गठित कर जांच कर प्रतिवेदन तैयार किया गया था। जांच प्रतिवेदन एवं सहपत्रों के अवलोकन करने पर खसरा क्रमांक 1/15/1 रकबा में 1.8210 हेक्टेयर वर्तमान राजस्व अभिलेखों में ताटी बसंत के नाम दर्ज पाया गया।

उक्त भूमि तहसीलदार भोपालपट्नम के रा.प.क्र. 112/अ 19(5) /86-87 1987 अनुसार ख.न.1/1 में से रकबा 5 एकड़ आवंटित किया जाना तथा आवंटित भूमि बड़े झाड़ जंगल में दर्ज होना पाया गया। बड़े झाड़ जंगल में दर्ज भूमि को कृषि प्रयोजन के लिए आवंटित किया जाना विधि विरूद्ध है। लिहाजा प्रतिवेदन में पट्टा जांच की कार्रवाई को उचित ठहराते प्रकरण दर्ज करने का उल्लेख किया गया है।

जांच प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर बीजापुर द्वारा गत दिनों कांग्रेस नेता बसंत ताटी को प्रकरण विरूद्ध कारण बताओं नोटिस जारी करते निर्धारित मोहलत में जबाव के साथ प्रस्तुत होने आदेशित किया गया है।

डिप्टी सीएम अरुण साव ने ली लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक

निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करने के दिए निर्देश

रायपुर। उप मुख्यमंत्री और लोक निर्माण मंत्री अरुण साव की अध्यक्षता में मंगलवार को विभागीय समीक्षा बैठक हुई। ये बैठक नवा रायपुर के निर्माण भवन में की गई। जिसमें अरुण साव ने प्रदेश में विभिन्न निर्माण कार्यों को लेकर दिशा-निर्देश दिए। जिसमें छात्रावास निर्माण कार्य शामिल है। साथ ही प्रदेश चल रहे ओवरब्रिज और फ्लाईओवर के कार्यों को लेकर भी निर्देश दिए गए।

बैठक में दिए गए निर्देशों के मुताबिक प्रदेशभर में 21 करोड़ खर्च कर छात्रावास बनाए जाएंगे। जिनकी कुल संख्या 21 है। इससे पांच जनजातियों के लिए 2100 से ज्यादा विद्यार्थियों को शिक्षा सुलभ होगी। प्रदेश के पहाड़ी कोरवा, कमार, बैगा, बिरहोर और अबुझमाड़िया इन पांच जातियों को सरकार की इस योजना का लाभ मिलेगा। इन हॉस्टलों में 50 सीटों तक ही सुविधा रहेगी। 2026 तक इसके निर्माण का टारगेट रखा गया है।

बैठक में कुल 21 हॉस्टल स्वीकृति मिली है। जिसमें सरगुजा में दो, धमतरी में एक, गरियाबंद में दो, कवर्धा में चार, सरगुजा में तीन, बलरामपुर में तीन, कोरिया में एक, मुंगेली में दो, नारायणपुर में दो, बिलासपुर में एक हॉस्टल बनाया जाएगा।

इसके अलावा बैठक में साव ने प्रदेश में निर्माणाधीन रोड ओवरब्रिज और फ्लाईओवर के काम में तेजी लाते हुए इन्हें समय-सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि काम धीमा होने से लोगों को परेशानी होती है। व्यवस्था सुधारते हुए तेजी से काम करवाएं। लेट-लतीफी की शिकायत नहीं आनी चाहिए। कार्य पूर्ण करने में आ रही दिक्कतों का तत्परता से समाधान निकालें। इसके कारण कार्य पूर्णता में देरी नहीं होना चाहिए।

साव ने कहा कि सड़क पर ट्रैफिक और उपयोगिता को ध्यान में रखकर चौड़ीकरण और मजबूतीकरण का काम करें। गुणवत्ता से समझौता कहीं भी नहीं होगा। बता दें बैठक में लोक निर्माण विभाग के सचिव और प्रमुख अभियंता सहित मैदानी अधिकारी भी मौजूद थे।

कांग्रेस सरकार में ट्रांसफर पोस्टिंग के चलते थे रेट लिस्ट: ओपी चौधरी

वित्तमंत्री का पीसीसी चीफ के बयान पर पलटवार

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने पीसीसी चीफ दीपक बैज के ट्रांसफर पोस्टिंग के लिए अफसरों को आरएसएस कार्यालय जाने वाले बयान पर निशाना साधा है। ओपी चौधरी ने तंज कसते हुए कहा, कांग्रेस सरकार में ट्रांसफर पोस्टिंग के रेट लिस्ट चलते थे। मंडियों की तरह पैसे लेकर तबादले किए जाते थे। वे हमें न बताएं कि ट्रांसफर पोस्टिंग कैसे होते हैं। बीजेपी के गुड गवर्नेंस पर उन्हें बोलने का कोई अधिकार नहीं है।

नई सरकार के पहले बजट को लेकर ओपी चौधरी ने कहा, इस बार के बजट में छत्तीसगढ़ के भविष्य का रोड मैप होगा। भारत 2047 में विकसित बनने जा रहा है, उसे विकसित छत्तीसगढ़ में कैसे परिवर्तित करें उसकी तैयारी करेंगे।

आगे ओपी चौधरी ने कहा, देश के 5 ट्रिलियन और 10 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी में छत्तीसगढ़ की योगदान तय करेंगे। पूरी प्रक्रिया में मोदी की गारंटी के तहत सीएम के नेतृत्व में पूरा करेंगे।

छत्तीसगढ़ में कर्ज के चलते पूर्ववर्ती सरकार की योजनाओं की कटौती को लेकर ओपी चौधरी ने कहा, कांग्रेस ने पिछले 5 साल में छत्तीसगढ़ को खोखला बना दिया है। सिस्टम को हर जगह बिगाड़ा गया, ताकि कांग्रेस नेताओं के जेब में पैसा पहुंचे। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ को दिवालियापन के कगार पर धकेल दिया है। हर परिस्थिति का सामना करेंगे, वित्तीय रूप से सुप्रबंधन की नीति से मोदी की गारंटी पूरी करेंगे। हमारा लक्ष्य है कि, अगले डेढ़ साल में वित्तीय अनुशासन आए। कांग्रेस सरकार के दौरान जो गड़बड़ियां हुई उसे भी सुधारेंगे।

नई सरकार कर बजट छत्तीसगढ़ के भविष्य का होगा रोड मैप : वित्त मंत्री

रायपुर। प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में भाजपा सरकार अपना पहला बजट प्रस्तुत करने की तैयारी कर रही है। इस बजट को लेकर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि इस बार के बजट में छत्तीसगढ़ के भविष्य का रोड मैप होगा। ओपी चौधरी ने कहा कि भारत 2047 में विकसित भारत बनने जा रहा है, उसे विकसित छत्तीसगढ़ में कैसे परिवर्तित करें, उसकी तैयारी करेंगे। देश के 5 ट्रिलियन और 10 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी में छत्तीसगढ़ की योगदान तय करेंगे। पूरी प्रक्रिया में मोदी की गारंटी के तहत सीएम के नेतृत्व में पूरा करेंगे। बता दें कि छत्तीसगढ़ की षष्ठम् विधान सभा का द्वितीय सत्र 5 फरवरी से शुरू होगा। 1 मार्च तक चलने वाले सत्र में कुल 20 बैठकें होंगी। सत्र के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण के अलावा वित्तीय कार्य के साथ अन्य शासकीय कार्य सम्पादित किए जाएंगे।

बुझी पहाड़ी कोरवा बस्ती लोटापानी की प्यास

मुख्यमंत्री साय की पहल से मिली जलसंकट से मुक्ति

रायपुर। छत्तीसगढ़ में साय सरकार मोदी की गारंटी के अनुरुप घोषणाओं को पूरा कर रही है। इसी क्रम में जशपुर जिले के अंतर्गत कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र लोटापानी गांव और ग्राम पंचायत गड़ाकटा के निवासियों ने सीएम निवास पहुंचकर पानी की समस्या से आवगत कराया था। समस्या को गंभीरता से लेते हुए वहां के कलेक्टर को समस्या सुलझाने के निर्देश दिया गया, जिसके बाद अब गांव के निवासियों को पानी की समस्या से छुटकारा मिल गया।

लोटापानी गांव और ग्राम पंचायत गड़ाकटा के आश्रित बस्ती में 80 कोरवा परिवार निवास करते हैं। इन कोरवाओं ने शनिवार 13 जनवरी को बगिया स्थित सीएम निवास पहुंचकर गांव में जल संकट की समस्या से अवगत कराया था। ग्रामीणों का कहना था कि बस्ती मे कुआ और तालाब की स्थिति सही नहीं है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्थापित पानी टंकी से भी पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो पाई है।

इससे स्थानीय ग्रामीणों को एक-एक बाल्टी पानी के लिए भटकना पड़ रहा था। ग्रामीणों ने गर्मी के दिनों मे समस्या गहराने की आशंका जतायी थी। इनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए, सीएम निवास बगिया ने कलेक्टर को तत्काल, लोटापानी गांव की समस्या को दूर करने का निर्देश दिया। इसके बाद कलेक्टर ने लोटापानी गांव मे बंद पड़े पानी टंकी को चालू कराया। पानी की समस्या सुलझने से लोटापानी की निवासियों को राहत की सांस ली है।

इसके साथ ही अमडीहा के ग्रामीणों को भी पानी समस्या से मुक्ति मिल गई है, इस गांव मे पंप हाउस का मोटर में तकनीकी खराबी आ जाने से लंबे अरसे से पानी की समस्या से जूझ रहे थे। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत सीएम निवास बगिया से करते हुए, मोटर को सुधरवाने की गुहार लगाई थी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन ने मोटर की तकनीकी गड़बड़ी को सुधार कर पानी आपूर्ति सुचारु कर दिया गया है।

काम नहीं करने की शिकायत पर उपमुख्यमंत्री से पटवारियों ने की मुलाकात

रायपुर। जब से सरकार बदली है, जन सूचना शिविर व अन्य सार्वजनिक कार्यक्रमों में लोग जनप्रतिनिधियों के समक्ष पटवारी पर काम नहीं करने की शिकायत करते हुए नजर आते हैं। वहीं पटवारियों का कहना है कि उनके अधिकार क्षेत्र बहुत सीमित हैं। आय, जाति, निवास के अलावा राशनकार्ड, सत्यापन, भूमि मापन जैसे कार्यों को छोड़कर 90 ब कार्य तहसील अथवा अनुविभागीय कार्यालय से संपन्न होते हैं। स्थिति को देखते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा से मुलाकात कर पटवारियों ने अपनी परेशानियों से अवगत कराया।

पटवारी संघ के संभाग अध्यक्ष निर्मल साहू, जिला अध्यक्ष पालेश्वर सिंह, प्रांतीय कोषाध्यक्ष सतीश चंद्राकर, रामचन्द्र साहू व अन्य पटवारियों ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा से मुलाकात की। पटवारियों ने बताया कि कृषकों को भूमि विक्रय करने के लिए पूर्व में बिक्री नकल की आवश्यकता होती थी, लेकिन शासन ने इसे बन्द करा दिया है। कुछ जिलों में सीधे ऑनलाइन अभिलेख के आधार पर ही विक्रय पंजीयन किया जा रहा है, वहीं कुछ जिलों में पटवारियों से चौहद्दी विवरण दर्ज करवाया जाता है। इसके अलावा भुइयां सॉफ्टवेयर में कृषक नामांतरण, बंटवारा, फौती आदि कार्यों के लिए आवेदन दे सकते हैं।

पंजीयन कार्यालय अथवा नागरिक सुविधा से सीधे ऑनलाइन नामांतरण पंजी में प्रकरण दर्ज हो रहा है, जिसमें पटवारी सिर्फ प्रतिवेदन देने का कार्य करते हैं, इश्तहार नोटिस जारी करना, आवश्यक बयान लेना आदि सभी कार्य तहसील में होता है। तहसीलदार के आदेश उपरांत ही पटवारी अभिलेख दुरुस्ती का कार्य कर सकते है। अभिलेख दुरुस्ती हेतु भी फिफो सिस्टम लागू है, साथ ही समय सीमा निर्धारित है, जिसकी समीक्षा उच्चाधिकारियों द्वारा किया जाता है। पूर्व में हो चुके नामांतरण के आधार पर भी ऑनलाइन दुरुस्ती पटवारी द्वारा सीधे नहीं किए जा सकती हैं। यदि किसी कृषक का एक ही गांव में एक ही धारणाधिकार में अलग-अलग खाता बन गया है, तो उसे भी एक खाता नहीं किया जा सकता है। इसके लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय में आवेदन देकर ही सुधार करवाया जा सकता है। इसी प्रकार से सामान्य त्रुटि जैसे नाम मे मात्रा त्रुटि उदाहरण यदि किसी का नाम राम है, वह त्रुटिवश रामा हो गया है, उसे भी पटवारियों को सुधारने का अधिकार नहीं है। इस प्रकार की सामान्य त्रुटि सुधार के लिए भी अनुविभागीय कार्यालय में प्रकरण दर्ज होगा, आदेश उपरांत ही पटवारी द्वारा सुधार किया जा सकता है। नक्शा बटांकन के लिए भी पटवारी द्वारा मौका जांच कर प्रतिवेदित किया जाता है, राजस्व निरीक्षक द्वारा अफरूवल करने पश्चात ही नक्शा सॉफ्टवेयर में प्रदर्शित होता है। यदि नक्शा त्रुटि पूर्ण है, तो उसमें भी सुधार करने का अधिकार पटवारियों को नहीं है। गिरदावरी उपरांत फसल की ऑनलाइन प्रविष्टि समय सीमा में पटवारियों द्वारा किया जाता है, समय सीमा उपरांत यदि किसी का फसल गलत प्रविष्ट हो गया है तो उसे भी पटवारियों द्वारा सीधे नहीं सुधारा जा सकता है।

कार्यालय, सेनानी, सी. टी. जे. डब्ल्यू. कॉलेज कॉकेर (छग)

क्रमांक -सीटीजेडब्ल्यू/कांकेर/सा0अ0/ज्ञापन क-05/24 दिनांक 09/01/2024

// निविदा आमंत्रण की सूचना //

सीटीजेडब्ल्यू कॉलेज कांकेर की ओर से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति में ई पंजीयन के अंतर्गत द श्रेणी अथवा उससे अधिक के निविदाकारों से निविदा आमंत्रित किया जाता है।

स. क्र.	कार्य का नाम	प्रशासनिक स्वीकृत राशि	अमानत राशि
1	इंस्टेक्टर बैरक का लेट्रिग-बाथरूम मरम्मत कार्य	730000.00	21900.00

निविदा नि:शर्त अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में रखी हुई शील बंद पेटी में दिनांक 23.01.2024 के दोपहर 12 बजे तक प्राप्त कि जावेगी एवं प्राप्त निविदाओं को दिनांक-24.01.2024 के दोपहर 12.00 बजे उपस्थित निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधी के समक्ष खोला जावेगा।

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु प्रति निविदा रू. 750/- की राशि का चालान सेनानी सीटीजेडब्ल्यू कालेज कांकेर छ.ग. के नाम से लेखाशिर्ष -800 अन्य रिसीप्ट के नाम से स्वीकार होगा। उपरोक्त कार्य पूर्ण करने की अवधि 30 दिन तक है। निविदा प्रपत्र तथा शेष अन्य जानकारी/शर्त कार्यालयीन समय में अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

सेनानी

जी-07096/4 सीटीजेडब्ल्यू कालेज, कांकेर (छग)

मुसलमानों के प्रति भाजपा का बदलता रुख

अभय कुमार दुबे

हाल ही में छपी कुछ खबरें और तस्वीरें बताती हैं कि भारतीय जनता पार्टी एक साथ कितने बड़े-बड़े मोर्चों को साधने में लगी रहती है। एक तरफ अयोध्या में रामलला के मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा को अभूतपूर्व पैमाने पर आयोजित करने का उद्यम चल रहा है, तो दूसरी तरफ मदीना-यात्रा और चिश्तिया सिलसिले की दरगाह के जरिये मुसलमानों को साधने की कोशिश हो रही है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी मुसलमानों के सबसे बड़े और पवित्रतम तीर्थस्थल मदीना गईं। ईरानी ने सऊदी अरब के सरकारी पक्ष के साथ 2024 के हज के लिए एक आपसी समझौते पर भी दस्तखत किए, और साथ में भारत से 107525 हाजियों का कोटा भी सुनिश्चित कर लिया। आम तौर पर मुसलमान विरोधी समझी जाने वाली भाजपा की सरकार द्वारा की जाने वाली ऐसी पहलकदमी किसी खास तरह के रुझान या किसी राजनीतिक रणनीति की तरफ इशारा कर रही थी। जब यह खबर आई, उसी के आसपास एक और खबर दिखी जिसके साथ एक तस्वीर और थी। इसमें स्मृति ईरानी कई और लोगों के साथ एक विशाल चादर के कोनों को पकड़े हुए खड़ी थीं। खबर यह थी कि यह चादर दरअसल अजमेर के ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर चढ़ाई जाएगी। बताया यह गया कि यह चादर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से चढ़ाई जाएगी, और इसे मोदीजी ने ही उन्हें इस मकसद से दिया है। यह पूरा प्रकरण बताता है कि मुसलमानों के प्रति मोदी और भाजपा के रुख में कुछ न कुछ परिवर्तन तो आया ही है। यह याद करना आसान है कि अभी साल-छह महीने पहले उन्होंने पसमांदा मुसलमानों को भाजपा के पक्ष में करने के लिए बाकायदा कार्यकर्ताओं से अपील की थी। भाजपा को मुसलमान इलाकों में स्नेह-यात्राएं निकालने का कार्यक्रम लेना था। भाजपा की इस नीति की शुरुआत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के इस कथन से हुई थी कि 'अगर देश में मुसलमान नहीं रहेंगे तो ये हिंदुत्व नहीं होगा।' उनकी बात सही थी। हिंदुत्व की विचारधारा मुसलमानों को भारत से बाहर नहीं निकालना चाहती। सावरकर द्वारा दी गई हिंदुत्व की परिभाषा के अनुसार भारतीय मुसलमानों की पितृभूमि भारत ही है, इसलिए वे भारत में रह सकते हैं। संघ जानता है कि पंद्रह-सोलह करोड़ मुसलमानों को इस देश से बाहर नहीं निकाला जा सकता है, न ही संविधान के तहत उन्हें दोयम दर्जे का नागरिक घोषित किया जा सकता है लेकिन उन्हें अघोषित रूप से एक ऐसी स्थिति में जरूर पहुंचाया जा सकता है जिसमें उनकी राजनीतिक क्षमता पूरी तरह से शून्य हो जाए। उत्तर प्रदेश की मिसाल बताती है कि 40-45 फीसदी हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण होते ही मुसलमान वोट अपनी अहमियत खो देते हैं। ऐसा होते ही सभी दल हिंदू वोटों के सौदागर बनने की कोशिश करने लगते हैं। पार्टियां रामभक्त, शिवभक्त और विष्णुभक्त में बंट जाती हैं। मुसलमानों के पक्ष में बोलना या उन्हें अपनी रणनीति का मुख्य अंग बनाना नुकसानदेह मान लिया जाता है। देश की राजनीति बहुसंख्यवाद की प्रतियोगिता बन गई है। बहरहाल, यह मानना मुश्किल है कि भाजपा की इन कोशिशों से उसे मिलने वाले मुसलमान वोटों में कोई बड़ी बढ़ोत्तरी होगी लेकिन यह जरूर है कि चुनाव से ठीक पहले की इस पहलकदमी से अगर कुछ मुसलमानों को लोकसभा का भाजपा का टिकट दिया जाता है तो इसके भाजपा के लिए कुछ सकारात्मक परिणाम निकल सकते हैं।

मणिपुर से मुम्बई के बीच की राजनीति

अजय सेतिया

राहुल गांधी की न्याय यात्रा मणिपुर से चल पड़ी है। मुम्बई तक पहुंचेगी। लेकिन राहुल गांधी के मणिपुर से रवाना होते ही मुम्बई में धमाका हो गया। मिलिंद देवड़ा का कांग्रेस छोड़ना, उसी दिन हुआ जिस दिन राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू की। कांग्रेस इससे इतनी जल भुन गई कि जयराम रमेश ने इसका ठीकरा नरेंद्र मोदी के सिर फोड़ दिया। उन्होंने कहा कि मिलिंद देवड़ा के कांग्रेस छोड़ने की टाईमिंग नरेंद्र मोदी ने तय की है। वैसे इस बयान का कोई लोजिक नहीं है। मिलिंद देवड़ा की कांग्रेस छोड़ने की टाईमिंग मोदी ने तय की होती, तो वह भाजपा में जाते, शिवसेना में क्यों गए। मिलिंद देवड़ा कांग्रेस की दूध देने वाली गाय थी। उनका कांग्रेस छोड़ना कोई छोटी मोटी घटना नहीं है। उन्होंने कांग्रेस छोड़कर कांग्रेस की रीढ़ पर हथौड़ा मारा है।

1991 में जब उदारीकरण की शुरुआत हुई, तब से पहले उनके पिता मुरली देवड़ा और बाद में मिलिंद कांग्रेस और कॉरपोरेट घरानों के बीच कड़ी का काम कर रहे थे। कांग्रेस सरकारों के समय कॉरपोरेट घरानों को फायदा पहुँचाने वाली नीतियों के बदले चंदा उगाहने की भूमिका इन दोनों के पास थी। उनके पिता मुरली देवड़ा इसीलिए 22 साल तक मुम्बई प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। मिलिंद देवड़ा भाजपा के साथ गठबंधन वाली शिव सेना में शामिल हुए है, जिसे हाल ही में असली शिवसेना का प्रमाण पत्र मिला है। यह संयोग ही है कि उनके पिता मुरली देवड़ा 1980 में शिवसेना की मदद से ही मुम्बई के मेयर बने थे। मिलिंद देवड़ा के कांग्रेस छोड़ने की भूमिका डेढ़ साल पहले ही तय हो गई थी। 2019 में वह लोकसभा चुनाव हार गए थे। मिलिंद देवड़ा की कांग्रेस को कितनी जरूरत थी, इसका अंदाज इस से लगाया जा सकता है कि उन्हें ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी का सह कोषाध्यक्ष बनाया गया था। इसके बावजूद कांग्रेस ने जून 2022 में उनकी उपेक्षा करके उत्तर प्रदेश के इमरान प्रतापगढ़ी को महाराष्ट्र से राज्यसभा में भेज दिया था।

अब जब वह दक्षिण मुम्बई की अपनी पुरानी सीट से चुनाव लड़ना चाहते थे, तो कांग्रेस ने वह सीट समझौते में उद्धव ठाकरे की शिवसेना को देने का फैसला कर लिया। मिलिंद देवड़ा का कांग्रेस छोड़ना ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, आरपीएनसिंह और सुष्मिता देव जैसा ही महत्वपूर्ण है। ये पाँचों कांग्रेस की नई पीढी के नेता थे। हमउम्र होने के कारण राहुल गांधी की कोटरी के सदस्य थे। इनमें से चार मनमोहन सरकार में मंत्री थे, सुष्मिता देव महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष थी। पाँचों अपने पिता की विरासत से कांग्रेस में आए थे। यानी पाँचों का कांग्रेस से दो तीन पीढ़ियों का रिश्ता था। पहले इस कोटरी की वजह से कई सीनियर कुंठित हो कर कांग्रेस छोड़ गए थे। अब उस कोटरी में से सिर्फ सचिन पायलट ही कांग्रेस में बचे हैं।

राहुल गांधी की यात्रा का श्रीगणेश अपशकुन से हो गया है। इस मौके पर दो नेताओं के बयान बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि जिसे जाना है, जाओ, कांग्रेस को कोई फर्क नहीं पड़ता। उधर मल्लिकार्जुन खड़गे ने नरेंद्र मोदी के लिए राम नाम सत्य बोल दिया। इन दोनों बयानों में 2024 की पटकथा लिखी जाएगी। राहुल गांधी ने ऐसे मौके पर न्याय यात्रा शुरू की है, जब श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। देश के अस्सी फीसदी हिन्दुओं के लिए यह अवसर अति महत्वपूर्ण है, जिसे उन्होंने पांच सौ साल के जमीनी और अदालती संघर्षों के बाद हासिल किया है। पहले रामजन्मभूमि मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा का बायकाट और उसके बाद प्राण प्रतिष्ठा का प्रभाव कम करने के लिए राहुल गांधी की यह यात्रा।

22 जनवरी को जिस दिन प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम हो रहा होगा, उस दिन राहुल गांधी असम में होंगे। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा भी राहुल गांधी से खफा हो कर कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए थे। हेमंत बिस्व सरमा की नई हिंदूवादी छवि ने असम में करिश्मा किया है। 35 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले इस प्रदेश में भाजपा का जीतना करिश्मे से कम नहीं। असम में कांग्रेस अभी भी मुस्लिम भरोसे बैठी है। इसलिए राहुल गांधी की असम यात्रा बहुत ही संवेदनशीलता का मामला है। उनकी यात्रा के दौरान हिन्दू मुस्लिम दंगों की आशंका बनी हुई है। उद्धव ठाकरे पहले ही कह चुके हैं कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के बाद दंगे हो सकते हैं। राहुल गांधी की बंगाल यात्रा से ममता बनर्जी बेहद कुपित हैं, क्योंकि वह मुस्लिम प्रभाव वाले क्षेत्रों से गुजरेंगे। ममता बनर्जी ने इंडी एलायंस की 13 जनवरी की वर्चुयल बैठक में न तो खुद हिस्सा लिया, न अपने किसी महासचिव को मीटिंग में हिस्सा लेने का निर्देश दिया। हालात ऐसे बन रहे हैं कि संभवत बंगाल में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस में गठबंधन नहीं होगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी पर हमले तेज कर दिए हैं। ममता बनर्जी समझती हैं कि राहुल गांधी उनके प्रभाव वाली सीटों में सेंध मारने आ रहे हैं। बंगाल के बाद राहुल जब यूपी बिहार में आएँगे, तो ये दोनों राज्य राममय हो चुके होंगे। इन दोनों राज्यों में राहुल गांधी की यात्रा का मार्ग भी अति संवेदनशील है। वह मुस्लिम प्रभाव वाले इलाकों से गुजरेंगे, तो उतेजना हो सकती है।

कांग्रेस लालू यादव और नीतीश कुमार से बिहार में दस से बारह सीटें मांग रही है। लालू यादव 4-5 से ज्यादा देने की स्थिति में नहीं है। 2019 में जब जेडीयू गठबंधन में नहीं थी, तब लालू यादव ने कांग्रेस को 9 सीटें लड़ने को दी थी, लेकिन कांग्रेस मुस्लिम बहुल किशनगंज ही जीत पाई थी। जबकि लालू यादव की आरजेडी तो एक सीट भी नहीं जीत पाई थी। इसलिए नीतीश कुमार इंडी गठबंधन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उनके बिना लालू और राहुल दोनों ही जीरो हैं। लेकिन नीतीश कुमार नाराज हुए बैठे हैं। भले ही सार्वजनिक तौर पर एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी नहीं हो रही, लेकिन एक दूसरे पर तंज कसने वाली भाषा का इस्तेमाल हो रहा है।

13 जनवरी की मीटिंग में जब राहुल गांधी ने संयोजक पद के लिए नीतीश कुमार का नाम प्रस्तावित किया, तो उन्होंने प्रस्ताव ठुकराते हुए कहा कि लालू प्रसाद यादव को संयोजक बना दीजिए। अब सब जानते हैं कि चारा घोटाले में सजायाफ्ता और जॉब फॉर लैंड घोटाले में चार्जशीट लालू यादव को संयोजक बना कर इंडी एलायंस अपना राम नाम सत्य नहीं करना चाहेगा। इसलिए जैसे ही नीतीश कुमार ने लालू यादव का नाम लिया, मीटिंग में सन्नाटा छा गया। नीतीश कुमार और लालू यादव में शीत युद्ध शुरू हो गया है। नीतीश कुमार इशारों इशारों में अभी भी राजग के प्रति झुकाव के संकेत दे रहे हैं। कांग्रेस की तरह उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बायकाट का एलान नहीं किया है। चर्चा है कि वह संजय झा, विजय चौधरी या अशोक चौधरी को अपना दूत बनाकर भेज सकते हैं।

दूसरा प्रमाण यह है कि सोमवार को जब नीतीश कुमार ने एक लाख शिक्षकों की भर्ती के अप्वाइंटमेंट लेटर दिए तो होर्डिंग में तेजस्वी का फोटो हटा दिया गया। जबकि 15 लाख नौकरियों का वादा करने वाले तेजस्वी यादव नौकरियों का श्रेय ले रहे हैं। मंच पर भाषण देते हुए नीतीश कुमार के मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि पिछली सरकार (एनडीए सरकार) में जब वह शिक्षा मंत्री थे, तभी इन नौकरियों की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। जबकि इन नियुक्ति पत्रों के वितरण के बाद आरजेडी ने एक प्रेस कांफ्रेंस की। जिसमें श्रेय लेते हुए कहा गया कि पिछले पन्द्रह महीने की गठबंधन सरकार बिहार का स्वर्णिम काल है।

इसका मतलब यह हुआ कि इससे पहले जब नीतीश कुमार की एनडीए सरकार थी, तब स्वर्णिम काल नहीं था। जबकि सुशासन बाबू के रूप में मशहूर हुए नीतीश के 2005 से 2015 के कार्यकाल को बिहार का स्वर्णिम युग कहा जाता है। इस तरह जेडीयू और आरजेडी में एक दूसरे पर हावी होने की होड़ लगी हुई है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

प्राणाग्निहोत्रोपनिषद् (भाग-5)

यह उपनिषद् ऋग्वेद से सम्बद्ध है। इसमें जगत् की कारण स्वरूपा आदिशक्ति का स्वरूप विवेचित करती है। इसमें सर्वप्रथम चित्शक्ति का स्वरूप स्पष्ट किया गया है। उसी चित् शक्ति से ब्रह्मा से लेकर स्थावर (जड़) तक सभी प्रकट हुए हैं। चित् शक्ति से ही शब्द, अर्थ और रूप आदि का प्राकट्य हुआ। चित् शक्ति अद्वितीय है। अन्त: और बाह्य में विद्यमान चैतन्य शक्ति एक ही है। वही शक्ति अम्बा आदि के रूप में विद्यमान है। वही परब्रह्मस्वरूपा है। जो इस ब्रह्मस्वरूपा चित् शक्ति को भली प्रकार जान लेते हैं, वे उस परमाकाश में सदा-सर्वदा के लिए प्रतिष्ठित हो जाते हैं। इन्हीं सब तथ्यों के साथ यह उपनिषद् पूर्ण होती है।

सृष्टि रचना के पहले एक मात्र देवी ही विद्यमान थीं। उन्हीं के द्वारा ब्रह्माण्ड की सृष्टि-संरचना सम्पन्न हुई। वे देवी कामकला और श्रृंगारकला के नाम से प्रख्यात हैं।

उन देवी के द्वारा ही ब्रह्मा, भगवान् विष्णु एवं रुद्र प्रकट हुए। उन्हीं से सभी मरुद्गण तथा गायन करने वाले गन्धर्व, नर्तन करने वाली अप्सराएँ एवं वाद्ययन्त्रों को झंकृत करने वाले किन्नर प्रकट हुए। उन्हीं से उपभोग की सामग्री भी उत्पन्न हुई, सभी कुछ उन्हीं के द्वारा प्रादुर्भूत हुआ है। अण्डज, स्वेदज, उद्भिज एवं जरायुज आदि जितने भी स्थावर जंगम प्राणी हैं, उनकी एवं मनुष्य की सृष्टि भी उन्हीं जगन्मयी देवी से हुई है।

वे (देवी) ही अपरा शक्ति कहलाती हैं। वे ही शाम्भवीविद्या, कादिविद्या, हादिविद्या एवं सादिविद्या कहलाती हैं। वे (देवी) रहस्यमयी हैं। वे ही प्रणववाची अक्षर तत्त्वरूपा हैं। अर्थात् सत्-चित् आनन्दमयी वे देवी समस्त प्राणियों की वागिन्द्रिय में अवस्थित हैं। शाक्त तन्त्र के विविध प्रयोगों द्वारा भी आत्म-परमात्मतत्त्व की एकरूपता का बोध होता है, उसे ही यहाँ विद्या की संज्ञा प्रदान की गई है, जैसे- शाम्भवी विद्या-जिसके द्वारा परम कल्याणकारी (ईश्वर) का साक्षात्कार हो ।कादिविद्या-क आदि (क, ए, ई,ल, ह्रीं) बीज मन्त्रों से युक्त विद्या। हादिविद्या- ह आदि (ह,स, क, ह, ल, ह्रीं) बीज मन्त्रों से युक्त विद्या तथा सादिविद्या-स आदि (स, क, ल, ह्रीं) बीज मन्त्रों से युक्त विद्या। **(क्रमश:)**

गुरु गोबिंद सिंह

शिवानी अवस्थी

सिखों के 10वें और अंतिम गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती 17 जनवरी 2024 को मनाई जा रही है। उनकी जयंती को धूमधाम से मनाने के लिए गुरुद्वारा श्री पांवटा साहिब में गुरु गोबिंद सिंह जी का 357 वां प्रकाश उत्सव 15 जनवरी से 17 जनवरी तक मनाया जा रहा है। गुरु गोविंद की जयंती को प्रकाश पर्व के तौर पर मनाते हैं।

इस दिन सिख धर्म को मानने वाले लोग गुरुद्वारों में एकत्र होते हैं और गुरु को याद करके आशीर्वाद के लिए प्रार्थना करते हैं। गुरु गोबिंद ने सामाजिक समानता का समर्थन किया। उन्होंने अपना पूरा जीवन लोगों की सेवा और सच्चाई के मार्ग पर चलते रहकर बिताया। गुरु गोबिंद सिंह ने कुछ वचन कहे जिसे अपना लिया तो जीवन सरल और आदर्श बन सकता है। उन्होने अन्याय, अत्याचार और पापों को खत्म करने के लिए और धर्म की रक्षा के लिए मुगलों के साथ 14 युद्ध लड़े। धर्म की रक्षा के लिए समस्त परिवार का बलिदान किया, जिसके लिए उन्हें सरबंसदानी (पूरे परिवार का दानी) भी कहा जाता है। इसके अतिरिक्त जनसाधारण में वे कलगीधर, दशमेश, बाजांवाले, आदि कई नाम, उपनाम व उपाधियों से भी जाने जाते हैं। विश्व की बलिदानी परम्परा में अद्वितीय होने के साथ-आथ गुरु गोविन्द सिंह एक महान लेखक, मौलिक चिन्तक तथा संस्कृत सहित कई भाषाओं के ज्ञाता भी थे। उन्होंने स्वयं कई ग्रन्थों की रचना की। वे विद्वानों के संरक्षक थे। 52 कवि और साहित्य-मर्मज्ञ उनके दरबार की शोभा बढ़ाते थे। वे भक्ति तथा शक्ति के अद्वितीय संगम थे। इसीलिए उन्हें संत सिपाही भी कहा जाता है। उन्होंने सदा प्रेम, सदाचार और भाईचारे का सन्देश दिया। किसी ने गुरुजी का अहित करने की कोशिश भी की तो उन्होंने अपनी सहनशीलता, मधुरता, सौम्यता से उसे परास्त कर दिया। गुरुजी की मान्यता थी कि मनुष्य को किसी को डराना भी नहीं चाहिए और न किसी से डरना चाहिए। वे अपनी वाणी में उपदेश देते हैं भै काहू को देत नहि, नहि भय मानत आन। वे बाल्यकाल से ही सरल, सहज, भक्ति-भाव वाले कर्मयोगी थे। उनकी वाणी में मधुरता, सादगी, सौजन्यता एवं वैराग्य की भावना कूट-कूटकर भरी थी। उनके जीवन का प्रथम दर्शन ही था कि धर्म का मार्ग सत्य का मार्ग है और सत्य की सदैव विजय होती है। 8 मई सन 1705 में मुक्तसर नामक स्थान पर मुगलों से भयानक युद्ध हुआ, जिसमें गुरुजी की जीत हुई। अक्टूबर सन 1706 में गुरुजी दक्षिण में गए जहाँ पर आपको औरंगजेब की मृत्यु का पता लगा। औरंगजेब ने मरते समय एक शिकायत पत्र लिखा था। हैरानी की बात है कि जो सब कुछ लुटा चुका था, (गुरुजी) वो फतहनामा लिख रहे थे व जिसके पास सब कुछ था वह शिकस्त नामा लिख रहा है। इसका कारण था सच्चाई। गुरुजी ने युद्ध सदैव अत्याचार के विरुद्ध किए थे न कि अपने निजी लाभ के लिए।

मुइज्जू ने राष्ट्रवाद को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करवाया

नीरज कुमार दुबे

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू चीन की यात्रा से लौटने के बाद से भारत के खिलाफ आक्रामक तेवर अपनाये हुए हैं और एक के बाद एक ऐसी घोषणाएं कर रहे हैं जो दर्शा रही हैं कि उनके मन के अंदर भारत के प्रति कितनी कटुता भरी हुई है। मोहम्मद मुइज्जू यह तो चाहते हैं कि उनके देश के लोग देशभक्त बनें लेकिन खुद वह चीन को अपना रिमोट कंट्रोल सौंप आये हैं। हालांकि राजधानी माले की जनता ने मेयर चुनाव में राष्ट्रपति को सीधा संदेश दे दिया है कि वह भारत विरोध के पथ पर आगे नहीं बढ़ें लेकिन मुइज्जू तो अपना ईमान बीजिंग को जैसे बेच आये हैं। तानाशाह शी जिनपिंग से मुलाकात करने के बाद मुइज्जू ऐसा प्रभावित हुए हैं कि अब उन्होंने वैसा ही रुख अपने देश में अपनाने का निर्णय ले लिया है।

इसके लिए मालदीव की सरकार कई बड़े कदम उठाने जा रही है। इसके तहत मुइज्जू सरकार ने आगामी नए शैक्षणिक वर्ष से स्कूली पाठ्यक्रमों में %राष्ट्रवाद% को एक अलग विषय के रूप में शामिल करने की घोषणा की है। चीन की यात्रा से लौटने के बाद राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने अपने मंत्रिमंडल की जो पहली बैठक की उसमें यह महत्वपूर्ण फैसला किया गया। मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी देते हुए राष्ट्रपति के प्रधान सचिव अब्दुल्ला नाज़िम इब्राहिम ने कहा कि यह निर्णय युवा पीढ़ी के बीच राष्ट्रवाद के सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। नाजिम ने कहा कि हमारा लक्ष्य एक ऐसी पीढ़ी तैयार करना है जो राष्ट्रवाद से परिचित हो और देश के प्रति प्रेम रखे। उन्होंने कहा कि मालदीव राष्ट्रवाद को पुनर्जीवित करना चाहता है यही कारण है कि सामाजिक परिषद ने राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में राष्ट्रवाद को एक अलग विषय के रूप में पढ़ाने का फैसला किया है। नाजिम ने कहा कि मुइज्जू सरकार स्कूलों में राष्ट्रवाद को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां तेजी के साथ करेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्रालय को इस संबंध में काम शुरू करने का निर्देश दिया गया है।

हम आपको बता दें कि राष्ट्रवाद को एक अलग विषय के रूप में पढ़ाना राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू द्वारा चुनावों के दौरान किये गये प्रमुख वादों में से एक है। मुइज्जू ने चुनावों के समय कहा था कि राष्ट्रवाद विषय को शुरू करके सरकार बच्चों को अनुशासन सिखाएगी। इसके लिए सरकार ने शैक्षणिक वर्ष की तारीखों में बदलाव करने का फैसला भी किया है, जिसके मुताबिक चालू शैक्षणिक वर्ष अप्रैल में समाप्त होगा। नया शैक्षणिक वर्ष 26 मई से शुरू होने होगा। सरकार ने तारीखों में बदलाव इसलिए किया है ताकि उसे नया पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए तैयारियां करने के लिए कुछ और वक्त मिल जाये।

हम आपको यह भी बता दें कि मुइज्जू चीन से जो निर्देश लेकर आये हैं उसे अमली जामा पहनाने के लिए वह मालदीव की संसद में कुछ बड़ी घोषणाएं कर सकते हैं। इस वर्ष संसद के पहले सत्र की उद्घाटन बैठक 5 फरवरी को होगी। मालदीव के संसद सचिवालय के मुताबिक स्पीकर मोहम्मद असलम ने इस साल के पहले सत्र की उद्घाटन बैठक 5 फरवरी को सुबह 9 बजे से तय की है। राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू, जिन्होंने पिछले साल 17 नवंबर को शपथ ली थी, उन्हें संसद की उद्घाटन बैठक में अपना पहला राष्ट्रपति भाषण देना होगा। माना जा रहा है कि इस उद्घाटन भाषण में कई बड़ी घोषणाएं होंगी। हम आपको बता दें कि सरकार को कामकाज संभाले हुए दो महीने से ज्यादा हो गये हैं मगर संसद ने अभी तक कैबिनेट को मंजूरी नहीं दी है। देखना होगा कि संसद क्या उन तीन मंत्रियों का निलंबन वापस लेती है जिनको भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी करने के चलते निलंबित किया गया था।

जहां तक मुइज्जू को बीजिंग से लौटते ही लगे चुनावी झटके की बात है तो आपको बता दें कि माले के मेयर चुनावों में जनता ने सत्तारुढ़ पार्टी को हरा दिया है। हम आपको यह भी बता दें कि मुइज्जू भी राष्ट्रपति बनने से पहले माले के मेयर थे। उन्होंने मेयर पद से इस्तीफा देकर ही राष्ट्रपति चुनाव लड़ा था। इस बार मेयर चुनाव में जनता ने भारत समर्थक विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) को शानदार जीत देकर राष्ट्रपति के भारत विरोधी अभियान की सारी हवा निकाल दी है। एमडीपी उम्मीदवार एडम अजीम को माले के नए मेयर के रूप में चुना गया है। मालदीव मीडिया ने एडम अजीम की जीत को मुइज्जू के लिए राजनीतिक भूकंप के समान बताया है। उल्लेखनीय है कि एमडीपी का नेतृत्व भारत समर्थक पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद सोलिह कर रहे हैं, जो राष्ट्रपति चुनाव में चीन समर्थक नेता मुइज्जू से हार गए थे। मेयर चुनाव की जीत से एमडीपी की राजनीतिक किस्मत फिर से चमकने की उम्मीद है क्योंकि संसद में अब भी उसके पास अच्छी खासी संख्या में सीटें हैं।

जहां तक मुइज्जू की ओर से भारत विरोधी अभियान को हवा देने की बात है तो निश्चित रूप से बीजिंग से लौटते ही वह पहले से ज्यादा आक्रामक दिख रहे हैं। पहले उन्होंने भारत के साथ हालिया विवादों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि हम छोटे (देश) हो सकते हैं, लेकिन इससे आपको हमें धमकाने का लाइसेंस नहीं मिल जाता। उसके ठीक बाद उन्होंने भारत से कहा कि वह उनके देश में तैनात अपने सैन्यकर्मियों को 15 मार्च तक हटा ले। माले की ओर से भारतीय सैनिकों को हटाने की मांग किये जाने के करीब दो महीने बाद राष्ट्रपति ने यह समय सीमा तय की है। नवीनतम सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मालदीव में 88 भारतीय सैन्यकर्मी हैं। हम आपको बता दें कि मालदीव और भारत ने सैनिकों की वापसी पर बातचीत के लिए एक उच्च स्तरीय कोर समूह का गठन किया है। विदेश मंत्रालय ने नयी दिल्ली में बयान जारी करके कहा कि इस कोर समूह ने रविवार सुबह माले स्थित विदेश मंत्रालय के मुख्यालय में अपनी पहली बैठक की।

हम आपको यह भी याद दिला दें कि पिछले साल 17 नवंबर को मालदीव के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के तुरंत बाद मुइज्जू ने औपचारिक रूप से भारत से भारतीय सैन्यकर्मियों को मालदीव से वापस बुलाने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा था कि मालदीव के लोगों ने उन्हें नयी दिल्ली से यह अनुरोध करने के लिए 'मजबूत जनादेश' दिया है। इसके साथ ही माले अब नयी दिल्ली के साथ 100 से अधिक द्विपक्षीय समझौतों की भी समीक्षा कर रहा है। साथ ही मुइज्जू ने भारत पर मालदीव की निर्भरता को कम करने की योजनाओं की भी घोषणा की, जिसमें अन्य देशों से आवश्यक खाद्य वस्तुओं, दवाओं और उपभोग की अन्य सामग्रियों का आयात सुनिश्चित करना शामिल है।

बहरहाल, चीन से निकटता बढ़ा रहे मालदीव को लेकर भारत पूरी तरह सतर्क रुख अपनाये हुए है। भारत के पड़ोसियों को बहलाने फुसलाने की कोशिश चीन पूर्व में भी करता रहा है और भारत सरकार ने हमेशा कूटनीति के जरिये चीन की सारी चालों की हवा निकाल दी है। देखना होगा कि मुइज्जू मामले से कैसे निबटा जाता है।

आज का इतिहास

1781 अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध-अमेरिकी बलों ने काउपेंस की लड़ाई में अंग्रेजों पर आश्चर्यजनक जीत हासिल की, जो युद्ध की सबसे महत्वपूर्ण लड़ाई थी।
1798 समाजशास्त्र के प्रमुख फ्रांसीसी विचारक अगस्त कान्त का जन्म हुआ था।
1806 तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति थॉमस जेफरसन के पोते जेम्स मैडिसन रैंडोल्फ व्हाइट हाउस में पैदा होने वाले पहले बच्चे बने।
1841 ब्रिटेन के पर्वतारोही जार्ज एवरेस्ट ने विश्व की सबसे ऊंची चोटी का पता लगाया। इस चोटी का नाम भी इसके बाद एवरेस्ट रख दिया गया।
1885 सूडान में महदीसत युद्ध- अबु क्लि की लड़ाई में ब्रिटिश सेना की जीत हुई।
1893 लॉरिन ए. थर्स्टन की अगुवाई वाली नागरिक सुरक्षा समिति ने क्वीन लिली की सरकार को उखाड़ फेंका।
1913 रेमंड प्वाइनकेयर फ्रांस के राष्ट्रपति चुने गये।
1917 अमेरिका ने 2.5 करोड़ डॉलर में वर्जिन आईलैंड्स को डेनमार्क से खरीदा।
1946 संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, संयुक्त राष्ट्र के अंग ने अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के रखरखाव का आरोप लगाया, लंदन में चर्च हाउस में अपनी पहली बैठक आयोजित की।
1946 दुनिया की सबसे ताकतवर संस्था संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की पहली बैठक हुई।
1955 परमाणु शक्ति से चलने वाली पहली पनडुब्बी यूएसएस नॉटिलस ने ह्रश्वठ्ठ परमाणु ऊर्जा के तहत चल रहा है 'संदेश के साथ ग्रोनटन, कनेक्टिकट से पहली बार समुद्र में डाल दिया।
1961 बेल्जियम और संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार के समर्थन और जटिलता का सुझाव देने वाली परिस्थितियों में कांगो के पूर्व प्रधानमंत्री पैट्रीस लुंबा की हत्या कर दी गई थी।
1980 नासा ने फ्लाट्सट्कोम-3 लांच किया।
1989 पैट्रिक पेडी ने कैलिफ़ोर्निया के स्टॉकटन के एक प्राथमिक स्कूल पर हमला राइफल से 5 लोगों की हत्या और 30 अन्य को मार डाला।
1991 नॉर्वे के वर्तमान राजा, हराल्ड वी, अपने पिता ओलाव वी की मृत्यु पर सिंहासन के लिए सफल हुए।
1991 अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस की सेना के इराक पर हमला करते ही खाड़ी युद्ध शुरू हो गया था।
1995 जापान के कोबे शहर में आए 7.2 तीव्रता के भूकंप के कारण 5,372 लोगों की मौत हुई।

विपक्षी दल खुद को सेक्यूलर क्यों नहीं बुलाते

हिलाल अहमद

अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन समारोह पर हो रही चर्चाओं ने दो बहुत ही बुनियादी सवालों को लगभग नजरअंदाज कर दिया है। पहला, क्या किसी घोषित सेकुलरवादी राज्य का एक विशुद्ध धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेना उचित है? दूसरा, धर्म और राज्य सत्ता के इस समावेश का आम लोगों (विशेषकर धार्मिक संप्रदायों) के विश्वासों और संवेदनाओं पर क्या असर होता है?

ये दो सवाल भारत में सेकुलरवाद के भविष्य से संबंधित हैं, खासकर तब जबकि सेकुलरवाद आज की चुनावी राजनीति से लगभग गायब हो चुका है। भाजपा पहले ही घोषणा कर चुकी है कि भारतीय राजनीति में सेकुलरवाद की कोई जगह नहीं है। विपक्ष ने भी चुपचाप इस विवादास्पद दावे को स्वीकार कर लिया है। अधिकांश गैर-भाजपा दल नहीं चाहते कि उन्हें 'सेकुलर' दलों के रूप में पहचाना जाए। धर्मनिरपेक्षता आज की राजनीति में उतना ही अपमानजनक शब्द माना जाने लगा है जैसा कुछ दशक पहले सांप्रदायिकता माना जाता था। राजनीतिक वर्ग के इस उदासीन रवैये के बावजूद सेकुलरवाद अभी भी एक सामाजिक-नैतिक मूल्य के रूप में जिंदा है।

भारतीय संदर्भ में सेकुलरवाद शब्द का एक विशेष अर्थ है, जो इस विचार को विशुद्ध भारतीय चरित्र देता है। हमारा सेकुलरवाद विश्व के अन्य सेकुलर राज्यों की तरह स्टेट पॉलिसी और धार्मिक मामलों के बीच एक विभाजन रेखा की अवधारणा पर टिका है। लेकिन यह पूरी तरह से पश्चिम के सेकुलरवाद की नकल नहीं है। हमारे यहां राज्य से यह उम्मीद की जाती है कि वह धार्मिक मामलों से एक 'उसूली दूरी' बनाए रखे।

हमारा संविधान राज्य को धर्म से विमुख होने के लिए नहीं कहता बल्कि वह सेकुलरवादी संदर्भ में राज्य को धर्म के साथ तालमेल बैठाने के लिए प्रोत्साहित करता है। राजनीतिक सिद्धांतकार राजीव भार्गव भारतीय सेकुलरवाद की इस खूबी को संदर्भ -प्रेरित धर्मनिरपेक्षता या कॉंटेक्सटुअल सेकुलरिज्म कहते हैं।

संवैधानिक सेकुलरवाद की इस मानक कल्पना और इसकी राजनीति के बीच एक अंतर है। बाबरी मस्जिद के विध्वंस के बाद सेकुलरवाद चुनावी राजनीति के नए मुहावरे के रूप में स्थापित हुआ। कांग्रेस के नेतृत्व वाले

राजनीतिक खेमे ने गर्व से खुद को सेकुलर घोषित कर दिया ताकि भाजपा की हिंदुत्व आधारित राजनीति को सांप्रदायिक कह कर खारिज किया जा सके। वहीं भाजपा ने भी धर्मनिरपेक्षता के मुहावरे को नहीं छोड़ा। पार्टी ने सेकुलरवाद के नजरिये से अपनी राजनीति को नए सिरे से परिभाषित करना शुरू किया। लालकृष्ण आडवाणी जैसे नेताओं ने स्व-घोषित धर्मनिरपेक्ष दलों के सेकुलरवाद को छद्म सेकुलरवाद की संज्ञा दी ताकि भाजपा के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को सच्चा सेकुलरवाद साबित किया जा सके।

सेकुलरवाद बनाम सांप्रदायिकता का चुनावी केंद्रित द्वंद्व 2014 के बाद अप्रासंगिक हो गया। भाजपा की चुनावी कामयाबी ने हिंदुत्व को चुनावी राजनीति के नए विमर्श के रूप में स्वीकार्य बना दिया। इस नई राजनीतिक समझ ने गैर-भाजपा दलों के लिए एक गंभीर बौद्धिक चुनौती खड़ी कर दी। इन दलों के लिए अब यह संभव नहीं था कि वे अपने भाजपा विरोध को सेकुलरवाद की राजनीति बता सकें। ये दल अभी तक इसी दुविधा में हैं। उन्होंने अभी तक अपनी राजनीति को परिभाषित करने के लिए सेकुलरवाद का कोई विकल्प विकसित नहीं किया है।

यह दुविधा राम मंदिर उद्घाटन समारोह पर हालिया बहस में साफ दिखती है। भाजपा के नेता ये कह सकते हैं कि मंदिर-उद्घाटन समारोह एक सांस्कृतिक कार्यक्रम है और इसमें उनकी सक्रिय भागीदारी संविधान के नियमों और उसूलों का उल्लंघन नहीं है। 'धर्म' और 'संस्कृति' के बीच की बारीक विभाजन रेखा इस तर्क को तकनीकी वैधता देती है। विपक्ष की चिंता दूसरी है। हालांकि कांग्रेस और वाम दलों ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। लेकिन उनके पास ऐसी कोई राजनीतिक भाषा नहीं है जिससे वे भाजपा द्वारा राम और राम मंदिर के राजनीतिकरण का कोई स्पष्ट और तार्किक विकल्प पेश कर सके।

भारत के लोग वास्तव में कितने सेकुलरवादी हैं, इसका अंदाजा लगाने के लिए भाजपा की चुनावी सफलता और विपक्ष की बौद्धिक विफलता से परे जा कर सोचने की जरूरत है। सर्वधर्म समभाव की गांधीवादी अवधारणा इस विषय को समझने के लिए काफी कारगर साबित हो सकती है। यह सही है कि वर्तमान चुनावी राजनीति में सर्वधर्म समभाव को लगभग भुला दिया गया है। इसके बावजूद यह विचार भारत के जमीनी सेकुलरवाद का एक अभिन्न अंग है।

भारत की जमीनी धर्मनिरपेक्षता की दो विशेषताएं है। पहली, भारत के आम लोग देश की धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता को राष्ट्रीय पहचान का मूल प्रतीक मानते हैं। 2019 में सीएसडीएस-लोकनीति द्वारा किए गए राष्ट्रीय चुनाव अध्ययन से पता चलता है कि भारी बहुमत का दावा है कि भारत केवल हिंदू समुदाय* का नहीं है। खुद हिंदुओं (74%) ने इस विचार को स्वीकार नहीं किया कि भारत को सिर्फ हिंदुओं के देश के रूप में देखा जाए। प्यू रिसर्च सेंटर का 2021 का अध्ययन भी यही कहता है।

जमीनी सेकुलरवाद की दूसरी विशेषता और भी दिलचस्प है। भारत के लोग धार्मिक-सांस्कृतिक मुद्दों और आर्थिक परेशानियों के बीच एक विभाजन करते हैं। सीएसडीएस-लोकनीति की मूड ऑफ नेशन स्टडी 2023 में शामिल लोगों ने बेरोजगारी और बढ़ती गरीबी को सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों के रूप में पहचाना। इन सर्वेक्षण-परिणामों को 'अंतिम सत्य' नहीं माना जाना चाहिए। फिर भी, यह कहना गलत नहीं होगा कि धर्मनिरपेक्षता का सवाल आज भी आम भारतीय की सोच और उसकी मानसिकता को तय करता है। भारत के लोग अभी भी सभी धर्मों/गैर-धार्मिक सिद्धांतों और विश्वासों के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास करते हैं। राजनीतिक वर्ग इस जमीनी सेकुलरवाद के प्रति उदासीन है। राजनीतिक दल समाज की हर परिघटना को सिर्फ और सिर्फ चुनावी फायदे और नुकसान के नजरिये से देखते हैं। उनके लिए चुनाव एक राजनीतिक मंडी है जिसमें वे उन्हीं मुद्दों को उठाते है जो आसानी से बिक सकें। सेकुलरवाद आज बिकाऊ मुद्दा नहीं रहा है, इसलिए कोई भी पार्टी इस विषय पर बोलने से कतराती है। राजनीति का यह चुनाव-केंद्रित मॉडल राजनीतिक वर्ग की मूल-विहीनता और बौद्धिक अक्षमता का परिचायक है।

गांधी परिवार को साधे रखना चाहते हैं जदयू प्रमुख नीतीश

जलज मिश्रा

बीते शनिवार को हुई विपक्षी गठबंधन इंडिया की वर्चुअल बैठक में बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने अपने प्रस्ताव से सभी को चौंका दिया। इस बैठक में उन्होंने खुद संयोजक बनने के बदले इसके लिए राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का नाम सुझाया। इससे पहले उन्होंने गठबंधन के अध्यक्ष के लिए राहुल गांधी के नाम का प्रस्ताव रखा। वह भी तब जब गठबंधन के दूसरे दलों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को इस पद पर बैठाने के मामले में पहले सहमति बन चुकी है। जदयू सूत्रों के मुताबिक नीतीश ने पहले ही खुद संयोजक नहीं बनने के फैसले से कांग्रेस समेत कुछ दूसरे दलों के नेताओं को

अवगत करा दिया था। चूंकि गठबंधन का एक अध्यक्ष भी होगा, ऐसे में नीतीश गठबंधन में नंबर दो की भूमिका नहीं चाहते थे। इसके अलावा नीतीश का मानना है कि गठबंधन में शामिल दलों और नेताओं में राहुल गांधी की ही राष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक पहचान है, इसलिए उन्होंने खरगे की जगह अध्यक्ष पद के लिए राहुल का नाम प्रस्तावित किया था। खुद संयोजक बनने से इंकार करने के बाद नीतीश ने इस पद के लिए लालू प्रसाद का नाम आगे बढ़ाया। दरअसल बिहार में राजद लंबे समय से नीतीश को राष्ट्रीय भूमिका में लाना चाहता है, जिससे वर्तमान डिप्टी सीएम तेजस्वी को सरकार के नेतृत्व का अवसर मिले। इसके उलट नीतीश अपनी कुर्सी की कीमत पर कोई पद स्वीकार करने के इच्छुक नहीं हैं। यही कारण है कि उन्होंने इस पद के लिए राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद का नाम आगे कर दिया। दरअसल नीतीश की निगाहें लोकसभा चुनाव के बाद की संभावनाओं पर है। उन्हें पता है कि इस बार कांग्रेस बमुश्किल 250-275 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जाहिर तौर पर इस स्थिति में अगर विपक्ष की सरकार बनने की स्थिति पैदा हुई तो कांग्रेस के लिए अपनी पार्टी का पीएम बनाना संभव नहीं होगा। ऐसे में कांग्रेस सहयोगी दलों को अपनी पसंद के नेता का नाम सुझाएगी। इन्हीं संभावनाओं के मद्देनजर नीतीश कांग्रेस और खासतौर पर गांधी परिवार को साधे रखना चाहते हैं। इसी रणनीति के तहत उन्होंने खरगे का नाम तय होने के बावजूद अध्यक्ष पद के लिए राहुल का नाम आगे बढ़ाया। बैठक में जिस तरह नीतीश ने संयोजक बनने से इन्कार किया, उसी तरह राहुल गांधी ने भी अध्यक्ष बनने से इन्कार करते हुए एक बार फिर से इस पद के लिए खरगे का नाम आगे किया। राहुल ने इसके लिए अपनी भारत जोड़ो यात्रा और जमीनी स्तर पर काम करने का हवाला दिया। एनसीपी सूत्रों का कहना है कि इस महीने के अंत में गठबंधन के नेताओं की आमने सामने की बैठक से पहले संयोजक पद के लिए आम सहमति बनाई जाएगी और इसी बैठक में दोनों पदों की जिम्मेदारी तय करने की घोषणा की जाएगी। हालांकि गठबंधन की लगातार बैठकें हो रही हैं, मगर सीट बंटवारा अभी भी पहेली बना हुआ है। सीट बंटवारे पर असमंजस और एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी के कारण ही शनिवार की बैठक से ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और उद्धव ठाकरे दूर रहे। ममता चाहती हैं कि कांग्रेस उसे असम और त्रिपुरा में हिस्सेदारी दे। सपा का मानना है कि यूपी में कांग्रेस अंदरखाने बसपा के संपर्क में है।

प्रधानमंत्री के साढ़े तीन मिनट वाले भाषण पर कांग्रेस का सियासी दांव

आशीष तिवारी

राहुल गांधी की भारत जोड़ो में यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साढ़े तीन मिनट के भाषण का खूब जिक्र हो रहा है। दरअसल, मोदी सरकार के विरोध में लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के दौरान प्रधानमंत्री के भाषण से मणिपुर के हिस्से के भाषण का जिक्र कांग्रेस न्याय यात्रा के दौरान कर रही है। कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 123 मिनट के भाषण में महज साढ़े तीन मिनट मणिपुर के लिए दिए। जो बताता है कि मणिपुर जैसे संवेदनशील राज्य के लिए भारतीय जनता पार्टी की सोच क्या है। जानकारों का भी मानना है कि कांग्रेस पार्टी मणिपुर में भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत के दौरान भारतीय जनता पार्टी पर हमला कर एक साथ कई निशाने साध रही है। कांग्रेस ने जब भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत की घोषणा मणिपुर से की, तभी तय हो गया था कि कांग्रेस इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी को घेरेगी। अब राहुल गांधी की मणिपुर से शुरू हुई यात्रा के बाद कांग्रेस ने अपनी पहले से तय रणनीति के मुताबिक, भारतीय जनता पार्टी को घेरना शुरू किया है। सोमवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश ने मणिपुर में कहा कि तीन मई से इस राज्य में हिंसा का दौर चल रहा है, लेकिन अब तक भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की ओर से यहां के लोगों के दुख दर्द को ना समझा गया और न गंभीरता से कोई उसका हल निकाला गया। जयराम रमेश कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अविश्वास प्रस्ताव पर अपने 123 मिनट के भाषण में महज साढ़े तीन मिनट में मणिपुर पर बात खत्म कर दी। उनका कहना है कि मणिपुर के लोगों का दुख दर्द समझने के लिए भारतीय जनता पार्टी के ना किसी नेता के पास वक्त है और ना ही वह उसको सुलझाना चाहते हैं। सियासी जानकार भी मानते हैं कि अविश्वास प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण का जिक्र कर कांग्रेस एक साथ कई निशाने साध रही है। राजनीतिक विश्लेषक और वरिष्ठ पत्रकार सुमित कुमार कहते हैं कि कांग्रेस ने मणिपुर से यात्रा की शुरुआत कर वहां के लोगों के दुख दर्द को देश के हिस्सों में ले जाने की कोशिश की है। हालांकि, वह कहते हैं कि मणिपुर के माध्यम से कांग्रेस पार्टी एक नैरेटिव सेट करके अपनी यात्रा को आगे बढ़ा रही है। उसका सियासी फायदा कितना होगा यह तो लोकसभा के चुनावी परिणाम बताएंगे, लेकिन जिस तरह से इस न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस लगातार भारतीय जनता पार्टी पर हमलावर है उससे सियासी तौर पर कांग्रेस खुद को मजबूत मान रही है। सियासी जानकारों का मानना है कि कांग्रेस अपनी रणनीति के मुताबिक अपनी पूरी यात्रा में भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमलावर रहेगी। ताकि लोकसभा चुनाव में अपने कार्यकर्ताओं और गठबंधन से जुड़े सभी दलों को एक स्पष्ट संदेश दिया जा सके। कांग्रेस पार्टी से जुड़े रणनीतिकारों का कहना है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत से पहले चर्चा इस बात की ही हुई थी कि इसकी शुरुआत किस राज्य से की जाए। सभी लोगों का मत था कि मणिपुर के लोगों को इस वक्त सबसे ज्यादा न्याय की उम्मीद है इसलिए इस यात्रा की शुरूआत वहीं से होनी चाहिए। पार्टी के महासचिव जयराम रमेश कहते हैं कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी रविवार और सोमवार को विभिन्न नागरिक संस्थाओं से मिले। इस दौरान सभी लोगों ने राहुल गांधी से कहा है कि मणिपुर में एक संवेदनशील, पारदर्शी, जवाबदेह और सशक्त शासन की जरूरत है।

ताइवान में राष्ट्रपति चुनाव से चीन को झटका

शोभना जैन

चीन द्वारा ताइवान को लगातार दी जा रही धमकियों और उसकी सैन्य घेराबंदी के प्रयासों के बीच उसकी आंख की किरकिरी माने जाने वाले सत्तारूढ़ दल के विलियम लाई की राष्ट्रपति चुनाव में जीत से चीन बौखला गया है। उसका कहना है कि इस सब से ताइवान को पुन: चीन में शामिल किए जाने के प्रयास रुकने वाले नहीं हैं। उधर लाई ने दोटूक शब्दों में कहा कि वे चीन की धमकियों और डराने-धमकाने से झुकने वाले नहीं हैं, अलबत्ता वे चीन के साथ बातचीत करने के प्रयास करेंगे। इस चुनाव में लाई ने अपने को ताइवान की लोकतांत्रिक जीवनशैली को बचाने वाले राजनेता के रूप में जनता के सामने पेश किया और जिस तरह से देश के 40 प्रतिशत मतदाताओं ने उनके दल को तीसरी बार राष्ट्रपति पद के लिए चुना, उससे साफ जाहिर है कि ताइवान के मतदाताओं ने चीन के उनके खिलाफ तमाम आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है कि लाई एक बहुत बड़ा खतरा हैं।

जाहिर है कि लाई की जीत से दक्षिण चीन सागर क्षेत्र, ताइवान की खाड़ी सहित क्षेत्र की भूराजनैतिक स्थिति पर खासा असर पड़ेगा और चीन ऐसी स्थिति में ताइवान पर अपना दबाव और बढ़ाएगा। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता रहा है और एक स्वतंत्र देश के तौर पर उसके अस्तित्व को नकारता रहा है। ताइवान के नए चुने गए राष्ट्रपति अपनी नीतियां तय करते समय संभवत: सबसे ज्यादा ध्यान चीन और अमेरिका का ही रखेंगे। चुनाव जीतने बाद लाई ने अपनी टिप्पणी में शब्दों का जिस सावधानी से चयन किया, इससे साफ है कि चीन के साथ ताइवान के संबंधों को लेकर वो काफी सतर्क हैं। उन्होंने कहा कि आपसी सम्मान के आधार पर चीन के साथ बातचीत होगी। चीन उन पर हमेशा ताइवान की आजादी का समर्थक होने का आरोप लगाता रहा है।

वो चीन के साथ ताइवान के संबंधों को लेकर काफी मुखर रहे हैं। हालांकि वो अमेरिका जैसे सहयोगी देशों

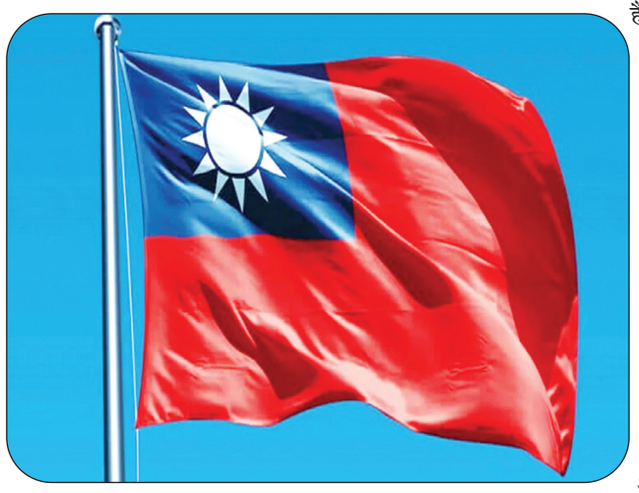

को यह कहते रहे हैं कि वो अपने पूर्ववर्ती राष्ट्रपति साई-इंग वेन की संतुलन बनाकर चलने की नीति अपनाएंगे। लाई वर्तमान में ताइवान के उपराष्ट्रपति हैं और अब वे राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। डेमोक्रेटिक पीपुल्स पार्टी की निकटतम प्रतिद्वंद्वी पार्टी कोमिंतांग ने हार मान ली और इसी के साथ लाई की जीत पर मुहर लग गई। विलियम लाई पहले राष्ट्रपति उम्मीदवार हैं, जिन्हें लगभग 40 लाख वोट मिले हैं। ताइवान के घरेलू मसलों पर सरसरी तौर पर नजर डालें तो सर्वेक्षणों के अनुसार चीन और ताइवान के बीच तनाव के बावजूद ताइवान की अधिकांश जनता आर्थिक विकास को सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा मानती है। एक टिप्पणीकार के अनुसार सर्वे में कई लोगों ने कहा कि राष्ट्रपति साई इंग-वेन ने पिछले चुनाव में जो वादे किए थे, उनमें से कई पूरे नहीं किए। इसके बाद भी विलियम लाई का चुना जाना दिखाता है कि उनकी पार्टी पर लोगों का भरोसा बना हुआ है। ताइवान की आबादी का एक बड़ा हिस्सा इस द्वीप को चीनी मेनलैंड से अलग मानता है लेकिन चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ताइवान पर नियंत्रण को राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला मानती है।

चीन और अमेरिका की इस चुनाव पर करीबी नजर थी क्योंकि दोनों के लिए ताइवान रणनीतिक रूप से खासा अहम है। अमेरिका, जापान और इंग्लैंड जैसे देशों द्वारा लाई को चुनाव जीतने पर बधाई दिए जाने पर चीन ने तीव्र आक्रोश जताया और कहा कि वे चीन के घरेलू मामले में दखलंदाजी न करें। अमेरिका को चीन ने ताइवान को लेकर संयम बरतने की सलाह दी है क्योंकि उसे लगता है कि इससे अमेरिका और चीन के संबंधों में तनाव और बढ़ेगा। अहम बात यह है कि अमेरिका के ताइवान के साथ किसी प्रकार के औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं लेकिन वह उसे हथियार सप्लाई करता रहा है और उसका बड़ा समर्थक रहा है। उधर चीन के रक्षा मंत्रालय ने साफ तौर पर कहा है कि ताइवान की स्वतंत्रता को लेकर किसी भी प्रकार के अलगाववादी मंसूबों को वह निर्ममता से कुचल देगा।

एक अत्यंत गंभीर बात यह भी है कि सुरक्षा संबंधी मसलों के साथ और ताइवान की अस्थिरता का दुनिया की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ना स्वाभाविक है। लाई की विजय से इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। ताइवान वैश्विक व्यापार का एक अहम हिस्सा है। दुनिया भर में 63 प्रतिशत सेमी कंडक्टर और 73 प्रतिशत अत्याधुनिक चिप्स का वह सप्लायर रहा है। अगर उसकी समुद्र की तरफ से चारों तरफ घेराबंदी की जाए तो ताइवान से दुनियाभर में भेजे जाने सामान की कीमतों और उपलब्धता पर काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। पश्चिम एशिया संघर्ष की वजह से पहले से ही तेल और गैस की कीमतों और अन्य पदार्थों की बढ़ी कीमतों से वैश्विक अर्थव्यवस्था जो मार झेल रही है, उससे यह आर्थिक संकट और गहरा हो सकता है।

भारत के भाग्य का नया सूर्योदय है राम मंदिर का निर्माण

श्याम जाजू

अयोध्या में श्री राम मंदिर का पुनर्निर्माण और प्रभु श्री रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा मात्र एक धार्मिक आयोजन नहीं है बल्कि यह भारत के भाग्य का नया सूर्योदय है। यह भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण और अभ्युदय का अमृत काल भी है। सांस्कृतिक विविधता और समृद्धि से भरे हमारे देश में सांस्कृतिक धरोहर हमारी पहचान है। धर्म, भाषा, रूपरेखा, शैली और विविध संस्कृतियों और जीवन शैलियों के बाद भी भारत एक है। उसकी आत्मा एक है। हम सब एक दूसरे से अपनी सांस्कृतिक पहचान से जुड़े हुए हैं। इसी जुड़ाव को बढ़ाने की दिशा में प्रभु श्री राम के मंदिर का निर्माण एक महत्वपूर्ण कदम है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर हमें अपनी साझी धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को अक्षुण्ण रखने में मदद देगा।

राम भारतीय संस्कृति के प्रेरणा पुरुष हैं। एक आदर्श राजा, आदर्श पुत्र, आदर्श भाई, आदर्श पति, आदर्श मित्र हैं। हम भारतीय जिन सात्विक मानवीय गुणों को सदियों से पूजते आए हैं, वे सभी राम के व्यक्तित्व में निहित हैं। इसीलिए श्री राम, मर्यादा पुरुषोत्तम हैं और हमारी आस्था के केंद्र में हैं, हमारे चेतन-अवचेतन मन में हैं और चिर काल से इस देश के मानस में बसे हुए हैं।

यहाँ राम सब के हैं और सब राम के हैं। चाहे पूरब हो या पश्चिम, उत्तर हो या दक्षिण, राम हमारे मानस में समाये हुए हैं। देश के किसी भी हिस्से में जाएँ, आपको लोगों के नाम में राम मिलेगा - दक्षिण में रामय्या, रामचन्द्रन या रामनाथन हो या उत्तर में रामशरण, राम सिंह या रामदास, राम सभी में हैं। सुबह की राम राम से लेकर जय सिया राम और जय श्री राम हमारे लिए अभिवादन और अभिनन्दन हमारे व्यवहार में समाहित/सन्निहित हैं।

भारत ही नहीं राम का संदेश भागौलिक सीमाओं से परे, सार्वभौम और कालातीत है। उनकी प्रासंगिकता महज भारतीय उपमहाद्वीप तक ही सीमित नहीं है। राम कथा के अनगिनत संस्करण दक्षिण पूर्वी एशिया के देशों जैसे थाईलैंड, इंडोनेशिया, कंबोडिया, म्यांमार, लाओस में आज भी प्रचलित हैं। आज भी भगवान राम और देवी सीता का चरित्र चित्रण इन देशों की लोक परंपराओं का हिस्सा हैं। आज यही राम हमारे मानस से निकल कर प्राकट्य में आ रहे हैं।

राम के आदर्शों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता एक लोकहितकारी न्यायपूर्ण शासन व्यवस्था को जिसमें सभी के लिए शांति, न्याय और समानता हो, सुनिश्चित करती है। इसीलिए राम मंदिर का निर्माण न केवल भारतीय सांस्कृतिक एकता का एक अद्वितीय प्रतीक है, यह सुशासन और सामाजिक समरसता की ओर प्रवृत्त करने की दिशा में एक महती प्रयास भी है। मंदिर ही एक वह जगह होती है जहां सभी वर्गों, जातियों, और समुदायों के लोग एकत्र होते हैं और साझा व्यवहार करते हैं जिससे धर्मिक एकता का संवर्धन होता है। रामायण में श्रीराम की कथा ने सभी वर्गों और समुदायों को एक साथ लाने का संदेश दिया है तथा भारतीय समाज में धर्म, नैतिकता, और सत्य के मूल्यों को प्रोत्साहित किया है।

नि:संदेह समाज में एकता और सभी धर्म-सम्प्रदायों के बीच समरसता की ओर यह एक महत्वपूर्ण कदम है। 22 जनवरी को होने वाले प्रतिष्ठा समारोह में वाल्मिकी और रवि दास मंदिर के पुजारियों की उपस्थिति और

महर्षि वाल्मिकी के नाम पर अयोध्या धाम हवाई अड्डे का नामकरण, माता शबरी के नाम पर भोजनालय, निषाद राज के नाम पर अतिथि निवास, सामाजिक एकता, न्याय और सद्भाव का ही एक उदाहरण है।

अयोध्या में नव निर्मित राममन्दिर करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और भारत के पुनर्जागरण का प्रतीक है बल्कि यह भारत की सोई अस्मिता और आत्मविश्वास के जागरण का प्रतीक भी है। श्री राम जन्म भूमि का आंदोलन हिन्दू समाज का आत्म साक्षात्कार है। यह इस बात का प्रमाण है कि अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हिन्दू साढ़े पाँच सौ बरस की लंबी लड़ाई लड़ और जीत सकते हैं। सच में अयोध्या में राम लला का भव्य राष्ट्र मंदिर का निर्माण सभी भारतीय नागरिकों के लिए सदियों पुराने सपने के पूरे होने जैसा है। पांच सौ वर्षों बाद रामनगरी का वैभव व कीर्ति लौट रही है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के प्रमुख महंत श्री नृत्य गोपाल दास, के शब्दों में, 卐मंदिर निर्माण के साथ सिर्फ अयोध्या ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारत के भाग्य का नया सूर्य उदित होगा। निःसंदेह यह अवसर हर्ष और उल्लास का है। अयोध्या इस तरह प्रसन्न है, जैसे कि अपने आराध्य का पुनः प्राकट्य हो रहा हो।卐

सच में सामूहिक चेतना से जो काम होते हैं, उनमें अलग ही आनंद की अनुभूति होती है। आज सम्पूर्ण देश प्रसन्न है, जन-मानस आह्लादित है। जिन असंख्य लोगों ने राममंदिर आंदोलन में अपने प्राणों की आहुति दी है, उनकी आत्माएं प्रसन्न हो रही होंगी, क्योंकि उनका बलिदान अब सार्थक होने जा रहा है। इसी के साथ मंदिर निर्माण आंदोलन की इति भी होगी जिसने भारतीय जनमानस की चेतना को लगभग तीन दशकों तक एक सूत्र में पिरोकर रखने का काम किया।

इसे विधि की व्यवस्था भी कह सकते हैं कि नव-निर्मित मंदिर में श्री राम के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का शुभ कार्य राम जन्मभूमि आंदोलन के महानायक पूर्व उप प्रधानमंत्री और सबके सम्माननीय श्री लालकृष्ण आडवाणी और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में हो रहा है जो स्वयं भी राम जन्मभूमि आंदोलन के नायकों में से एक रहे हैं।

मंदिर निर्माण के न केवल धार्मिक व् सांस्कृतिक बल्कि अनेक अन्य पहलू भी हैं जिसमें सामाजिक और आर्थिक प्रमुख हैं। मंदिर से न केवल सामाजिक समरसता बढ़ेगी बल्कि आर्थिक संवर्धन भी होगा। अयोध्या हिन्दुओं का तीर्थस्थल पहले से है, लेकिन राम मंदिर निर्माण के बाद इसका दर्जा भी अमरनाथ जैसी तीर्थ यात्राओं जैसा हो जाएगा। यह आने वाले समय में हरिद्वार, ऋषिकेश, बद्रीनाथ, कामरूप, द्वारका, श्री जगन्नाथ पुरी जैसे हिंदू तीर्थ स्थलों के बीच स्थापित हो जायेगा।

महत्त्वपूर्ण बात यह भी है कि अयोध्या हिंदुओं के लिए ही नहीं, बौद्ध और जैन धर्मावलंबियों के लिए भी महत्त्व रखती है। ऐसे में अयोध्या अंतरराष्ट्रीय तीर्थ स्थल के तौर पर उभरेगी, इसमें कोई संदेह नहीं है। धार्मिक पर्यटन का मॉडल न केवल आस्था का संवर्धन करेगा बल्कि बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश की समृद्धि के द्वार खुल जाएंगे। सकारात्मक रूप से सोचें तो अयोध्या ने अपने विकास का मार्ग राम मंदिर के केंद्र में सुनिश्चित कर लिया है।

निस्संदेह राम मंदिर का निर्माण भारत के लिए एक ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, और धार्मिक घटना है जो देश को एकता, सांस्कृतिक समृद्धि, और सच्चे धर्मिक मूल्यों की दिशा में एकाग्र कर रही है। नव-निर्मित मंदिर ने भारत के सांस्कृतिक और धार्मिक विवादों को सुलझाने का एक अप्रतिम उदाहरण स्थापित किया है जो भविष्य में देशवासियों को परस्पर सद्भाव के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। हमें पूर्ण विश्वास होना चाहिए कि राम मंदिर का निर्माण भारत के लिए एक नए युग का प्रादुर्भाव करेगा जो देश को सांस्कृतिक एकता, भ्रातृत्व, और समरसता की दिशा में आगे ले जायेगा।

20 या 21 जनवरी 2024 कब है पौष पुत्रदा एकादशी ?

जानें सही तिथि और मुहूर्त

पौष पुत्रदा एकादशी हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण दिन है। यह व्रत पौष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को रखा जाता है। यह दिन पूरी तरह से भगवान विष्णु को समर्पित है और इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने का विधान है। पुत्रदा एकादशी साल के दिसंबर-जनवरी महीने में आती है। पुत्रदा एकदशी साल में दो बार आती है पहली जिसे श्रावण पुत्रदा एकदशी कहा जाता है जो जुलाई-अगस्त के महीने में आती है और दूसरी पौष पुत्रदा एकदशी जो दिसंबर-जनवरी के महीने में आती है। पौष पुत्रदा एकादशी उत्तर भारत में अधिक लोकप्रिय है। यह दिन विशेष रूप से विष्णु के अनुयायी वैष्णवों द्वारा मनाया जाता है। पौष पुत्रदा एकादशी का व्रत उन सभी विवाहित महिलाओं और पुरुषों को रखना चाहिए, जिनको कोई संतान नहीं है। मान्यता है इससे वंश का विस्तार होता है। संतान पर आने वाले संकट दूर होते हैं। इस साल पौष पुत्रदा एकादशी 2024 की सही तिथि, मुहूर्त क्या है, आइए जानते हैं।

पौष पुत्रदा एकादशी तिथि

पौष शुक्ल एकादशी तिथि आरंभ- 20 जनवरी 2024 सायं 07.27 मिनट से
पौष शुक्ल एकादशी तिथि समाप्त- 21 जनवरी 2023 सायं 07.28 मिनट पर
एकादशी का व्रत हमेशा सूर्योदय से प्रारम्भ होता है इसीलिए उदयातिथि के अनुसार 21 जनवरी को पौष पुत्रदा एकादशी व्रत रखा जाएगा।
विष्णु पूजन का समय - प्रात: 08.34 से दोपहर 12.32
पौष पुत्रदा एकादशी पारण समय- 22 जनवरी प्रात: 07.14 से प्रात: 09.21

पौष पुत्रदा एकादशी का महत्व

पुत्रदा शब्द का अर्थ है पुत्रों का दाता%और चूंकि यह एकादशी हिंदू महीने पौष के दौरान आती है, इसलिए इसे पौष पुत्रदा एकादशी के रूप में जाना जाता है। एक वर्ष में दो पुत्रदा एकादशियां आती हैं। पहली पुत्रदा एकादशी पौष माह में और दूसरी पुत्रदा एकादशी श्रावण माह में आती है। यह एकादशी मुख्य रूप से उन जोड़ों द्वारा मनाई जाती है जो संतान प्राप्ति की इच्छा रखते हैं। जो भक्त पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ व्रत रखते हैं, भगवान विष्णु भक्तों को सुख-समृद्धि और वांछित इच्छा पूर्ति का आशीर्वाद देते हैं। दक्षिण भारत के कुछ क्षेत्रों में, पौष पुत्रदा एकदशी को वैकुंठ एकदशी, स्वर्गवथिल एकदशी या मुक्कोटि एकदशी के रूप में मनाया जाता है। इस व्रत के प्रताप से संतान पाने की मनोकामना पूरी होती है, करियर में बच्चों को लाभ मिलता है।

खड़े होकर ही अर्घ्य दिया जाना क्यों माना जाता है शुभ, जानिए इसके पीछे का कारण

सनातन धर्म में पूजा-पाठ से जुड़े कई नियमों के बारे में बताया गया है। पूजा-अर्चना की पद्धति के बारे में भी बताया गया है। वहीं बताए गए नियमों और पद्धतियों के अनुसार ही पूजा-अर्चना करने के लिए कहा जाता है। कुछ लोग सुबह स्नान आदि कर पूजा करने से पहले अर्घ्य देते हैं।

वैसे तो स्नान के बाद और पूजा से पहले भगवान सूर्य देव को अर्घ्य दिया जाता है। लेकिन सूर्य देवता के अलावा भी अन्य देवी-देवताओं को भी अर्घ्य दिया जाता है। जैसे कि तुलसी को अर्घ्य दिया जाता है, शिवलिंग को अर्घ्य दिया जाता है और पीपल के पेड़ को अर्घ्य दे सकते हैं। इसके अलावा चंद्र देव को भी अर्घ्य दिया जाता है।

आपको बता दें कि अर्घ्य देने के भी कई नियमों के बारे में बताया गया है। अर्घ्य देते समय खड़े रहने का विधान होता है। क्योंकि बैठकर या फिर अन्य किसी मुद्रा में अर्घ्य देना अच्छा व शुभ नहीं माना जाता है। तो आइए जानते हैं खड़े होकर ही अर्घ्य देना जरूरी क्यों होता है।

खड़े होकर अर्घ्य देना

धार्मिक शास्त्रों के मुताबिक पूजा-पाठ बैठकर किए जाने का विधान है। लेकिन अर्घ्य खड़े होकर दिया जाना चाहिए। ऐसा इसलिए कहा जाता है कि क्योंकि खड़े होकर अर्घ्य देने से शरीर के सातों चक्र जागृत हो जाते हैं। वहीं सातों चक्र जागृत होने से शरीर में दिव्यता का प्रवेश होता है। ऐसे में जब शरीर में दिव्यता

प्रवेश करती है तो शरीर ने नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा मिलता है।

इसका एक कारण यह भी होता है कि अगर आप बैठकर अर्घ्य देते हैं, तो धरती पर गिरते जल या दूध की छींटे आपके पैर को छूएंगी। इससे अर्घ्य दिए जाने की पवित्रता भंग हो जाती है और इसमें दोष आ जाता है। इसके अलावा शास्त्रों में बताया गया है कि खड़े होकर अर्घ्य देने के दौरान आपके हाथ सिर से ऊपर होने चाहिए। इस तरह से अर्घ्य देने से मानसिक बीमारियां दूर होने के साथ स्ट्रेस भी कम होता है और मन-मस्तिष्क को शांति मिलती है। वहीं इस तरह की मुद्रा भगवान के चरणों में समर्पित होती है। इसलिए हमेशा खड़े होकर अर्घ्य देना शुभ माना जाता है।

पूरे देश में बहेगी ऋग्वैदिक नदी सरस्वती

पटियाला में बनेगा जलाशय, राजस्थान के गंगानगर से बनेगा 200 किलोमीटर लंबा नदी का ट्रैक

सैंकड़ों साल पुरानी ऋग्वैदिक नदी सरस्वती के पंजाब से नाते को जीवंत करने के लिए पटियाला के सगरा गांव में एक जलाशय का निर्माण किया जाएगा। सरस्वती और घग्गर नदी जिस स्थान पर एक-दूसरे से मिलती हैं, उस जगह बनने वाले इस जलाशय की वजह से भूमिगत जल रिचार्ज तो होगा ही साथ ही पंजाब बरसात के दिनों में आने वाली बाढ़ के प्रकोप से भी बच सकेगा। पंजाब में जलाशय का निर्माण और राजस्थान के श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ से 200 किलोमीटर नदी खुदवाने का काम किया जाएगा ताकि पूरे देश में सरस्वती नदी को प्रवाहित किया जा सके। हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड ने पंजाब सरकार को जलाशय से संबंधित और केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय को 200 किलोमीटर लंबी नदी के निर्माण से संबंधित प्रस्ताव सौंपने का फैसला किया है। सिर्फ इतना ही नहीं हाल ही में सरस्वती नदी पर अध्ययन करने वाली शोधकर्त्ताओं की टीम ने सिरसा से लेकर रन ऑफ कच्छ तक सरस्वती नदी के 2000 किलोमीटर तक के बहाव को ट्रैक करने में भी कामयाबी हासिल की है।

लूनी की सरस्वती नदी की शाखा के तौर पर हो चुकी है पहचान

हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष धुम्मन सिंह किरमिच का कहना है कि सिरसा से लेकर रन ऑफ कच्छ तक सरस्वती नदी बह रही है। सिर्फ 200 किलोमीटर का एक ट्रैक है जिस पर नदी का निर्माण किया जाए तो पूरे देश में सरस्वती नदी को बहते हुए देखा जा सकेगा। राजस्थान के श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ से आगे 200 किलोमीटर की राह पर नदी का निर्माण जरूरी है। 200 किलोमीटर तक नदी बनने के बाद नदी का पानी लूनी नदी में जाकर गिरेगा। लूनी नदी को सरस्वती नदी की ही शाखा कहा जाता है। जयपुर और अजमेर के बीच बहने वाली लूनी नदी राजस्थान को पार करने के बाद गुजरात में जाकर सरस्वती नदी से मिलती है। 200 किलोमीटर नदी का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद पूरे देश में सरस्वती नदी बहने लगेगी। कई विद्वान सरस्वती नदी की पहचान उत्तर पश्चिमी भारत में बहने वाली घग्गर नदी से कर चुके हैं। धुम्मन सिंह किरमिच का कहना है कि पटियाला के सगरा गांव से होते हुए कई गांवों से सरस्वती नदी का ट्रैक है इसलिए सगरा गांव में एक जलाशय का निर्माण भी करवाने की योजना है।

राजस्थान और गुजरात में बहने वाले नदी के ट्रैक को खंगाला

धुम्मन सिंह किरमिच का कहना है कि हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के नदी से जुड़े शोधकर्त्ताओं की टीम ने हाल ही में राजस्थान और गुजरात का दौरा किया। राजस्थान और गुजरात में बहने वाले नदी के ट्रैक को खंगाला। गुजरात के पाटन जिले में सरस्वती नदी के तट पर स्थित रानी का वाव विश्व धरोहर है, जो एक बावड़ी है। इसके निर्माण का श्रेय 11वीं शताब्दी के चौलुक्य राजा भीम प्रथम की पत्नी उदयमती को जाता है, जिसने अपने पति की याद में इसे बनवाया था।

गाद से भरी बावड़ी को वर्ष 1940 के दशक में फिर से खोजा गया।

80 के दशक में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा बावड़ी को बहाल किया गया। वर्ष 2014 में भारत में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों में से एक के रूप में इसको सूचीबद्ध किया गया। माना यह जाता है कि सरस्वती नदी के तट पर यह बावड़ी पानी के संरक्षण के लिए बनवाई गई थी। वाबड़ी को बनाने में करीब 20 साल लगे। आर्कियोलॉजी विभाग की खुदाई में निकाली गाद के बाद बहुत खूबसूरत एक आकृति सामने आई जिसे पुरातत्व विभाग ने सहेजने के बाद इसको हैरिटेज घोषित किया। यूनेस्को ने भी इस धरोहर को विश्व धरोहर घोषित किया। कृति में सभी देवताओं का वर्णन है, भगवान विष्णु जी के अवतारों के चित्र, मां दुर्गा, मां सरस्वती का बहता हुआ स्वरूप बीच में लगा हुआ है। बावड़ी की खास बात यह है कि यह भारतीय करंसी 100 रुपए के नोट पर भी छपी हुई है।

सरस्वती के तट पर करते हैं लोग पिंडदान

धुम्मन सिंह किरमिच का कहना है कि गुजरात में आज भी सरस्वती नदी पूरे प्रवाह में बहती है। मोक्ष प्राप्ति के लिए लोग बड़ी तादाद में इस जगह पर पिंडदान के लिए पहुंचते हैं। पिहोवा में भी सरस्वती नदी के घाट पर लोग पिंडदान करते हैं। सरस्वती नदी को मोक्ष प्रदान करने वाली नदी कहा जाता है। पंजाब में जलाशय, राजस्थान में नदी का ट्रैक बनने के बाद पूरे देश में सरस्वती नदी बहने लगेगी। उनका कहना है कि नदी से जुड़े इतिहास को खंगालने के लिए हर जगह मिट्टी, पत्थर के सैंपल लिए जा चुके हैं और उन सभी सैंपलों को जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजा गया है। रिकॉर्ड कहते हैं कि सरस्वती नदी का उद्गम स्थल उत्तराखंड का बंदरपुच्छ गलेशियर है। वहां से नदी के पेलियो चैनल्स हरियाणा में पाए गए हैं। हरियाणा से पंजाब की तरफ से होते हुए नदी राजस्थान, फिर गुजरात जाती है और वहां से समुद्र में समा जाती है।

- अर्चना सेठी

इस साल कब से शुरू हो रही है माघ गुप्त नवरात्रि?

नवरात्रि को हिंदू धर्म में सबसे पवित्र पर्व माना जाता है। धार्मिक शास्त्रों में कुल चार नवरात्रि का वर्णन है। चैत्र और शारदीय नवरात्रि के अलावा दो गुप्त नवरात्रि भी होती हैं। एक गुप्त नवरात्रि माघ और दूसरी आषाढ़ के महीने में पड़ती है। चैत्र और शारदीय नवरात्रि में सार्वजनिक रूप से मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। वहीं गुप्त नवरात्रि में मां काली और दस महाविद्याओं की पूजा-अर्चना गुप्त तरीके से की जाती है। इस दौरान प्रतिपदा से लेकर नवमी तिथि तक मां के नौ अलग-अलग रूपों की पूजा की जाती है। तंत्र-मंत्र की विद्या और साधना के लिए गुप्त नवरात्रि का विशेष महत्व होता है। ऐसे में चलिए जानते हैं इस साल माघ गुप्त नवरात्रि की शुरुआत कब से हो रही है...

कब से शुरू हो रही है माघ गुप्त नवरात्रि 2024?

माघ मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक गुप्त नवरात्रि मनाई जाती है। पंचाग के अनुसार इस साल माघ गुप्त नवरात्रि की शुरुआत 10 फरवरी 2024 दिन शनिवार से हो रही है। वहीं इसका समापन 18 फरवरी 2024 दिन रविवार को होगा।

माघ गुप्त नवरात्रि की घटस्थापना मुहूर्त

माघ गुप्त नवरात्रि प्रतिपदा तिथि- 10 फरवरी 2024 दिन शनिवार की सुबह 04 बजकर 28 मिनट से 11 फरवरी दिन रविवार की रात्रि 12 बजकर 47 मिनट तक।

घटस्थापना शुभ मुहूर्त- 10 फरवरी 2024 दिन शनिवार की सुबह 08 बजकर 45 मिनट से लेकर सुबह 10 बजकर 10 मिनट तक (कुल अवधि 1 घंटा 25 मिनट)।

गुप्त नवरात्रि में इन 10 महाविद्याओं की होती है साधना

मां काली, मां तारा, मां त्रिपुर सुंदरी, मां भुवनेश्वरी, मां छिन्नमस्ता, मां त्रिपुर भैरवी, मां धूमावती, मां बगलामुखी, मां मातंगी, मां कमला

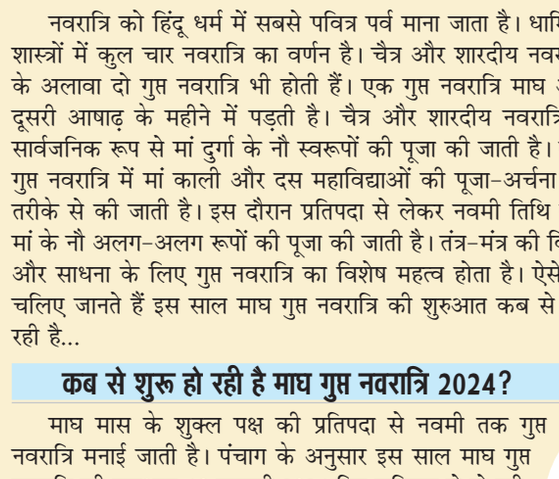

प्रभु श्रीराम के जीवन की साक्षी रही है सरयू नदी, पाप और अशुद्धियों को करती है दूर

देश में गंगा, यमुना, गोदावरी और नर्मदा जैसी पवित्र नदियों का अपना महत्व है। तो वहीं सरयू नदी प्रभु श्रीराम के वनवास काल से लेकर उनकी अयोध्या वापसी और बैकुंठगमन तक साक्षी बनी। नदियों की बात की जाए तो सरयू नदी का अपना अलग इतिहास, पहचान व महत्व रहा है। सरयू नदी का नाम सुनते ही मन प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या पहुंच जाता है। ऐसे में एक बार फिर सरयू नदी अयोध्या के राम मंदिर की साक्षी बन रही है। तो आइए जानते हैं भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या से सरयू नदी का संबंध और इसका महत्व

सरयू का योगदान

हिंदू पौराणिक कथाओं के मुताबिक सरयू नदी किसी भी नदी की सहायक नदी नहीं है। पौराणिक ग्रंथ रामायण

में सरयू नदी का उल्लेख मिलता है। उत्तर प्रदेश की अयोध्या नगरी से यह नदी होकर बहती है। अयोध्या को भगवान श्रीराम की नगरी भी कहा जाता है। वहीं अयोध्या की भूमि को उपजाऊ बनाने में भी सरयू नदी का काफी योगदान है। वास्तव में सरयू नदी से अयोध्या काफी समृद्ध है। इसके अलावा अयोध्या एक पर्यटन स्थल के रूप में भी सामने आया है। ऐसे में सरयू नदी के तट पर बसी श्री राम की नगरी अयोध्या में कई पर्यटक स्थल हैं।

सरयू का उल्लेख

ऋग्वेद में सरयू नदी का उल्लेख मिलता है। सरयू नदी अयोध्या शहर के पास बहती थी। श्रीराम को भगवान श्रीहरि विष्णु का सातवां अवतार माना जाता है। पौराणिक कथाओं में इस घटना का भी उल्लेख मिलता है कि राजा दशरथ द्वारा सरयू नदी के तट पर दुर्घटनावश श्रवण कुमार की हत्या कर दी गई थी। साथ ही यह भी कहा जाता है कि धरती के नीचे बहने वाली यह एकमात्र नदी है। अयोध्या में बहने वाली यह पवित्र नदी शहर की अशुद्धियों और पापों को धोती है। कई धार्मिक मौकों पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु सरयू नदी में डुबकी लगाते हैं।

सरयू के पास हैं कई पवित्र स्थल

वैसे तो अयोध्या में सरयू नदी के तट पर घूमने के लिए काफी कुछ है। हजारों-लाखों की संख्या में पर्यटक पूरे साल अयोध्या घूमने के लिए आते हैं।

राम जन्मभूमि

अयोध्या प्रांत के सबसे शानदार और सबसे प्रसिद्ध पर्यटक आकर्षण सह तीर्थ स्थलों में प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली है। अयोध्या में राम जन्मभूमि में भारत का सबसे बड़ा राम मंदिर बनाया जा रहा है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, अयोध्या हिंदूओं की पवित्र भूमि मानी जाती है।

हनुमान गढ़ी मंदिर

अयोध्या में राम मंदिर के बाद अगला सबसे अहम मंदिर हनुमान गढ़ी है। यह शहर के सबसे ऊंचे टीले पर स्थित है। यहां से आप अयोध्या के कुछ बेहतरीन दृश्यों का आनंद ले सकते हैं। इसके अलावा ऐसा भी माना जाता है कि भगवान श्रीराम के दौरान इस स्थान पर उनके परम भक्त हनुमान का घर भी हुआ करता है। भारत की सबसे प्रमुख नदियों में शामिल सरयू नदी अपने आप में कई विविधताओं को समेटे हुए है।

गोस्वामीजी ने श्रीराम चरितमानस में दुष्टों की ऐसी महिमा क्यों गाई है

गोस्वामी जी जब श्रीराम चरितमानस की पावन रचना करते हैं, तो वे केवल संतों, अवतारों एवं त्रिदेवों की ही महिमा नहीं गाते, अपितु ऐसे पात्रों की भी वंदना करते हैं, जिसे कोई भी रचनाकार नहीं करना चाहेगा। जी हाँ! गोस्वामी जी 'खल वंदना' में दुष्टों व खल वृति के जीवों की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हैं-

'बहुरि बंदि खल गन सतिभाएँ।
जे बिनु काज दाहिनेहु बाएँ।।
पर हित हाति लाभ जिन्ह केरें।
उजरें हरष बिषाद बसेरें।।'

गोस्वामी जी कहते हैं, कि मैं अब सच्चे भाव से दुष्टों को प्रणाम करता हुँ, जो बिना ही प्रयोजन अपना हित करने वालों के भी प्रतिकूल आचनण करते हैं। दूसरों के हित की हानि ही जिनकी दृष्टि में लाभ है। जिनको दूसरों के उजड़ने में हर्ष व बसने में विषाद होता है। मैं उन्हें प्रणाम करता हूं। सज्जनों सोच कर देखिए! गोस्वामी जी ने दुष्टों की ऐसी महिमा क्यों गाई है। अभी तो आप आगे की चौपाईयों को ध्यान पूर्वक पड़ेंगे, तो आप पायेंगे, कि वे ऐसी सुंदर शब्दावली का प्रयोग तो, देवता गणों की महिमा में भी नहीं करते, जितने सलीके से खल वंदना में करते हैं। इसके पीछे क्या कारण है? दरअसल वे खल वंदना तो कर ही नहीं सकते। क्योंकि जिन्होंने श्रीहरि की भक्ति को पा लिया है, उनके मुख से किसी और की प्रशंसा हो ही नहीं सकती। चलो माना कि किसी देव अथवा सभ्य मानव की प्रशंसा हो गई। लेकिन किसी राक्षस अथवा दुष्ट की प्रशंसा तो उनके मुख से हो ही नहीं सकती। लेकिन तब भी गोस्वामी जी द्वारा रचित खल वंदना तो दुष्टों के महिमा गान से ही भरी पड़ी है। प्रश्न उठता है, कि गोस्वामी जी को ऐसी क्या मज़बूरी आन पड़ी थी, कि वे खल वंदना करते हैं?

गोस्वमी जी का सोचना बिलकुल उचित भी है। क्योंकि आप ने भी बड़े बजुर्गों को हमें समझाते हुए सुना होगा, कि बुरे लोगों के मुँह नहीं लगना चाहिए। कारण कि दुष्टों के साथ अगर हम उलझते हैं, तो इसका परिणाम कभी भी सुखद नहीं होता है। मान लीजिए, कि स्वर्ण और पीतल आपस में लड़ने बैठ जायें। पीतल कहे, कि मैं अधिक श्रेष्ठ हूँ और स्वर्ण कहे पूरे संसार में जाकर पूछ लो, कि मेरा तुम्हारे वनस्पति क्या मूल्य है? हालाँकि पीतल को भी पता तो है ही, कि मेरी स्वर्ण के समक्ष कोई कीमत नहीं है। लेकिन स्वर्ण से झगड़ा करने में, कम से कम यह उपलब्धि तो है ही, कि एक अच्छी खासी दर्शक मंडली देखने को तैयार रहती है। ऐसी दर्शक मंडली को मुफ्त में एक नाटक देखने को मिल जाता है। भले ही दर्शक मंडली को भी पता तो होता ही है, कि जीत तो स्वर्ण की ही होनी है, लेकिन तमाशा बनते देख उन्हें एक अलग ही प्रकार का सुकून प्राप्त होता है। लेकिन इस संपूर्ण घटनाक्रम घट जाने के पश्चात पीतल का क्या गया। उसकी कीमत तो उतनी ही रही, जितनी रहनी थी। लेकिन उस स्वर्ण को जा घाटा हुआ, वह उस घाटे का हकदार नहीं था। घाटा यह, कि जितना समय उस स्वर्ण ने उस पीतल से झगड़ने में लगाया, उतना समय अगर उसका स्वयं को संवरने में लगता, तो हो सकता है, कि उस समय उसपे किसी रानी अथवा राजे की दृष्टि पड़ जाती, और वह दूसरे ही पल रानी के गले में, अथवा राजे के मुकुट पर होता। लेकिन उस पीतल के साथ उलझने में ही उसका सारा समय निकल गया। विचारणीय है, कि समय तो सभी को सीमित ही मिला है न? उस पीतल अथवा स्वर्ण की तो हो सकता है, कि समय की अथाह सीमा पड़ी हो, लेकिन गोस्वमी जी तो मानव हैं। मानव को तो श्वासों के आधार पर ही जीवन मिलता है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

आदिवासी विधायकों ने गृह मंत्री शाह को लिखी चिट्ठी

इंफाल। मणिपुर के दस आदिवासी विधायकों ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह को एक चिट्ठी लिखी। उन्होंने गृह मंत्री से उन अधिकारियों को सेवाओं में बहाल करने का अनुरोध किया, जिन्हें स्कूलों को सीबीएसई संबद्धता प्राप्त करने में मदद करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। इनमें चुराचांदपुर और कांगपोकपी जिलों के 26 स्कूल शामिल थे। अपनी चिट्ठी में आदिवासी विधायकों ने अमित शाह से राज्य सरकार को तीनों अधिकारियों के निलंबन को खारिज करने के निर्देश जारी करने की अपील की है। इन सभी विधायकों में सात भाजपा के हैं। उन्होंने दावा किया कि मणिपुर में जतीय हिंसा के बाद सीबीएसई संबद्धता प्राप्त करने के लिए 26 स्कूलों को अनापत्ति प्रमाण (एनओसी) पत्र जारी करने के लिए राज्य शिक्षा विभाग के कुकी-जोमी अधिकारियों को राज्य सरकार ने निलंबित कर दिया था। विधायकों ने इसके साथ ही स्कूलों में सीबीएससी संबद्धता बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने की भी मांग की है।

एफआईआर रद्द करने चंद्रबाबू की याचिका पर जज एकमत नहीं

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू की याचिका पर अब चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ सुनवाई करेंगे। दरअसल दो जजों की पीठ ने याचिका पर अलग-अलग फैसला दिया। जिसके बाद पीठ ने इस मामले को मुख्य न्यायाधीश के पास भेज दिया है। याचिका में पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू ने स्किल डेवलेपमेंट घोटाले के मामले में उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की है। याचिका पर सुनवाई के बाद जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस बेला त्रिवेदी की पीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। आज जब पीठ ने फैसला सुनाया तो दोनों जजों ने अलग-अलग फैसला दिया और उनके फैसले में सहमति नहीं बन पाई। जिसके बाद पीठ ने इस मामले को मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के पास भेज दिया है। जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस बेला त्रिवेदी की पीठ पीसी एक्ट की धारा 17ए के लागू होने को लेकर सहमत नहीं हो सकी।

हेमंत सोरेन 20 को ईडी के सामने दर्ज कराएंगे बयान

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भूमि घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय की जांच में शामिल होने के लिए सहमत हो गए हैं। एजेंसी के 8वें समन का जवाब देते हुए सीएम ने ईडी को पत्र लिखकर कहा है कि वह 20 जनवरी को उनके आधिकारिक आवास पर अपना बयान दर्ज कर सकते हैं। चूंकि रांची में भूमि घोटाला मामले में आरोपों का सामना कर रहे सोरेन ने 31 दिसंबर, 2023 की समय सीमा तक प्रवर्तन एजेंसी के सातवें और आखिरी समन का जवाब नहीं दिया, इसलिए जांच में असहयोग को लेकर ईडी उनकी गिरफ्तारी के लिए अदालत से वारंट मांग सकती है। इस घटनाक्रम के बाद अटकलें लगाई जा रही थीं कि सोरेन सीएम पद से इस्तीफा दे सकते हैं और नए सीएम के रूप में कार्यभार संभालने की संभावना पर उनकी पत्नी कल्पना सोरेन का नाम राज्य के राजनीतिक गलियारों में सामने आया।

सुप्रीम कोर्ट से आप सांसद संजय सिंह को राहत

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शैक्षणिक डिग्री पर टिप्पणी को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह के खिलाफ गुजरात की एक अदालत में लंबित आपराधिक मानहानि की कार्यवाही पर मंगलवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने मुकदमे को गुजरात से बाहर स्थानांतरित करने के सिंह के अनुरोध पर विचार करने से इनकार करते हुए यह आदेश पारित किया। इसमें कहा गया है उच्च न्यायालय से रोक की अपील या कम से कम अंतरिम राहत की प्रार्थना पर चार सप्ताह के भीतर सुनवाई करने का अनुरोध करें। जब तक उच्च न्यायालय अंतरिम राहत देने या इनकार करने पर निर्णय नहीं लेता, तब तक ट्रायल कोर्ट में कार्यवाही पर रोक रहेगी। मानहानि मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी आरोपी बनाया गया है।

ओवैसी ने केजरीवाल को बताया भाजपा का छोटा रिचार्ज

हैदराबाद। आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में सुंदर कांड पाठ कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा के बाद, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर कटाक्ष किया और उन्हें आरएसएस का छोटा रिचार्ज बताया। एक्स को संबोधित करते हुए, ओवैसी ने कहा कि आरएसएस के छोटे रिचार्ज ने फैसला किया है कि हर महीने के पहले मंगलवार को दिल्ली के हर विधानसभा क्षेत्र में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। 22 जनवरी को उद्घाटन के कारण यह निर्णय लिया गया। ओवैसी ने बिलकिस बानो के मुद्दे पर चुप्पी बनाए रखने के लिए आप के राष्ट्रीय संयोजक की आलोचना की और कहा कि वे केवल शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर बात करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं आपको याद दिला दूं कि इन लोगों ने बिलकिस बानो के मुद्दे पर चुप्पी साध ली थी।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा : नागालैंड में बोले राहुल गांधी

राम मंदिर समारोह मोदी और आरएसएस का इवेंट

कोहिमा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान नागालैंड की राजधानी कोहिमा में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। राहुल गांधी ने इस दौरान सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने पहली बार राम मंदिर पर बात की है। उन्होंने कहा कि आरएसएस और बीजेपी ने 22 जनवरी के समारोह को पूरी तरह से राजनीतिक नरेंद्र मोदी समारोह बना दिया है। यह आरएसएस-बीजेपी का कार्यक्रम है और मुझे लगता है कि इसीलिए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वह इस समारोह में नहीं जाएंगे। हम सभी धर्मों, सभी प्रथाओं के लिए खुले हैं। यहां तक कि हिंदू धर्म के सबसे बड़े अधिकारियों ने भी 22 जनवरी के समारोह के बारे में अपनी राय सार्वजनिक कर दी है कि वे 22 जनवरी के समारोह के बारे में क्या सोचते हैं कि यह एक राजनीतिक समारोह है। इसलिए हमारे लिए ऐसे राजनीतिक समारोह में जाना मुश्किल है जो भारत के प्रधान मंत्री के इर्द-गिर्द बनाया गया हो और आरएसएस के इर्द-गिर्द बनाया गया हो।

आपको बता दें कि कांग्रेस ने राम मंदिर समारोह के लिए मिले निमंत्रण को ठुकरा दिया है। इसके बाद से भाजपा कांग्रेस पर जमकर निशाना साध रही है। उन्होंने कहा कि यह भारत जोड़ो न्याय यात्रा है। इसका लक्ष्य सामाजिक न्याय, आर्थिक न्याय और राजनीतिक न्याय जैसे मुद्दों को उठाना है। हमने मणिपुर से शुरुआत की, इसके पीछे एक सोच थी कि मणिपुर के साथ घोर अन्याय हुआ है। पहली बार, भारत के किसी राज्य में महीनों तक हिंसा होती रही और प्रधानमंत्री और भाजपा के लोग वहां देखने तक नहीं गए। फिर हम नागालैंड गए। पीएम ने नागालैंड के लोगों से भी प्रतिबद्धता जताई थी। वह प्रतिबद्धता भी पूरी नहीं हुई।

राहुल गांधी ने कहा कि मैं चाहता था कि यह पैदल यात्रा हो। लेकिन वो बहुत लंबा हो गया होगा और ज्यादा समय नहीं था। तो, यह एक मिश्रित यात्रा है। उन्होंने कहा कि मैं कई नागा नेताओं से बात कर रहा हूं और वे इस बात से हैरान हैं कि कोई प्रगति क्यों नहीं हुई। हम इस बारे में भी स्पष्ट नहीं हैं कि समाधान के संदर्भ में प्रधान मंत्री ने क्या कल्पना की है। यह एक सतही दस्तावेज़ है...यह स्पष्ट नहीं है कि वास्तव में उनका क्या मतलब है...स्पष्ट रूप से, एक समस्या है जिसके समाधान की आवश्यकता है और

यह एक ऐसी समस्या है जिसके लिए बातचीत की आवश्यकता होगी, एक-दूसरे को सुनना और समाधान लागू करने पर काम करना होगा।

कांग्रेस नेता ने कहा कि जहां तक प्रधानमंत्री का सवाल है, इसमें कमी है...मुझे यह समझ में आता है कि प्रधानमंत्री चीजों पर बिना सोचे-समझे वादे कर देते हैं...मुझे यह समझ में आता है कि लोग इस बात से परेशान हैं कि प्रधानमंत्री की विश्वसनीयता दांव पर है और 9 साल के लिए कुछ नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप एक छोटा राज्य हैं, आपको देश के अन्य सभी लोगों के बराबर होना चाहिए। यही भारत जोड़ो न्याय यात्रा का विचार है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आज अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तीसरे दिन कोहिमा युद्ध कब्रिस्तान का दौरा किया। राहुल ने कहा कि पिछले साल, हमने देश को, अलग-अलग संस्कृतियों, अलग-अलग धर्मों, अलग-अलग भाषाओं को एक साथ लाने के लिए कन्याकुमारी से कश्मीर तक (भारत जोड़ो) यात्रा की थी और हमारा विचार था कि हमें पूर्व से पश्चिम तक एक यात्रा करनी चाहिए। राहुल ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि लोगों को न्याय देना, राजनीति, समाज और आर्थिक संरचना को सभी के लिए अधिक समान और सुलभ बनाना।

राहुल गांधी के न्याय यात्रा पर स्मृति ईरानी का तंज

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस की चल रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सबसे पुरानी पार्टी अपने वंश को बचाने के लिए आगे बढ़ रही है, जबकि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी अपनी सरकार की नीतियों के माध्यम से लोगों के लिए समृद्धि सुनिश्चित कर रहे हैं। अरअसल, स्मृति ईरानी स्विट्जरलैंड के दावोस में 54वें विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के मौके पर इंडिया टुडे टीवी के साथ एक विशेष साक्षात्कार में बोल रही थीं। स्मृति ईरानी ने लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा की संभावनाओं पर कांग्रेस नेता शशि थरूर और अधीर रंजन चौधरी के बयानों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि तथ्य यह है कि अधीर रंजन चौधरी इतने स्पष्ट रूप से कह रहे थे कि वे मोदी जादू से नहीं लड़ सकते और शशि थरूर का यह स्वीकार करना कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी होगी, मुझे लगता है कि उनके लिए यह सब लिखा जा चुका है। हाल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और इंडिया गुट को भारी हार का सामना करना पड़ा। इसलिए, जब वे वंशवाद के लिए आगे बढ़ते हैं, तो पीएम मोदी सभी की समृद्धि के लिए आगे बढ़ते हैं। केंद्रीय मंत्रियों स्मृति ईरानी और हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को स्विट्जरलैंड के दावोस में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत महिला केंद्रित विकास से महिला नेतृत्व वाले विकास की ओर बढ़ गया है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के मौके पर यहां 'महिला नेतृत्व' या 'वी लीड लाउंज' का उद्घाटन करने के बाद ईरानी ने कहा कि इस लाउंज और दावोस की मुख्य 'प्रोमेनेड स्ट्रीट' पर भारतीयों की भारी उपस्थिति को देखकर उन्हें बेहद संतुष्टि मिलती है। इस लाउंज की स्थापना ईरानी की अगुवाई वाले महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 'बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन' और उद्योग चैंबर 'सीआईआई' के सहयोग से की है। ईरानी ने कहा कि मोदी सरकार ने आवास और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से देश में महिलाओं के नेतृत्व में विकास सुनिश्चित किया है। इसी कार्यक्रम में, आवास और पेट्रोलियम मंत्री पुरी ने कहा कि वह अपनी मंत्रिमंडल सहयोगी से पूरी तरह सहमत हैं कि भारत महिला केंद्रित विकास मॉडल की ओर बढ़ गया है।

भारत के विकसित राष्ट्र बनने के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण जरूरी : मुर्मू

राष्ट्रपति ने स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के साथ बातचीत की

नईदिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि देश के 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के सपने को साकार करने के लिए सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और आध्यात्मिक क्षेत्रों में महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यक है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि महिला नीत विकास का विचार तभी लागू किया जा सकता है जब महिलाओं को अपनी पसंद के अनुसार चयन करने की स्वतंत्रता मिले। उन्होंने कहा कि आर्थिक स्वतंत्रता के साथ, यह कुछ हद तक संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने मेघालय के तुरा में बलजेक हवाई अड्डे पर, स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के साथ बातचीत की।

उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''देश के वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के सपने को साकार करने के लिए सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और आध्यात्मिक क्षेत्रों में महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यक है।'' मुर्मू ने कहा कि देश की महिलाएं अपनी पहचान बना रही हैं और प्रत्येक क्षेत्र में अन्य महिलाओं के लिए मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। चाहे वह क्षेत्र रक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, खेल, शिक्षा, उद्यमिता, कृषि या कोई भी अन्य क्षेत्र हो। महिलाओं को केवल कुछ प्रेरक शब्दों, प्रोत्साहन और अच्छे कार्यों पर सराहना की आवश्यकता होती है।'' राष्ट्रपति ने स्वयं-सहायता समूहों के सदस्यों से कहा कि वे विकास के मार्ग पर आगे बढ़ते रहें और अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ाएं।

उन्होंने कहा कि यह अकेले उनकी यात्रा नहीं है, बल्कि हमारे देश में बड़ी संख्या में महिलाओं की यात्रा है, जिन्हें अभी भी अपने घरों की चारदीवारी से परे अवसरों का पता लगना बाकी है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने क्षेत्र और देश की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बनना चाहिए। इस मौके पर मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने कहा, हम हमारे राज्य के पहले दौरे के लिए हमारी आदरणीय राष्ट्रपति के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। देश की पहली आदिवासी राष्ट्रपति होने के नाते, यह वास्तव में हम सब के लिए एक बहुत ही विशेष क्षण है।'' संगमा ने कहा कि जब उन्होंने 2018 में सरकार संभाली तो मेघालय में ''हमारे यहां 4,600 से भी कम स्वयं सहायता समूह थे।

5-6 वर्षों में, हम समूहों की संख्या को लगभग 45,000 तक बढ़ाने में सक्षम हुए हैं। आज, प्रत्येक ग्रामीण परिवार की लगभग एक महिला किसी न किसी स्वयं सहायता समूह का हिस्सा है। हमारी सरकार योजना-आधारित विकास में विश्वास नहीं करती है। हम मेघालय के युवाओं, महिलाओं और किसानों के लिए हितधारक-आधारित दृष्टिकोण, एक उद्देश्य-संचालित दृष्टिकोण में विश्वास करते हैं।'' बलजेक हवाई अड्डे पर कार्यक्रम के बाद, राष्ट्रपति शिलांग पीक रोपवे परियोजना की आधारशिला रखने और अन्य प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करने के लिए शिलांग के लिए रवाना हो गईं।

खेल
प्रमुख समाचार

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत का तीसरा टी20 आज

बेंगलुरु। सीरीज जीत चुकी भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ बुधवार को तीसरे और आखिरी टी20 मैच में इस लय को बरकरार रखते हुए 'क्लीन स्वीप' के इरादे से उतरेगी और कप्तान रोहित शर्मा के फॉर्म में लौटने की भी उम्मीद कर रही होगी।

जून में होने वाले विश्व कप से पहले यह भारत का आखिरी टी20 मैच है । मोहाली और इंदौर में मिली जीत के बाद टीम प्रबंधन कोई कोताही बरतना नहीं चाहेगा । दोनों मैचों में छह विकेट से मिली जीत में पहली ही गेंद से आक्रमण की भारत की रणनीति अहम रही । भारत ने पहले मैच में 159 रन का लक्ष्य 17.3 ओवर में और दूसरे में 173 रन का लक्ष्य 15.4 ओवर में हासिल कर लिया ।

इससे पहले टी20 में भारतीय टीम शुरू में सावधानी से खेलकर आखिरी ओवरों में हाथ खोलने की रणनीति अपनाती आई है । लेकिन अब बल्लेबाज पहली गेंद से ही आक्रामक खेल रहे हैं और शिवम दुबे तथा विराट कोहली ने इसकी बानगी पेश की ।

करीब 14 महीने बाद पहला टी20 खेल रहे कोहली ने इंदौर में 16 गेंद में 29 रन बनाये । उन्होंने अफगानिस्तान के स्पिनर मुजीबुर रहमान का बखूबी सामना किया और उनकी सात गेंदों में 18 रन बनाये । आम तौर पर कोहली स्पिनरों के खिलाफ धीमा खेलते हैं लेकिन इस मैच में उलटा देखने को मिला ।

वहीं दुबे पिछले साल डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिये तीन साल बाद भारतीय टीम में लौटे । उसके बाद उन्होंने एशियाई खेलों में भाग लिया लेकिन आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम में जगह नहीं मिली । अपने स्टार स्पिनर राशिद खान के बिना खेल रही अफगानिस्तान के खिलाफ उन्होंने दो आक्रामक अर्धशतक लगाये ।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 200 अंक टूटा निफ्टी 22,032 पर बंद

नईदिल्ली। पिछले कुछ ट्रेडिंग सेशन में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को पिछले 5 ट्रेडिंग सेशन से जारी तेजी पर ब्रेक लग गयी। वैश्विक बाजारों में गिरावट के रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस, टीसीएस और एचसीएल टेक समेत चुनिंदा दिग्गज कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली के चलते बाजार गिरकर बंद हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज अपने पिछले बंद भाव 73,327.94 के मुकाबले 73,331.95 अंक पर लगभग सपाट खुला और उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 199.17 अंक या 0.27 प्रतिशत की गिरावट लेकर 73,128.77 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 65.15 अंक या 0.29 फीसदी के नुकसान के साथ 22,032.30 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 21,969.80 अंक के स्तर तक फिसल गया था।

गन्ने के रस से बने शीरा के निर्यात पर 50 प्रतिशत शुल्क

नईदिल्ली। केंद्र सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। सरकार ने 18 जनवरी से शराब उत्पादन के लिए कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल होने वाले गन्ने के रस से बने शीरा के निर्यात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। वित्त मंत्रालय की एक अधिसूचना में कहा गया है कि चीनी के निष्कर्षण या शोधन से उत्पन्न गुड़ पर 50 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगेगा। वित्त मंत्रालय ने कच्चे और परिष्कृत खाद्य तेलों पाम, सोयाबीन और सूरजमुखी के आयात पर मौजूदा रियायती शुल्क दरों को एक साल के लिए 31 मार्च, 2025 तक बढ़ा दिया है। पिछले साल जून में रिफाइंड सोयाबीन तेल और सूरजमुखी तेल पर मूल आयात शुल्क 17.5 प्रतिशत से घटाकर 12.5 प्रतिशत कर दिया गया था। भारत मुख्य रूप से इंडोनेशिया और मलेशिया से पाम तेल और अर्जेंटीना से सोयाबीन सहित थोड़ी मात्रा में कच्चे नरम तेल का आयात करता है।

लिथियम की खोज और खनन के लिए अर्जेंटीना के साथ करार

नई दिल्ली। भारत सरकार ने अर्जेंटीना की सरकार के साथ लिथियम की खोज और खनन के लिए एक करार पर हस्ताक्षर किए हैं। पर्यावरण हितैषी भविष्य की दिशा में बदलाव के लिए लिथियम बेहद जरूरी है। चिली और बोलिविया के अलावा अर्जेंटीना में लिथियम का बड़ा भंडार है। दुनिया में कुल लिथियम भंडार का आधा हिस्सा इन तीन देशों के पास ही है। मोबाइल फोन की रिचार्ज होने वाली बैटरी, इलेक्ट्रिक वाहनों, लैपटॉप और डिजिटल कैमरा आदि की बैट्रियों में लिथियम का ही इस्तेमाल किया जाता है। भारत की तरफ से इस करार पर हस्ताक्षर खनिज बिदेश इंडिया लिमिटेड और अर्जेंटीना की तरफ से कैटामार्का प्रांत की सरकारी कंपनी ने किए। इस दौरान कैटामार्का प्रांत के गवर्नर और उप-गवर्नर मौजूद रहे। दोनों पक्षों में करार की इस प्रक्रिया में वर्चुअल तरीके से केंद्रीय खनन मंत्री प्रहलाद जोशी और खनन मंत्रालय के सचिव वीएल कांता राव भी मौजूद रहे।

महंगी हुई मारुति सुजुकी की गाड़ियां

नईदिल्ली। मारुति सुजुकी की गाड़ियां खरीदने के लिए अब लोगों को ज्यादा पैसे देने होंगे। कंपनी ने अपने वाहनों की कीमतों को बढ़ाने का फैसला किया है। इंडिया ने अपने वाहनों की कीमतें तत्काल प्रभाव से बढ़ाने की मंगलवार को घोषणा की। मोटर वाहन निर्माता ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि सभी मॉडलों में वृद्धि का अनुमानित भारित औसत 0.45 प्रतिशत है। कंपनी के अनुसार, नई कीमतें 16 जनवरी 2024 से लागू होंगी। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ऑल्टो से लेकर इनविक्टो तक कारों की एक श्रृंखला बेचती है। इनकी कीमत 3.54 से 28.42 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच है।

छोटे आयकरदाताओं व मध्यवर्ग को मिलेगी राहत; अंतरिम बजट से उम्मीदें

जयंतीलाल भंडारी

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा एक फरवरी को पेश किए जाने वाले अंतरिम बजट को फिलहाल अंतिम रूप दिया जा रहा है। जिस साल लोकसभा चुनाव होते हैं, उस वर्ष दो बजट आते हैं, अंतरिम बजट और पूर्ण बजट। सामान्यतया अंतरिम बजट में नई सरकार बनने तक की व्यय जरूरतें पूरी करने का उद्देश्य होता है।

वित्तमंत्री ने कहा है कि अंतरिम बजट लेखानुदान होगा। पूर्ण बजट के आगामी जुलाई में आने की संभावना है। अंतरिम बजट में लोकलुभावन योजनाओं को शामिल नहीं किया जाएगा। पर लोकसभा चुनाव के मद्देनजर वित्तमंत्री कुछ जरूरी राहत दे सकती हैं। वर्ष 2019 के अंतरिम बजट में भी किसान सम्मान निधि व आयकर राहत देने के लिए जरूरी प्रावधान किए गए थे। चूंकि विगत दिसंबर में राज्यों के उत्साहजनक चुनावी नतीजों में कल्याणकारी योजनाओं की भूमिका थी, ऐसे में, वित्तमंत्री आमजन के हितार्थ कुछ महत्वपूर्ण सामाजिक व आर्थिक कल्याण की योजनाओं के साथ छोटे आयकरदाताओं व मध्यवर्ग को राहत देने के लिए कुछ जरूरी प्रावधान कर सकती हैं।

वेतनभोगी वर्ग के लाखों छोटे आयकरदाताओं व मध्यवर्ग की शिकायत है कि चालू वित्त वर्ष के बजट में उन्हें टैक्स संबंधी राहत नहीं मिली। ऐसे में, अब महंगाई वृद्धि के कारण उन्हें कुछ आयकर राहत की अपेक्षा है। राहत देने के लिए अनुकूल आधार भी हैं। हाल ही में एसबीआई की रिसर्च विंग की रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2014 से 2022 के दौरान रिटर्न भरने वाले आयकरदाताओं की संख्या और आयकर प्राप्ति में भारी वृद्धि हुई है। विगत 31 दिसंबर तक आयकर रिटर्न रिकॉर्ड 8.18 करोड़ का स्तर पार कर चुका था। पिछले आठ साल में आयकर रिटर्न भरने वाले दोगुने हुए हैं और आय की असमानता में भी कमी आई है। वित्त वर्ष 2014 से 2022 के दौरान व्यक्तिगत आय असमानता 0.472 प्रतिशत से घटकर 0.402 फीसदी रह गई। इस दौरान 3.5 लाख रुपये के कम आय वाले समूह से 36.3 फीसदी लोग उच्च आय वाले समूह में शामिल हुए। पिछले एक दशक से आयकर कानून में सुधार से आयकरदाताओं को सुविधा तो मिली ही, उनकी संख्या बढ़ाने में भी मदद मिली। इन सुधारों में करदाताओं के लिए पहचान रहित अपील व्यवस्था, करदाता चार्टर और पहचान रहित समीक्षा (फेसलेस असेसमेंट) जैसे बड़े आयकर सुधार प्रमुख हैं। ऐसे ही नॉन फाइलर्स, मॉनिटरिंग सिस्टम (एनएमए) के जरिये ऐसे लोगों की पहचान

की जाती है, जिन्होंने हाई वैल्यू ट्रांजेक्शन किया, पर आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया।

आयकर विभाग ने आय व लेन-देन के आधार पर प्रोजेक्ट इनसाइट भी लॉन्च किया है, जिसका लक्ष्य स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देना, गैर-अनुपालन को रोकना और लोगों को कर देने के लिए प्रेरित करना है। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों का सामना करते हुए देश की वित्तीय सेहत अच्छी है। आयकर व जीएसटी का रिकॉर्ड स्तर पर संग्रहण हुआ है। राजकोषीय घाटे को बजट लक्ष्य के मुताबिक जीडीपी के 5.9 तक नियंत्रित रखा गया है। वेतनभोगी वर्ग द्वारा अंतरिम बजट में राहत की अपेक्षा इसलिए भी न्यायसंगत है, क्योंकि वे ईमानदारीपूर्वक पेशेवरों व कारोबारी करदाताओं के वर्ग से ज्यादा आयकर चुकाते हैं। असंगठित या अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत लोग या तो आयकर न देने का प्रयास करते हैं या बहुत कम आयकर देते हैं। वर्ष 2022-23 में सिर्फ 2.24 करोड़ लोगों ने आयकर दिया। यानी कुल आबादी के 1.60 फीसदी लोग ही आयकरदाता हैं। शून्य आयकर देयता वाले आईटी रिटर्न की संख्या भी बढ़कर 2022-23 में 5.16 करोड़ हो गई। इनमें अधिकांश रिटर्न वे हैं, जो उद्योग-कारोबार व पेशेवर आयकरदाताओं से संबंधित हैं। ऐसे में, आयकर न देने वाले और कम कर देने वाले लोगों की आमदनी का सही मूल्यांकन कर और उन्हें चिह्नित कर अपेक्षित आयकर चुकाने के लिए बाध्य किए जाने संबंधी कर सुधार भी अंतरिम बजट में अपेक्षित हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि वित्तमंत्री अंतरिम बजट प्रस्तुत करते हुए छोटे आयकरदाताओं व मध्यवर्ग को राहत देंगी।

छग हाईकोर्ट में राज्य शासन की ओर से पैरवी के लिए अतिरिक्त महाधिवक्ता सहित अन्य अधिवक्ताओं की हुई नियुक्ति

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन विधि एवं विधायी कार्य विभाग द्वारा आदेश जारी कर छत्तीसगढ़ शासन की ओर से छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर में पैरवी के लिए अतिरिक्त महाधिवक्ता, उप महाधिवक्ता, शासकीय अधिवक्ता, उप शासकीय अधिवक्ता और पैनल लॉयर की नियुक्ति कर दी गई है। इनका कार्यकाल कार्यभार ग्रहण के दिनांक से दो वर्षों के लिए होगा। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ शासन विधि एवं विधायी कार्य विभाग द्वारा 15 जनवरी 2024 को आदेश जारी कर पूर्व में नियुक्त अतिरिक्त महाधिवक्ता, उप महाधिवक्ता, शासकीय अधिवक्ता, उप शासकीय अधिवक्ता और पैनल लॉयर की सेवाएं समाप्त कर दी गई थी। विधि विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार अतिरिक्त महाधिवक्ता के लिए वाय.एस. ठाकुर, रणवीर सिंह मरहास, राजकुमार गुप्ता, आशीष शुक्ला, बी.डी. गुरू, विवेक शर्मा, सुनील काले, उप महाधिवक्ता के लिए प्रवीण दास, विनय पाण्डेय, यू.के.एस. चंदेल, संजीव पाण्डेय,

शशांक ठाकुर, नीरज शर्मा, डॉ. सौरभ कुमार पाण्डेय की नियुक्ति की गई है। इसी प्रकार शासकीय अधिवक्ता के लिए दिलमन रतिमिंज, अखिलेश कुमार, अजित सिंह, केशव गुप्ता, संघर्ष पाण्डेय, धीरज वानखेड़े, अरविन्द दुबे, अजय पाण्डेय, मती सुप्रिया उपासने, राहुल तामस्कर, सतीश गुप्ता, रतन पुष्टि, संतोष सोनी, गैरी मुखोपाध्याय, जितेन्द्र वास्तव, राजीव भारत और उप शासकीय अधिवक्ता के लिए कु. सुनीता मानिकपुरी, प्रमोद वास्तव, अतानु घोष, सु प्रज्ञा पाण्डेय, सु शैलजा शुक्ला, सु उपासना मेहता, किशन साहू, सुयशधर दीवान, मती प्रज्ञा वास्तव, आशुतोष पाण्डेय, अंकुर कश्यप, शालिन सिंह बघेल की नियुक्ति की गई है।

इसी प्रकार जारी आदेश में पैनल लॉयर के लिए नितांश जायसवाल, शैलेन्द्र शर्मा, मो. राहुल अमीन मेनन, अभिषेक सिंह, लव शर्मा, दीपक कुमार सिंह, आशुतोष शुक्ला, सु मोनिका सिंह ठाकुर, रिषभ चन्द्र सिंह देव, शुभ्रा वास्तव, अमित वर्मा, स्मृति वास्तव, प्रभा शर्मा, नंद कुमार कश्यप, सु सा गोयल, सु आकांक्षा वर्मा, अंकुर कश्यप, यू.पी.एस. साहू, समीर बेहार, सुरेन्द्र देवांगन, प्रदीप सिंह राठौर, विजय बहादुर सिंह की नियुक्ति की गई है।

बाबू भैया की कलम से

धर्म-राजतंत्र बनाम आस्था का सैलाब

देश के ही क्या पूरे दुनिया के हिन्दू इस वक्त 'रामराज' के आने की कल्पना में डूबे हुए हैं। आज किसी को भी कुछ और सोचने की फुरसत नहीं है, देश –दुनिया के हिंदुओं में ऐसा माहौल बना हुआ है। अखबार देख लें या टीवी चैनल्स सभी ओर रामभक्ति की बौछार हो रही है। कुछ अखबार व चैनल तो राममय वातावरण को विस्तार देने खबरों का सीरियल सा चला रहे हैं। कमी है तो सिर्फ एक बार और 'रामायण' सीरियल चलाने की है। जिसकी लोग प्रतीक्षा व अपेक्षा कर रहे थे। खबरों में गीता प्रेस गोरखपुर की भी चर्चा हो रही है ,जहां प्रतिदिन रामचरित मानस की हजारों प्रतियां छापी जा रहीं है ,लेकिन कम पड़ रही हैं। यानी देश दुनिया में रामचरित मानस को प्राप्त करने लोग लालायित दिखाई पड़ रहे हैं। क्या गरीब क्या अमीर सबको पता पड़ चुका है कि 22 जनवरी 2024 यानी आज से ठीक चंद दिनों बाद अयोध्या में एक ऐसा ऐतिहासिक आयोजन सम्पन्न होगा, जिसे पूरी दुनिया अनन्त काल तक याद करेगी। यह भी याद करेगी कि इस का निर्माण चाहे किसी ने भी किया हो। उद्घाटन इस देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र दामोदर मोदी ने किया था। आने वाले युगों को यह भी पता चलेगा कि अनेक लोगों,धर्माचार्यों व पंडितों ने इसका विरोध व बहिष्कार भी किया था। इसके साथ ही यह भी कि भारत की एक राजनैतिक पार्टी कांग्रेस के नेताओं ने इसे राजनैतिक प्रयोजन मान कर जाने से इनकार किया था परन्तु अपने सदस्यों पर जाने की बंदिश नहीं लगाई थी। उनके आमंत्रित नेताओं ने कहा था कि अगर कोई जाना चाहता है उस पर रोक नहीं है। यह भी कहा कि हिन्दू धर्म के ध्वजवाहक प्रमुख संत शंकराचार्यों ने राममंदिर के उद्घाटन के तरीके को धर्म के विपरीत कहा है। और यह भी कि हमें कहीं कोई संदेह .नहीं है कि यह भारतीय जनता पार्टी व आरएसएस से प्रेरित वोटों की राजनीति करने वाला आयोजन है,इसलिए आमंत्रित कांग्रेस नेतृत्व इस कार्यक्रम में नहीं जाएगा। देश दुनिया के हिन्दू धर्मानुयायियों के प्रेरणा स्रोत प्रभु श्री राम का मंदिर धर्म के साथ राजनीति का केंद्र बन गया है। दुनिया के हिंदुओं में राम की आस्था अक्षुण्ण है। राजनीति के दांव पेंचों ने आस्था को दो अलग अलग विचारों में बांटने का काम किया है। सच किसका और झूठ किसका यह सोचना बाद की बात है। इस प्रसंग से समस्त रामभक्त दुखी हैं।

राम कब भाजपा के हो गए किसी को समझ में नहीं आया। बुद्धिजीवियों का मत है राम सबके हैं। इस मुद्दे की चर्चा तो 500 वर्षों से जारी थी अनेक उत्तर चढ़ाव मंदिर-मस्जिद विवाद के दौर में आये लेकिन इस तरह का राजनैतिक प्रसंग नहीं बना,जैसा आज देखा जा रहा है। जनचर्चा चलती रही,वाद विवाद चलते रहे। जब राम मंदिर बनाने 'मंदिर वहीं बनायेंगे' के गंभीर नारे के साथ देश के एक राजनैतिक दल की शीर्ष राजनैतिक ताकतें रथयात्रा में निकाली। दूसरी राजनैतिक ताकतों ने इसमें बाधा पहुंचाई। यहां से ही यह प्रसंग राजनीतिक रंग में रंग दिया गया। यह लड़ाई अब वर्चस्व की लड़ाई में तब्दील हो चुकी है। इसमें किसी को भी यह शक नहीं है कि राममंदिर की बड़ी जंग भारतीय जनता पार्टी व आरएसएस के विचारों की छांव में बीजेपी के नेतृत्व में ही लड़ी गई। हिन्दू एकता का माध्यम भी यही मंदिर बना है। हिन्दू वोटों को एक मंच पर पहुंचाने का काम भी अप्रत्यक्ष रूप से राम मंदिर निर्माण के आह्वान ने ही किया है। भले ही जिन्होंने आह्वान किया था वे सब आज राममंदिर उद्घाटन के चेहरे नहीं हैं। उन्हें मार्गदर्शक मंडल में सम्मान दिया गया है। अब नए डायनामिक चेहरे की जरूरत थी, जिसकी हिन्दू धर्मावलंबियों में जबरदस्त स्वीकार्यता हो। एक मंच तक आये हिन्दू मत मंच पर लंबे समय तक बने रहें।आज ऐसा चेहरा भी भाजपा के पास है और माहौल भी है। राममंदिर का उद्घाटन इसी प्रेरणा से प्रेरित दिखाई दे रहा है।

हिन्दू धर्म के सर्वोच्च पद पर पदासीन शंकराचार्यों के विचारों को भी सोशल मीडिया में तरह तरह के तर्कों से काटा जा रहा है। आदि शकराचार्य की बनाई हिन्दू एकता व देश की एकता की कल्पना के मायने बदलने के लिए यह युग बेताब दिखाई दे रहा है। क्या देश के धार्मिक विचार दो धाराओं में विभक्त हो जाएंगे। आम हिन्दू इस बात से चिंतित दिखाई दे रहा है। क्या अब धार्मिक की जगह 'राजनैतिक धर्माचायो' के युग का पदार्पण हो रहा है। प्रबुद्ध लोगों का कहना है कि प्रजातंत्र में भले ही प्रधान मंत्री देश के मुखिया हैं। यह नहीं भूलना चाहिए कि धर्म के क्षेत्र में शंकराचार्यों का ही सर्वोच्च पद इस देश की मान्यताओं में मौजूद है। उनकी अनदेखी करके धर्म प्रतिष्ठा लोक मानस में नहीं बस सिर्फ पार्टी समर्थकों में ही सम्भव होगी। यह लोगों का अपना मत है लेकिन धर्म के वर्तमान प्रवाह में बह रहे रामभक्त इस प्रकार की किसी बात को राममंदिर के उद्घाटन के ऊपर अपने मानस में स्थान देने को तैयार नहीं दिख रहे है। आने वाले समय में राममंदिर की स्थापना को प्रभु श्रीराम को उनका घर वापस दिलाने के रूप में प्रचारित करके 2024 में दिल्ली के अपने मजबूत गढ़ को अजेय बनाने की दिशा में भारतीय जनता पार्टी 'इंडिया' के घेरे से बहुत आगे जाने को बेताब है। परिणाम भविष्य के गर्भ में है। इंतजार सबको है।

'आप' के प्रदेशाध्यक्ष हुपेंडी समेत कई नेताओं ने दिया इस्तीफा

रायपुर। लोकसभा चुनाव के लिए जहां सभी पार्टी तैयारियों में जुट गई हैं। वहीं आम आदमी पार्टी में दरार देखने को मिली है। आज मंगलवार को आप के प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी, प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद मिरी और प्रदेश सचिव विशाल केलकर ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ कई वरिष्ठ पदाधिकारी समेत कार्यकर्ताओं ने पार्टी की प्राथमिक

सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। छत्तीसगढ़ आप ने विधानसभा चुनाव के दौरान कड़ी मेहनत तो की, लेकिन एक सीट पर भी कब्जा नहीं जमा पायी। इस चुनाव में पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। बता दें कि विस चुनाव में प्रदेशाध्यक्ष रहे कोमल हुपेंडी भानुप्रतापपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्होंने कब्जा जमा नहीं पाए और हार का सामना करना पड़ा।

जब हमारे राम आयेंगे तो सभी दर्शन करने जाएंगे

रायपुर। 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है। इसे लेकर पूरे देश में खुशी और उत्सव का माहौल है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस आलाकमान ने रामलला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का निमंत्रण मिलने के बाद राम मंदिर जाने से इनकार कर दिया था। इसे लेकर छत्तीसगढ़ से कांग्रेस सांसद रंजीत रंजन का बड़ा बयान सामने आया है। मंगलवार को मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होने कहा कि, भगवान राम पर हम सभी की श्रद्धा है।

अफसरों के ट्रांसफर पर भिड़े बैज, ओपी

बड़े अधिकारियों को संघ के कार्यालय में हाजिरी देनी पड़ रही है-कांग्रेस
गुड गवर्नेंस के विषय पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं-चौधरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आईएएस अफसरों के तबादलों को लेकर एक बार फिर से सियासत गरमा रही है । कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार में शासन प्रशासन के अधिकारियों के बीच भय का माहौल बनाया जा रहा है । बड़े अधिकारियों को संघ के कार्यालय में हाजिरी देनी पड़ रही है । इस पर पलटवार करते हुए कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि ट्रांसफर उद्योग चलाने वालों को इस पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। इस पर पलटवार करते हुए कैबिनेट मंत्री और पूर्व अफसर ओपी चौधरी ने कहा कि जिन लोगों ने हर पोस्ट पर प्राइस टैग लगाया था जिन्होंने ट्रांसफर उद्योग चलाया, जिन्होंने हर पोस्ट को मंडी की नीलामी की तरह बेचा । उनको गुड गवर्नेंस के विषय पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है।

डायल 112 से लोगों को तत्काल मदद मिले: शर्मा

रायपुर। पुलिस, फायर और चिकित्सा संबंधी आकस्मिक जरूरत पड़ने पर लोगों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए संचालित की जा रही डायल 112 सुविधा के कंट्रोल रूम पहुंचकर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कार्यप्रणाली देखी। उन्होंने अधिकारियों को इस व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद और आकस्मिक विपत्ती पड़े लोगों को तत्काल सहायता मिले इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इस मौके पर विधायक गुरू खुशवन्त साहेब भी उनके साथ थे।

उपमुख्यमंत्री ने संचालन कक्ष के भ्रमण के दौरान अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रदीप गुप्ता ने बताया कि पुलिस, फायर और चिकित्सा संबंधी आकस्मिक जरूरतों के

मद्देनज़र जरूरतमंद नागरिकों द्वारा कॉल करके और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम् से डायल 112 से संपर्क किया जाता है। उन्होंने बताया कि कॉलर द्वारा संपर्क करने पर यह कॉल सी-4 स्थित कॉल टेकर सेक्शन में प्राप्त होती है, संचालन कक्ष में उपस्थित कॉल टेकर के द्वारा कॉलर आवश्यक पूछताछ कर एक इवेंट बनाया जाता है। जिसे तकनीकी भाषा में कॉल फॉर सर्विस कहा जाता है।

कॉल टेकर द्वारा बनाए गए सीएफएस को कंप्लीट करते ही यह इवेंट कम्प्यूटर ऐडेड डिस्पेच प्रणाली के माध्यम् से रियल टाईम में संबंधित जिला के डिस्पेचर स्टॉफ के सिस्टम में दिखाई देती है, जो उस घटनास्थल के नजदीक उपलब्ध इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल को सिस्टम में खोज कर आवश्यकतानुसार एक या एक से अधिक ईआरव्ही को उस इवेंट को अटैंड करने असाइन करता है। इवेंट पर असाइन होते ही संबंधित ईआरव्ही में मौजूद पुलिस ईआरव्ही में लगे मोबाईल डेटा टर्मिनल डिवाइस की मदद से तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना हो जाता है।

श्री गुप्ता ने बताया कि पूरी प्रक्रिया का सी-4 में मौजूद पुलिस पर्यवेक्षण अधिकारी और संबंधित जिला के डिस्ट्रिक्ट पुलिस कंट्रोल रूम स्टॉफ द्वारा निगरानी की जाती है। इवेंट समाप्त होने पर ईआरव्ही स्टॉफ द्वारा की गई कार्यवाही के संबंध में एक ब्रीफ नोट लिखा जाता है, जिसे एक्शन टेकन रिपोर्ट कहा जाता है। पुलिस अधिकारियों द्वारा समय-समय पर कॉलरों से संपर्क कर फीडबैक लिया जाता है, ताकि सर्विस की गुणवत्ता में आवश्यक सुधार किए जा सकें। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने विभिन्न कक्षों के अवलोकन पश्चात् डायल 112 परियोजना के शेष जिलों में भी प्रस्तावित क्रियान्वयन के संबंध में बैठक ली। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव गृह एवं जेल मनोज कुमार पिंगुआ, पुलिस महानिदेशक श्री अशोक जुनेजा, पुलिस महानिरिक्षक रायपुर रतन लाल डांगी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर श्री प्रशांत अग्रवाल, उप पुलिस महानिरीक्षक (योजना एवं प्रबंध) मनीष शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह उपस्थित थे।

प्रमुख समाचार छत्तीसगढ़/राजधानी

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को मिला स्कॉच आर्डर ऑफ मेरिट सर्टिफिकेट

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने गैरपरंपरागत ऊर्जा के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। गैरपरंपरागत ऊर्जा स्त्रोतों के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ सरकार के ऊर्जा विभाग द्वारा एक नया आयाम स्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व में ऊर्जा विभाग अंतर्गत राज्य की स्टेट नोडल एजेंसी छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) को प्रदेश में स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्रों के प्रभावी संचालन, संधारण एवं रख-रखाव प्रणाली हेतु स्कॉच आर्डर ऑफ मेरिट सर्टिफिकेट से आज सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि के लिए क्रेडा के अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। क्रेडा को यह सम्मान सौर ऊर्जा संयंत्रों के दक्ष एवं मजबूत संचालन, संधारण प्रणाली के कारण दिया गया है। गौरतलब है कि क्रेडा द्वारा प्रदेश में लगभग दो लाख इक्यासी हजार से अधिक सौर ऊर्जा संयंत्रों का प्रभावी संधारण एव रख-रखाव कर वर्ष में औसतन 94 से 95 प्रतिशत तक संयंत्रों की कार्यशीलता सुनिश्चित की जा रही है।

2 अंतरराज्यीय तस्करों सहित 3 आरोपीयों को लाखों के गांजे के साथ दबोचा

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस नशे के सौदागरों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है. बीते दिनों रायपुर पुलिस ने नशीली सिरप की सपलाई के अंतरराज्यीय चेन का पर्दाफश करते हुए महाराष्ट्र से एक और राजधानी से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था. जिनके पास से भारी मात्रा में नशीली सिरप को जब्त किया था. इसी कड़ी में आज रायपुर पुलिस ने भारी मात्रा में गांजा की तस्करी कर रहे उत्तर प्रदेश के 2 अंतरराज्यीय गांजा तस्करों सहित 3 आरोपीयों को गिरफ्तार किया हैं. आरोपियों ने पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए 2 क्विंटल गांजे को मालवाहक वाहन में बोरियों में कार्टून के अंदर हेलमेटों की बीच छिपाकर रखा हुआ था. लेकिन पुलिस ने उनका प्लान फेल करते हुए, उन्हें धर दबोचा. जानकारी के मुताबिक, सोमवार 15 जनवरी को एंटी क्राईम एंड साईबर यूनिट अंतर्गत गठित नारकोटिक्स सेल को गुप्त सुत्रों से सूचना मिली की, थाना गंज क्षेत्रांतर्गत तेलघानी नाक चौक की ओर से मालवाहक चारपहिया वाहन में सवार कुछ युवक सामानों की बोरियों में गांजा छिपाकर शहर की ओर जा रहे है. जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर लखन पटले, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध पीताम्बर सिंह पटेल, नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली योगेश साहू और उप पुलिस अधीक्षक क्राईम दिनेश सिन्हा ने प्रभारी एंटी क्राईम एंड साईबर यूनिट एवं थाना प्रभारी गंज को सूचना की तस्दीक कर आरोपियों को गांजा के साथ रंगे हाथ पकड़ने निर्देशित किया गया.

लोस चुनाव 2024 को लेकर कांग्रेस संचार विभाग में जोन और लोस प्रभारी नियुक्त

रायपुर। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस संचार विभाग में जोनल प्रभारी और लोकसभा प्रभारी की नियुक्त हुई है। ये नियुक्त पीसीसी चीफ दीपक बैज के आदेशानुसार की गई है। जारी आदेश में जोनल प्रभारी रायपुर जोन सुरेन्द्र शर्मा, बिलासपुर जोन आर.पी सिंह, दुर्ग जोन धनंजय सिंह ठाकुर, सरगुजा जोन जे.पी श्रीवास्तव, बस्तर जोन जावेद खान है। लोकसभा प्रभारी सरगुजा अनुपम फिलिप्स, रायगढ़ संजय देवांगन, जांजगीर-चापां प्रकाशमणी वैष्णव, कोरबा घनश्याम राजू तिवारी, बिलासपुर अभय नारायण राय, राजनांदगांव रूपेश दुबे, दुर्ग नीता लोधी, रायपुर सुरेन्द्र वर्मा, महासमुंद नितिन भंसाली, बस्तर शिल्पा देवांगन, कांकेर हेमंत ध्रुव है। सभी प्रभारी प्रवक्ताओं से कहा गया है कि उपरोक्तानुसार अपने-अपने प्रभार क्षेत्र में मीडिया के माध्यम से पार्टी संगठन के कार्यक्रमों को मजबूती के साथ आम जनता तक पहुंचाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें और नियमित प्रतिवेदन प्रदेश संचार विभाग के अध्यक्ष को प्रेषित करें।

ईडी कोयला घोटाला में पूरक आरोपपत्र पेश करने की तैयारी में जुटी

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कोयला घोटाला में पूरक आरोपपत्र पेश करने की तैयारी में जुटी हुई है। जेल में बंद निलंबित आइएएस रानू साहू, समीर विश्नोई, राज्य प्रशासनिक सेवा की अधिकारी सौम्या चौरसिया समेत दस आरोपितों से लगातार पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही डिस्ट्रिक्ट मिनरल फंड (डीएमएफ) से प्रतिवर्ष अर्जित रकम और खर्च की गई राशि का हिसाब-किताब भी जुटाया जा रहा है। जानकार सूत्रों के अनुसार पूरक आरोपपत्र में विधायक देवेंद्र यादव, पूर्व विधायक चंद्रदेव राय, कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल समेत अन्य के नाम भी शामिल करने की चर्चा है। ईडी सूत्रों के अनुसार जांच एजेंसी की टीम की महिला अधिकारियों ने महिला जेल प्रकोष्ठ में बंद रानू साहू और सौम्या चौरसिया से दो दिन तक लगातार अलग-अलग पूछताछ की है। दोनों से प्रतिवर्ष डीएमएफ फंड से अर्जित रकम और खर्च की गई राशि का ब्यौरा लिया गया है।

इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट रायपुर से मुंबई होते हुए जाएगी अयोध्या

रायपुर। अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान श्री रामलला का प्राण-प्रतिष्ठा समारोह होना है। रामलला प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने वाले छत्तीसगढ़ के राम भक्तों के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, इंडिगो एयरलाइंस ने 15 जनवरी से रायपुर से मुंबई होते हुए अयोध्या फ्लाइट शुरू कर दी है। फिलहाल समारोह में शामिल होने के लिए प्रदेश के 1000 से ज्यादा हवाई यात्रियों ने बुकिंग कराई है। बताया जा रहा है कि इस फ्लाइट से अयोध्या जाने वाले यात्रियों में से अधिकांश की बुकिंग 19 व 20 जनवरी को है। अजय ट्रैवल्स के संचालक रमन जादवानी ने बताया कि इस समय रायपुर से दिल्ली व मुंबई जाने वाली फ्लाइट्स फुल चल रही हैं। इनमें सबसे ज्यादा यात्री रायपुर से सुबह 9.20 बजे वाली मुंबई फ्लाइट में होते हैं। आने वाले चार दिनों में मुंबई और दिल्ली के रास्ते से अयोध्या जाने वाले काफी ज्यादा रहेंगे। सुबह वाली फ्लाइट से जाने पर मुंबई विमानतल से एक घंटे में अयोध्या के लिए सीधी फ्लाइट मिलेगी। बताया जा रहा है कि मुंबई होते हुए अयोध्या का किराया 19 जनवरी को 20,699 रुपये है। दिल्ली से अयोध्या जाने पर 15,193 रुपये है। मालूम हो कि सभी फ्लाइट हाउसफुल जा रही हैं। 20 से नो एंट्री है।

उप मुख्यमंत्री साव ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

उप मुख्यमंत्री साव ने जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री अरुण साव ने आज रायपुर के ''नीर भवन'' में विभागीय कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने बैठक में प्रदेशवासियों को शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर नल से जल उपलब्ध कराने की महती मुहिम शुरू की है। इसे लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए सभी अधिकारी योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें। उन्होंने विभाग में रिक्त पदों को जल्दी भरने पर भी जोर दिया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव श्री मोहम्मद कैसर अब्दुलहक और प्रमुख अभियंता श्री एम.एल. अग्रवाल सहित विभाग के सभी मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता और कार्यपालन अभियंता समीक्षा बैठक में मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने जिलेवार सभी विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

की। उन्होंने विभाग द्वारा स्थापित हैंडपंपों के संधारण एवं सुधार के लिए विशेष अभियान चलाकर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण हैण्डपम्प पेयजल का स्रोत है। यह हमेशा चालू हालत में रहे, यह सुनिश्चित किया जाए। बैठक में सभी जिलों के कार्यपालन अभियंताओं ने जल जीवन मिशन के साथ ही अन्य विभागीय योजनाओं की प्रगति की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री साव ने राज्य की सभी बसाहटों, स्कूलों और आंगनबाड़ी केन्द्रों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत नल से जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने गर्मियों में कहीं पर भी पेयजल की समस्या न हो, इसके लिए समुचित कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। श्री साव ने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को पेयजल योजनाओं की सतत् निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अच्छा कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित करने तथा कार्य के प्रति उदासीन अधिकारियों पर कार्यवाही करने को कहा।

दंतेवाड़ा में मुठभेड़ में पांच लाख का इनामी नक्सली ढेर, इधर बीजापुर में जवानों पर यूबीजीएल से हमला

दंतेवाड़ा । जिले में मंगलवार को पुलिस और नक्सलियों को बीच मुठभेड़ हो गई। बारसूर थाना क्षेत्र के मंगनार के जंगलों में हुई इस मुठभेड़ में जवानों ने पांच लाख के इनामी नक्सली रतन कश्यप को ढेर कर दिया। साथ ही हथियार भी बरामद किया गया है। एसपी गौरव राय ने इस घटना की पुष्टि की है। मिली जानकारी के अनुसार सीआरपीएफ और डीआरजी की संयुक्त टीम बारसूर थाना क्षेत्र के मंगनार के जंगलों की ओर सर्चिंग के लिए रवाना हुई थी। इसी दौरान नक्सलियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने भी गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया और एक वर्दीधारी नक्सली को मार गिराया। मारे गए नक्सली की पहचान एरिया कमांडर रतन कश्यप के रूप में हुई है। रतन कश्यप पर पांच लाख का इनाम था। बताया जा रहा है कि एरिया कमांडर रतन कश्यप बड़ी वारदातों को में शामिल था। इधर, बीजापुर जिले में एरिया डामिनेशन पर निकली पुलिस टीम पर नक्सलियों ने यूबीजीएल (देशी लांचर) से हमला किया। इस हमले में सुरक्षा बल के जवानों कोई नुकसान नही पहुंचा है। यह घटना सीमावर्ती क्षेत्र पामेड़ इलाके की है। जानकारी अनुसार थाना पामेड़ से जिला बल, कोबरा 204 व केरिपु 151 की सयुंक्त टीम शाम को एरिया डामिनेशन पर निकली थी। इसी बीच जवानों को देखकर नक्सलियों ने हमला कर दिया। इसके बाद सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में नक्सली जंगल की आड़ लेकर भाग खड़े हुए। बीजापुर एसपी आंजनेय वार्ष्णेय ने इस घटना की पुष्टि की है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.